- क्रिसिल की रिपोर्ट एफडीआई में 2 प्रतिशत से ज्यादा होगी चीन की हिस्सेदारी -10

- वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है ईरान युद्ध : आईईए -10

- गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से विकसित भारत का लक्ष्य संभव नहीं -11

- अक्षर पटेल ने कहा- मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं -12

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

18.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13 सूर्यास्त 06.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी 04:08 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 24 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 45, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

शेयर बाजार क्रैश, सेंसेक्स लुढ़का

मुंबई। शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,837 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 602 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया युद्ध अब चौथे सप्ताह में पहुंच गया है। इसके कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी व रुपये की विनिमय दर में गिरावट को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। सेंसेक्स 1,836.57 अंक यानी 2.46 प्रतिशत टूटकर 72,696.39 अंक पर बंद हुआ।

इंडिगो ने आलोक सिंह को मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली। इंडिगो ने सोमवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रबंध निदेशक अलोक सिंह को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) नियुक्त करने की घोषणा की। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक इस्तीफे को दो सप्ताह भी नहीं हुए हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि सिंह में रणनीतिक दृष्टि और परिचालन क्षमता का उत्कृष्ट मिश्रण है।

रुपए ने छुआ 94 का सर्वोच्च स्तर

मुंबई। पहली बार सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 94 के स्तर को लांघ गया। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में आये सुधार के बीच कारोबार के अंत में रुपया 93.53 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.84 पर खुला और पूरे दिन गिरावट में रहा। अंतत: यह पहली बार 94 के स्तर को पार कर गया। बाद में रुपया गिरावट रोकने में कामयाब रहा और डॉलर के मुकाबले रुपया 93.53 प्रति डॉलर पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।

रामविलास पासवान के पूर्व निजी सचिव पर रिश्वत लेने की रिपोर्ट दर्ज

नई दिल्ली। सीबीआई ने पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के तत्कालीन निजी सचिव संजीव हंस के खिलाफ 2019 में मुंबई स्थित एक रियल एस्टेट कारोबारी से एनसीडीआरसी से रियायतें दिलाने के बदले एक करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के संदेह में मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने प्राथमिकी में रियल एस्टेट कंपनी आरएनए कॉर्पोरेशन में काम करने वाले हंस के दोस्त विपुल बंसल का भी नाम शामिल किया है।

राजधानी में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए बनेगा कन्वेंशन सेंटर

कैबिनेट बैठक में 35 प्रस्ताव मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने दोगुना किया लक्ष्य, 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर होगी सरकारी खरीद
- ऊर्जा, निवेश, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर को रफ्तार देने वाले कई अहम निर्णय

संभल में 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संभल में 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है। करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इस परियोजना से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

पीपीपी मॉडल पर बनेगा कन्वेंशन सेंटर, 1435 करोड़ आएगी लागत

वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राजधानी लखनऊ में 1435 करोड़ रुपये की लागत से इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस सेंटर में 10 हजार क्षमता का मुख्य हॉल और 2500 क्षमता का ऑडिटोरियम होगा। जिससे लखनऊ अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में सोमवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में 37 प्रस्तावों पर विचार के बाद चीनी उद्योग और लखीमपुर पुल विस्तार योजना को स्थगित करते हुए 35 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक में फोकस किसानों पर रहा, जबकि ऊर्जा, निवेश, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के अलावा राजधानी में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए बनेगा कन्वेंशन सेंटर सहित कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

कैबिनेट ने राजस्व संहिता की धारा 80(8) में बदलाव करते हुए बड़ा निर्णय लिया है। अब किसी भी भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही उसका भूमि उपयोग स्वतः बदल जाएगा। अलग से लैंड यूज परिवर्तन की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे निर्माण और निवेश प्रक्रिया आसान होगी। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सरकार ने गेहूं खरीद नीति को मंजूरी देते हुए एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले वर्ष से 160 रुपये अधिक है। इसके साथ ही किसानों को उतराई, सफाई और छनाई के लिए 20 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त देने का निर्णय लिया गया है, जिसका करीब 60 करोड़ रुपये का व्यय मंडी परिषद वहन करेगा। इस बार खरीद अवधि 30 मार्च से 15 जून तक तय की गई है। सभी किसानों से गेहूं की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश के 75 जिलों में 6500 क्रय केंद्रों के माध्यम से आठ एजेंसियां खरीद करेंगी। सबसे अहम फैसला खरीद लक्ष्य को लेकर हुआ, जहां पहले 25 लाख मीट्रिक टन का प्रस्ताव था, जिसे मुख्यमंत्री ने बढ़ाकर 50 लाख मीट्रिक टन कर दिया। इससे अधिक किसानों को सरकारी खरीद का लाभ मिल सकेगा। कृषि के साथ-साथ औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कैबिनेट ने निजी बिजनेस पार्क योजना-2025 को मंजूरी दी है। इसके तहत प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे, जिससे निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है, जो प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जोड़ेगा। औद्योगिक कॉरिडोर को मजबूत करने के को गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे 29 स्थानों पर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। इसके लिए 24,542 करोड़ की लागत स्वीकृत की गई है। इन क्लस्टरों में सड़क, बिजली, जल आपूर्ति समेत सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ऊर्जा व नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाते हुए गोरखपुर में 20 मेगावाट सोलर प्लांट स्थापित करने को मंजूरी दी गई है, जिससे हरित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। घाटमपुर पावर प्लांट की 660 मेगावाट की तीन इकाई के लिए झारखंड में 2242.90 करोड़ में एक कोल ब्लाक लेने के लिए मंजूर किया गया है। इससे बिजली लागत 3.78 रुपये प्रति यूनिट से घटकर 2.72 प्रति यूनिट होने की उम्मीद है।

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर, सरकार हर अप्रत्याशित संकट से निपटेगी : मोदी

प. एशिया पर बोले- युद्ध का प्रभाव लंबा रह सकता है, इसलिए एकजुट रहना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा में मोदी ने दिया वक्तव्य, कहा- कूटनीति से ही युद्ध का समाधान संभव

बढ़ेगी बिजली की मांग पर्याप्त संसाधन मौजूद

प्रधानमंत्री ने कहा, आज देश में किसानों ने अन्न भंडार भर रखे हैं। प्रयास है कि खरीफ मौसम की सही से बुवाई हो। उन्होंने कहा, मैं देश के किसानों को विश्वास दिलाता हूं कि सरकार उनकी हरसंभव मदद करती रहेगी। कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली की मांग बढ़ने की चुनौती रहेगी, लेकिन सभी संयंत्रों के लिए पर्याप्त कोयला भंडार पर्याप्त हैं।

आर्थिक, राष्ट्रीय व मानवीय सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती

पिछले तीन सप्ताह से अधिक समय से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के हालात ने भारत के सामने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं जो आर्थिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय सुरक्षा से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, यह आवश्यक है कि भारत की संसद से इस संकट को लेकर एकमत और एकजुट आवाज में संदेश दुनिया में जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट की स्थिति बनने के बाद उन्होंने स्वयं पश्चिम एशिया के अधिकतर राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बात की है और उन सभी ने वहां भारतीयों की सुरक्षा का पूरा आश्वासन दिया है। मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में भारत के जितने भी मिशन हैं वे निरंतर भारतीयों की मदद में जुटे हैं, वहां काम करने वाले भारतीयों, पर्यटकों को हर संभव मदद दी जा रही है। मोदी ने कहा, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक लगभग 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही अभी तक लगभग एक हजार भारतीय सुरक्षित वापस आए हैं।

प्रधानमंत्री के वक्तव्य की प्रमुख बातें

- पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव चिंता का विषय है। वहां की स्थिति बिगड़ने से भारत पर भी असर पड़ सकता है, खासकर व्यापार और तेल सप्लाई पर।
- विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें सुरक्षित निकालने को विशेष अभियान सरकार चला सकती है।
- सरकार किसानों की मदद के लिए कई कदम उठा रही है। एमएसपी बढ़ाने, सिंचाई की सुविधा सुधारने और नई तकनीक पर जोर दे रही है।
- होर्मुज का जिक्र करते हुए कहा कि यह अहम रास्ता है, अगर यहां रुकावट आती है तो भारत में तेल की कीमतों और सप्लाई पर असर पड़ सकता है।
- दुनिया में चल रही अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर है। सरकार का फोकस निवेश बढ़ाने, रोजगार के मौके पैदा करने और विकास को आगे बढ़ाने पर है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर वक्तव्य देते हुए यह भी कहा कि इस संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है और इसका सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा।

उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट और व्यावसायिक जहाजों पर हमलों को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि इस समस्या का समाधान कूटनीति और बातचीत से ही संभव है तथा भारत तनाव को कम करने व संघर्ष समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र में सरकार की तैयारियों के कारण आज हालात से निपटने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, सरकार संवेदनशील है, सतर्क है और हर सहायता के लिए तत्पर भी है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व ऐसे संकट में गलत फायदा उठाने का प्रयास करते हैं, इसलिए कानून व्यवस्था से जुड़ी सभी एजेंसियों को सतर्क रखा गया है। इस युद्ध के कारण दुनिया में बने हालात का प्रभाव लंबे समय तक रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा, हमें एकजुट रहना होगा।

ट्रंप ने ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला टाला, बोले- जंग खत्म करने पर वार्ता जारी

दुबई, एजेंसी

- ट्रंप बोले- 5 दिन अटैक नहीं करेंगे पहले दिया था 48 घंटे का अल्टीमेटम
- समझौता होने पर संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की बात कही
- ईरान ने कहा- कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए दी गई समयसीमा सोमवार को बढ़ा दी और कहा कि अमेरिका पांच दिन के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले टाल रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल साइट पर युद्ध के समाधान की संभावना भी जताई। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने बातचीत होने से इनकार किया है। कहा कि तेल कीमत घटाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप गुमराह कर रहे हैं।

ट्रंप के रुख में आए बदलाव से अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का कुछ समाधान निकलने की उम्मीद जगी है। बाद में, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी दूत एक सम्मानित ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके (ट्रंप के) दामाद जेरेड कुशनर ने रविवार शाम तक बातचीत की तथा वार्ता जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से बात नहीं की है।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान के साथ कोई समझौता हो जाता है, तो अमेरिका ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण संवर्धित यूरेनियम को अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई करेगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप की घोषणा के ठीक बाद ईरानी सरकारी टेलीविजन ने कहा, ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पीछे हटे।

हर घटनाक्रम पर भारत की है बारीक नजर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा ईरान के बिजली संयंत्रों पर हमले को पांच दिन के लिए स्थगित करने की घोषणा किए जाने के तुरंत बाद भारत ने सोमवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। ट्रंप की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इन घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। जायसवाल ने पश्चिम एशिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के लगातार संपर्क में रहने और नई दिल्ली द्वारा इस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

दो और एलपीजी टैंकर होर्मुज पार कर भारत के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाले दो और एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज को पार कर गए हैं और दो से ढाई दिन में भारतीय बंदरगाह पर पहुचेंगे। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत जलडमरूमध्य को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। इन जहाजों पर लदी गैस देश में लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों जहाज पर लगभग 92,000 टन एलपीजी है। - विस्तृत कारोबार पर

प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज ढहा, 4 की मौत

प्रयागराज के फाफामऊ थाना क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज की गिरी छत।

प्रयागराज, एजेंसी

- अमोनिया गैस का रिसाव होने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मची, एक किमी तक फैली गैस, 14 घायल

यहां के गंगा नगर के फाफामऊ थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक कोल्ड स्टोरेज के अचानक ढह जाने से चार श्रमिकों की मृत्यु हो गई, जबकि 14 श्रमिक घायल हो गए। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया, घायलों का इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग की टीम घटनास्थल से मलबा हटाकर लोगों की तलाश रही है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-गंगा नगर) कुलदीप गुनावत ने बताया कि फाफामऊ थाना क्षेत्र में एक कोल्ड स्टोरेज अचानक भर भराकर ढह गया और उससे अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रशासन और पुलिस की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी है तथा अग्निशमन विभाग की टीम भी सक्रिय है जो गैस रिसाव रोकने की दिशा में काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में इस घटना पर दुख व्यक्ति करते हुए कहा है, इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ मेरी सहानुभूति है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

रामनवमी मेले को लेकर 80 घंटे बंद रहेगा अयोध्या हाईवे

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनवमी मेले को लेकर 24 मार्च की दोपहर दो बजे से 27 मार्च की रात 12 बजे तक जिले की सीमाओं से जुड़े राष्ट्रीय व प्रादेशिक राजमार्ग पर यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। एसपी यातायात एपी सिंह ने सोमवार देर शाम बताया कि यह प्रतिबंध आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होगा। साथ ही श्रद्धालुओं के वाहनों को भी आने जाने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से और जनपद बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर से डायवर्ट किया जाएगा। बलरामपुर, बहराइच, गोण्डा, श्रावस्ती, से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कानपुर, उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चांद सराय से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर की ओर डायवर्ट किया जाएगा। आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहनों को मोहान, जुनाबगंज, से मोहनलालगंज से गोसाईगंज से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गोरखपुर की ओर भेजा जाएगा और सीतापुर, शाहजहांपुर, से आने वाले वाहनों को आईआईएम रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीदपथ होते हुए अहीमामऊ से होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।

अधिकारी आत्महत्या मामला: आप के पूर्व मंत्री भुल्लर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब राज्य भंडारण निगम के एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक लालजीत सिंह भुल्लर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि भुल्लर को मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। अमृतसर स्थित पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार तड़के जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। वीडियो सामने आया है, जिसमें वह (रंधावा) भुल्लर पर उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लगाते दिख रहे हैं। मामले में उनके पिता समेत तीन पर मामला दर्ज है।

आदेश | सुप्रीम कोर्ट ने कंपनियों से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में सीबीआई और ईडी द्वारा दिखाई गई अनिच्छा पर जताई नाराजगी

अनिल अंबानी बैंक फ्रॉड केस की निष्पक्ष व समयबद्ध जांच हो

नई दिल्ली, एजेंसी

73,000 करोड़ रुपये है धोखाधड़ी की कुल राशि

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम उन्हें यह निर्देश नहीं दे सकते कि किसे गिरफ्तार करना है, लेकिन जांच एजेंसियों की ओर से दिखाई गई अनिच्छा स्वीकार्य नहीं है। उन्हें समयबद्ध तरीके से बताना चाहिए कि क्या पाया गया है। आपकी जांच से पता चलना चाहिए कि क्या किया गया है और इससे न केवल हमें, बल्कि सभी को विश्वास होना चाहिए। पीठ ने जांच एजेंसियों की नयी वस्तु स्थिति रिपोर्ट में सामने आए कुछ तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी वर्तमान में क्रमश: सात और आठ प्राथमिकी की जांच कर रही हैं। पीठ ने यह भी कहा कि 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण का निपटारा कथित तौर पर 26 करोड़ रुपये का भुगतान करके किया गया है। पीठ ने कहा कि अनुमान है कि धोखाधड़ी की कुल राशि लगभग 73,000 करोड़ रुपये है। न्यायालय ने कहा, जांच एजेंसियों को इस मामले की तह तक जाना चाहिए। हम सीबीआई और ईडी से आग्रह करते हैं कि जांच को पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से पूरा किया जाए ताकि इसे समयबद्ध तरीके से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सके।

शीर्ष कोर्ट ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) व उसकी कंपनियों से जुड़े बैंकिंग धोखाधड़ी मामले की जांच में सीबीआई और ईडी द्वारा दिखाई गई अनिच्छा पर सोमवार को नाराजगी व्यक्त की। कोर्ट ने उन्हें इस मामले में निष्पक्ष, तटस्थ, पारदर्शी और समयबद्ध जांच करने का निर्देश दिया।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने सीबीआई और ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया और सभी संबंधित वित्तीय संस्थानों को ईडी को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया। अंबानी के नेतृत्व वाले एडीएजी की कंपनियों द्वारा कथित तौर पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण धोखाधड़ी मामले की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध करते हुए पूर्व नौकरशाह ईएएस शर्मा ने जनहित याचिका दायर की है।

इस पर सुनवाई करते हुए, पीठ ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को यह अनुमति दी कि यदि अन्य सरकारी निकाय उन्हें सहयोग देने में अनिच्छा दिखाते हैं तो वे उससे संपर्क कर सकते हैं। सुनवाई की शुरुआत में मेहता ने पीठ को सूचित किया कि एक एसआईटी का गठन किया गया है। जांच एजेंसियों ने अब तक 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

अन्य फैसले

लोक सेवा अधिकरण के पदाधिकारियों की आयु सीमा बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अधिकरण) अधिनियम, 1976 में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अधिनियम की धारा-3(8) के स्थान पर नई उपधारा 3(8)(क) जोड़ी गई है, जिससे अधिकरण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की आयु सीमा में दो साल की बढ़ोत्तरी हुई है। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से अधिकरण में अनुभवी अधिकारियों की सेवाएं अधिक समय तक मिल सकेंगी, जिससे मामलों के निस्तारण में गति आएगी और न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी। इस संशोधन का उद्देश्य प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों में निरंतरता बनाए रखना तथा लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना है।

बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण का दायरा बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण के क्षेत्र का विस्तार करते हुए 14 नए गांवों को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सरकार का मानना है कि इस फैसले से क्षेत्र में नियोजित शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और तेजी से हो रहे विस्तार को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। नए गांवों के शामिल होने से इन क्षेत्रों में सड़क, जल निकासी, बिजली, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। विकास प्राधिकरण का दायरा बढ़ने से औद्योगिक और आवासीय परियोजनाओं को गति मिलेगी, जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

ललितपुर मेडिकल कॉलेज को 3250 वर्ग मीटर भूमि मिलेगी मुफ्त

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में ललितपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 3250 वर्गमीटर भूमि नि:शुल्क उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सरकार का मानना है कि इस फैसले से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। मेडिकल कॉलेज के विकास से न केवल क्षेत्र के मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

चिलुआताल में फ्लोटिंग सोलर प्लांट को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में गोरखपुर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम फैसला लेते हुए चिलुआताल में 20 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के मानकों के अनुरूप होगी, जिसके तहत शहर की ऊर्जा जरूरतों का एक हिस्सा अक्षय स्रोतों से पूरा किया जाएगा। इसके लिए करीब 80 एकड़ जल क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा। परियोजना में पर्यटन विभाग की 28.20 एकड़ भूमि को कोल इंडिया लिमिटेड को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा, जो अपने संसाधनों से प्लांट स्थापित करेगी।

सस्ती बिजली की दिशा में बढ़े कदम

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट ने 2242.90 करोड़ लागत से पछवारा साउथ कोल ब्लॉक विकास को भी मंजूरी दी है। इससे घाटमपुर तापीय परियोजना के लिए कोयला उपलब्ध होगा और बिजली उत्पादन लागत में करीब 1 रुपये प्रति यूनिट तक कमी आने की संभावना है, जिससे उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिल सकेगी।

भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही स्वत: बदल जाएगा लैंड यूज

यूपी कैबिनेट के फैसले : भूमि उपयोग परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया होगी सरल, तहसीलों का अधिकार छीनने से खत्म होगा भ्रष्टाचार का खेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने भूमि उपयोग परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब किसी भी भूखंड का नक्शा स्वीकृत होते ही उसका लैंड यूज स्वतः बदल जाएगा और इसके लिए अलग से जिलाधिकारी या एसडीएम से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विभाग के इस प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी से तहसीलों का जहां अधिकार छिन गया है, वहीं एसडीएम से लेकर लेखपाल स्तर तक होने वाले भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उप्र. राजस्व संहिता, 2006 की धारा-80 में संशोधन के लिए अध्यादेश 2026 को मंजूरी दे दी गई। इस अहम फैसले के तहत विकास प्राधिकरणों, औद्योगिक विकास प्राधिकरणों, विनियमित क्षेत्रों तथा उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अधीन क्षेत्रों में गैर-कृषि उपयोग (लैंड यूज) परिवर्तन की प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया गया है। अब इन क्षेत्रों में अलग से लैंड यूज बदलवाने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि किसी भूखंड का नक्शा प्राधिकरण द्वारा पास हो जाता है, तो उसी को भूमि उपयोग परिवर्तन माना जाएगा। इससे पहले लोगों को दोहरी प्रक्रिया (पहले लैंड यूज परिवर्तन और फिर नक्शा पास कराने) से गुजरना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की अधिक खपत होती थी।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा। अमृत विचार

क्या बदला, क्या होगा फायदा

पहले क्या था
- लैंड यूज बदलने के लिए अलग से अनुमति जरूरी
- एसडीएम, तहसील और लेखपाल स्तर पर लंबी प्रक्रिया
- महीनों तक फाइल लंबित रहती थी
- दलालों के जरिए अवैध वसूली

अब क्या होगा
- नक्शा पास होते ही स्वत: लैंड यूज बदल जाएगा
- अलग से अनुमति लेने की जरूरत खत्म
- प्रक्रिया पूरी तरह सरल और तेज

सीधा फायदा
- तहसीलों में भ्रष्टाचार पर बड़ा प्रहार
- आम लोगों और निवेशकों को राहत
- निर्माण और निवेश परियोजनाओं में तेजी
- पारदर्शिता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि नई व्यवस्था में नक्शा पास कराने की प्रक्रिया में ही सभी औपचारिकताएं समाहित कर दी गई हैं। इससे न केवल आमजन को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि निवेशकों के लिए भी प्रक्रिया आसान और पारदर्शी बनेगी। इस सुधार से प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योग स्थापना में तेजी आएगी और उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

अब तक की व्यवस्था में किसी कृषि भूमि को आवासीय या व्यावसायिक उपयोग में बदलने के लिए एसडीएम, तहसीलदार और लेखपाल स्तर पर लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। प्राधिकरण क्षेत्र में भू-उपयोग परिवर्तन के लिए मुख्य नगर और ग्राम नियोजक के यहां प्रस्ताव भेजे जाते थे, लेकिन उन पर त्वरित फैसला नहीं हो पाता था। इस दौरान फाइलें महीनों तक लंबित रहती थीं और कई मामलों में बिचौलियों के माध्यम से लाखों रुपये की अवैध वसूली की शिकायतें सामने आती थीं।

नवयुग पालिका योजना को मंजूरी 58 शहरों का होगा स्मार्ट विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2916 करोड़ से बदलेगी नगर पालिकाओं की तस्वीर, डिजिटल गवर्नेंस पर जोर
- जिला मुख्यालयों के संतुलित विकास से घटेगी क्षेत्रीय असमानता

अमृत विचार: प्रदेश में संतुलित शहरी विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में "नवयुग पालिका योजना" को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के 58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों को स्मार्ट सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिससे नगर निगमों के बाहर के शहरों में भी आधुनिक विकास का लाभ पहुंच सके।

योजना के अंतर्गत 55 नगर पालिका परिषद, 3 नगर पंचायतों तथा दादरी नगर पालिका परिषद को शामिल किया गया है। पहली बार राज्य सरकार ने नगर निगमों से इतर नगरीय निकायों पर फोकस करते हुए उनके समग्र विकास के लिए अलग नीति लागू की है। इस योजना पर अगले 5 वर्षों (2025-26 से 2029-30) में कुल 2916 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। हर वर्ष करीब 583.20 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे, जिसे पूरी तरह राज्य सरकार वहन करेगी।

नवयुग पालिका योजना के तहत डिजिटल गवर्नेन्स, ई-सेवाएं और स्मार्ट तकनीक को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे नागरिक सेवाएं अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनेंगी। साथ ही सड़कों, जल निकासी, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक उन्नयन किया जाएगा।

नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि योजना के तहत निकायों को उनकी जनसंख्या के आधार पर दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है, ताकि जरूरत के अनुसार विकास कार्य किए जा सकें। इसके अंतर्गत ऑडिटोरियम, उत्सव भवन, प्रदर्शनी केंद्र, पार्कों का विकास और विद्युत व्यवस्था का आधुनिकीकरण जैसे कार्य भी शामिल हैं। परियोजनाओं के चयन के लिए जनपद और राज्य स्तर पर समितियां गठित की जाएंगी, जो तकनीकी परीक्षण और अनुमोदन के बाद कार्यों को लागू करेंगी।

ग्रेटर नोएडा में 174 एकड़ में बनेगा मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क नीति-2024 के तहत ग्रेटर नोएडा में 174.12 एकड़ भूमि पर मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) की स्थापना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना में 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा और 30% फ्रंट-एंड लैंड सब्सिडी उपलब्ध होगी। भूखंड का आवंटन ई-नीलामी मॉडल से किया जाएगा, जिसमें कंपनियां, एलएलपी और साझेदारी फर्म भाग ले सकेंगी। परियोजना के लिए भूमि का रिजर्व प्राइस 11,000 रुपये प्रति वर्गमीटर तय किया गया है। चयनित निवेशक को 7 वर्षों में परियोजना पूरी करनी होगी, जिसमें पहले 3 वर्षों में 40% कार्य अनिवार्य होगा। यह लॉजिस्टिक्स पार्क प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ने, माल ढुलाई लागत कम करने और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रदेश में 'री-यूज वाटर' नीति लागू पेयजल बचाने की बड़ी पहल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश सरकार ने सेफ री-यूज ट्रीटेड वाटर पॉलिसी को मंजूरी देते हुए जल प्रबंधन के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। इस नीति के तहत अब घरों और उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को शोधन (ट्रीटमेंट) के बाद दोबारा उपयोग में लाया जाएगा, जिससे पेयजल संसाधनों पर बढ़ते दबाव को कम किया जा सके।

प्रदेश में सिंचाई, घरेलू, औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्रों में पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए सरकार ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) के माध्यम से शोधित जल के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। नीति के तहत पहले चरण में नगर निकायों के कार्य, निर्माण गतिविधियों, बागवानी और सिंचाई में इस पानी का उपयोग किया जाएगा। दूसरे चरण में इसे उद्योग, कृषि और रेलवे जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित किया जाएगा। वहीं तीसरे चरण में ड्यूल पाइप सिस्टम के जरिए घरों तक गैर-पीने योग्य पानी की अलग आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल स्वच्छ पेयजल की बचत होगी, बल्कि नदियों और जलाशयों में प्रदूषण भी कम होगा। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा की खपत में भी कमी आएगी।

'री-यूज वाटर' नीति की विशेषताएं

*अपशिष्ट जल को ट्रीट कर दोबारा उपयोग

*एसटीपी और एफएसटीपी के जरिए शोधन

*निर्माण, बागवानी और सिंचाई में उपयोग

*उद्योग और रेलवे तक विस्तार

*ड्यूल पाइप सिस्टम से घरों में अलग सप्लाई

*प्रदूषण में कमी

*जल संरक्षण और ऊर्जा बचत को बढ़ावा

अयोध्या, गोरखपुर, रायबरेली, फतेहपुर व मिर्जापुर में लगेंगी यूनिट, हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

3540 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को कैबिनेट से मिली मंजूरी, जल्द जारी होगा लेटर ऑफ कंफर्ट

नंद गोपाल नंदी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 3540 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत प्रदेश के पांच जिलों अयोध्या, गोरखपुर, रायबरेली, फतेहपुर और मिर्जापुर में सुपर मेगा श्रेणी की औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इन परियोजनाओं के लिए संबंधित कंपनियों को जल्द ही लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जाएगा।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने बताया कि इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। स्वीकृत प्रस्तावों के तहत पक्का लिमिटेड अयोध्या में 676.26 करोड़, गैलेंट इस्पात लिमिटेड गोरखपुर में 765.11 करोड़, रिलायंस सीमेंट कंपनी प्रा. लि. रायबरेली में 550.31 करोड़, डालमिया भारत ग्रीन विजन लिमिटेड फतेहपुर में 776.35 करोड़ और मिर्जापुर में 772.26 करोड़ के निवेश से औद्योगिक इकाइयां स्थापित करेंगी। इसके अलावा कैबिनेट ने जनपद सीतापुर में स्थापित रेडिको खेतान लिमिटेड को 6.88 करोड़ की पूंजीगत सब्सिडी देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

मंत्री नंदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है। सरकार हर निवेश प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है और एमओयू को अंतिम रूप तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

औद्योगिक इकाइयों को 566.77 करोड़ की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति को मंजूरी

मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन देने के लिए 566.77 करोड़ की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति को भी मंजूरी दी है। इसके तहत गोरखपुर की गैलेंट इस्पात लिमिटेड को करीब 244.39 करोड़, जबकि अन्य कंपनियों अंकुर उद्योग, पसवारा पेपर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और अन्य को भी निर्धारित राशि दी जाएगी। इसके अलावा उन्नाव की इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड और गौतमबुद्धनगर की विजन सोर्स एलएलपी को फ्रंट एंड लैंड सब्सिडी के रूप में भी बड़ी राशि स्वीकृत की गई है।

प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर विकसित होंगे आधुनिक पार्क

- निजी बिजनेस पार्क योजना से औद्योगिक निवेश को मिलेगी रफ्तार, 45 साल की लीज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना-2025 को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत आधुनिक प्लग-एंड-प्ले और रेडी-टू-यूज बिजनेस पार्क विकसित किए जाएंगे, जहां वैश्विक कंपनियों के कार्यालय, आरएंडडी सेंटर और संचालन इकाइयां स्थापित की जा सकेंगी।

सरकार का मानना है कि तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में निवेश परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ती है। नई योजना इस समस्या को दूर कर विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण तैयार करेगी, जिससे बड़े उद्योगों के साथ-साथ एमएसएमई और स्टार्टअप को भी लाभ मिलेगा। योजना को डीबीएफओटी (डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट, ट्रांसफर) मॉडल पर लागू किया जाएगा, जिसमें निजी डेवलपर पार्क का निर्माण, संचालन और रखरखाव करेगा। प्रत्येक पार्क के लिए कम से कम 10 एकड़ भूमि चिन्हित होगी और इसे 45 वर्ष की लीज पर विकसित किया जाएगा। प्रस्तावों के चयन के लिए पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी और नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी करें मेट्रो परियोजनाएं : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ, कानपुर और आगरा मेट्रो परियोजनाओं की समीक्षा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश में संचालित मेट्रो परियोजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विश्वस्तरीय शहरी परिवहन व्यवस्था में अग्रणी बनाना सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए निर्माण से लेकर संचालन तक हर स्तर पर पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शहरों की अर्थव्यवस्था को गति देने और निवेश आकर्षित करने का माध्यम भी है। उन्होंने परियोजनाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए नए आय स्रोत विकसित करने पर जोर दिया। इसके तहत स्टेशनों पर रिटेल, फूड कोर्ट, मल्टीलेवल पार्किंग, ऑफिस स्पेस और विज्ञापन जैसे विकल्पों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने मेट्रो परियोजनाओं में मल्टी-मोडल और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देने को कहा, ताकि यात्रियों को निर्बाध यात्रा सुविधा मिल सके। बैठक में लखनऊ, कानपुर और आगरा मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। लखनऊ मेट्रो का 23 किमी कॉरिडोर संचालित है और विस्तार 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य है। कानपुर मेट्रो के दोनों कॉरिडोर पर तेजी से काम जारी है और शेष कार्य मार्च 2027 तक पूरा होगा। आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-1 को जून 2026 और कॉरिडोर-2 को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

मेट्रो सेवाओं के बढ़ते उपयोग से यातायात दबाव कम हुआ है। नॉन-फेयर बॉक्स आय 2024-25 में करीब 222 करोड़ रुपये रही। सीएम ने नियमित मॉनिटरिंग और गुणवत्ता से समझौता न करने के निर्देश दिए।

तीन वर्ष में 57 हजार बीमा सखी तैयार करेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर ग्राम पंचायत में एक बीमा सखी महिलाओं को मिलेगा रोजगार

अमृत विचार: प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने अगले तीन वर्षों में प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में 57 हजार 'बीमा सखी' तैयार करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़ा जाएगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी और गांव-गांव तक बीमा सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी।

यह पहल भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सहयोग से संचालित की जा रही है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर "बीमा सखी" बनाया जा रहा है, जो ग्राम स्तर पर बीमा उत्पादों का प्रचार-प्रसार और सेवाएं प्रदान करेंगी। प्रशिक्षण के लिए एलआईसी के ट्रेनिंग सेंटरों के सहयोग से जिला स्तर पर कैलेंडर तैयार किया जा रहा है और परीक्षा में असफल अभ्यर्थियों के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग की भी व्यवस्था की जा रही है।

जनता दर्शन | मुख्यमंत्री ने दिए अधिकारियों को निर्देश, कहा-जवानों व आमजन की शिकायतें समयसीमा में निपटाएं

सैनिकों के परिवार की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि आप बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए, आपके परिवार की सुरक्षा, सम्मान और देखभाल सरकार की जिम्मेदारी है।

जनता दर्शन में विभिन्न जनपदों से आए सैनिकों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखीं, जिनमें कई मामले जमीनी विवाद से जुड़े थे। सीएम योगी ने संबंधित प्रार्थना पत्र लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीमा और आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवानों से संपर्क कर उनकी समस्याओं का समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए और उनके परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए।

जनता दर्शन में आए सैनिकों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

इसके अलावा जनता दर्शन में पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता और स्थानांतरण से जुड़े कई मामले भी सामने आए। मुख्यमंत्री ने हर प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का निष्पक्ष और नियमानुसार निस्तारण किया जाए। आर्थिक सहायता से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि इलाज के लिए अस्पताल से अनुमान (एस्टिमेट) तैयार कर आवेदन करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी भी मरीज का इलाज नहीं रुकेगा, सरकार हर संभव मदद करेगी।

अखिलेश के हाथ नहीं आएगी सत्ता, सपा पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केशव मौर्य बोले, अखिलेश यादव जहां जाते हैं, वहीं हार तय

- ब्रजेश पाठक का तंज, सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज पर चली

अमृत विचार: कैबिनेट बैठक के बाद प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने साफ कहा कि अखिलेश यादव के हाथ प्रदेश की सत्ता कभी नहीं आएगी।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि जिस तरह बिहार में उनके प्रचार के बावजूद तेजस्वी यादव चुनाव हार गए, उसी तरह पश्चिम बंगाल में भी अखिलेश के समर्थन से ममता बनर्जी को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश जहां भी जाते हैं, वहां हार तय हो जाती है। मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा का मतलब ही कानून-व्यवस्था को कमजोर करना रहा है।

वहीं, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का हाल वही है, सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज पर चली। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा था और जनता अब सब कुछ देख चुकी है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि मौजूदा सरकार विकास के एजेंडे पर काम कर रही है। प्रदेश में आधारभूत संरचना मजबूत हुई है, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है।

षष्ठम कात्यायनी

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती शक्तिद्ध के नौ रूपों में छठवां रूप हैं। कात्यायनी अमरकोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है। संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, शाकुम्भरी व ईश्वरी इन्हीं के अन्य नाम हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी शामिल हैं में भी प्रचलित हैं। देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।

बीज मंत्र...

माँ कात्यायनी: क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नमः

महिला प्रधान ने ग्रामीणों को जागरूक कर गांव को कर दिया टीबी मुक्त

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

- भदेसरमऊ गांव की प्रधान विजयलक्ष्मी को आज दिया जाएगा रजत पदक
- विश्व टीबी दिवस पर 64 अन्य प्रधानों को भी पदकों से किया जाएगा सम्मानित

अमृत विचार : भदेसरमऊ की प्रधान ने महिलाओं को संगठित कर गांव में जागरूकता अभियान चलाया। उनके इस प्रयास ने न केवल गांव को टीबी मुक्त किया बल्कि एक प्रेरक मॉडल के रूप में भी स्थापित कर दिया। इस उपलब्धि के लिए मंगलवार को विश्व टीबी दिवस पर इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में प्रधान विजयलक्ष्मी को रजत पदक से सम्मानित किया जाएगा। भदेसरमऊ के अलावा जिले की 64 अन्य ग्राम पंचायतें भी टीबी मुक्त हो चुकी हैं। इनमें एक प्रधान को स्वर्ण, 17 अन्य को रजत और 46 प्रधानों को कांस्य पदक दिए जाएंगे।

मलिहाबाद ब्लॉक के भदेसरमऊ गांव वर्ष 2023 में टीबी मुक्त घोषित कर दिया गया, लेकिन वर्ष 2024 में एक नया मरीज सामने आया। ग्राम प्रधान विजयलक्ष्मी ने तत्परता दिखाई और स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर इलाज सुनिश्चित कराया। महिलाओं की अगुवाई में जागरूकता अभियान और तेज कर दिया। नतीजतन, वर्ष 2025 में गांव फिर टीबी मुक्त घोषित हो गया। अब गांव में टीबी का कोई मरीज नहीं है।

अभियान की शुरुआत में गांव में तीन टीबी मरीज थे। प्रधान ने आशा, एएनएम और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ मिलकर घर-घर अभियान शुरू किया। महिलाओं ने लोगों से खुलकर संवाद कर सामाजिक झिझक और डर को दूर किया। जागरूक करने के साथ ये भी सुनिश्चित किया कि मरीज समय पर जांच कराएं, नियमित दवा लें और पूरा इलाज करें। 'निक्षय पोषण योजना' जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर मरीजों को पोषण सहायता भी दिलाई गई। पंचायत स्तर पर नियमित बैठकें कर संवाद और विश्वास का माहौल बनाया।

व्यक्तिगत पीड़ा से जनसेवा का संकल्प

प्रधान विजयलक्ष्मी

- ग्राम प्रधान विजयलक्ष्मी को अभियान की प्रेरणा उनके परिवार से मिली। उनके पिता टीबी के मरीज थे, इलाज के दौरान जटिलताओं के कारण उनका निधन हो गया। इस अनुभव ने उन्हें दृढ़ संकल्पित बनाया। विजयलक्ष्मी ने बताया कि टीबी को बहुत करीब से देखा है। प्रशिक्षण मिलने के बाद मैंने तय कर लिया कि अपने गांव को इस बीमारी से मुक्त कराना है और इसमें महिलाओं को आगे लाना है।

स्वच्छता व टीकाकरण पर दिया जोर

- टीबी उन्मूलन के साथ-साथ महिलाओं ने गांव में स्वच्छता को प्राथमिकता दी। नालियों को ढकवाने के साथ नियमित सफाई और फॉगिंग शुरू कराई। बच्चों के टीकाकरण को भी अभियान का हिस्सा बनाया गया। विजयलक्ष्मी स्वयं भी संचारी रोग नियंत्रण अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करती हैं। उनका मानना है कि जब महिलाएं जिम्मेदारी उठाती हैं, तो उसका असर हर घर तक पहुंचता है।

एक हजार टीबी मरीजों को गोद ले चुके हैं प्रदीप

प्रदीप गंगवार

- केजीएमयू के डिप्टी नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट प्रदीप गंगवार टीबी मरीजों को गोद लेने का अभियान एक साल से चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को रानी लक्ष्मी बाई संयुक्त चिकित्सालय में टीबी से ग्रसित गरीब मरीजों को पोषक पोटली प्रदान की गई। अभियान के तहत अभी तक एक हजार मरीजों को गोद लेकर पोषक पोटली प्रदान की जा चुकी है। इनमें से सैकड़ों मरीज टीबी से मुक्त होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

अन्य गांवों के लिए प्रेरक मॉडल

- जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एके सिंघल ने कहा कि, भदेसरमऊ की यह पहल दर्शाती है कि मजबूत पंचायत नेतृत्व और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी लाई जा सकती है। यह मॉडल अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

पोषण भत्ते पर लगा ब्रेक

- टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मरीजों को बेहतर खान-पान के लिए सरकार हर महीने 1,000 रुपये की सहायता राशि देती है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 22 केंद्रों पर जनवरी 2025 से 15 दिसंबर तक 23,127 टीबी रोगियों का पंजीकरण किया गया है। इन्हें आठ माह से भत्ता टीबी मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। इसकी वजह से टीबी मरीजों पर हावी है। अफसरों की कोताही से टीबी के खात्मे की योजना भी धरी-धरी की रह गई है।

टीबी मुक्त भारत के लिए जनभागीदारी जरूरी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** विश्व क्षय रोग दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत एरा मेडिकल कॉलेज में जागरूकता गोष्ठी और रैली का आयोजन किया गया। रैली को नेशनल टीबी टास्क फोर्स के उपाध्यक्ष पद्मश्री प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से 'निक्षय मित्र' बनकर अभियान से जुड़ने और दूसरों को जागरूक करने की अपील की। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एके सिंघल ने कहा कि जल्द निदान और उपचार से मरीज को शीघ्र लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि 24 मार्च को रॉबर्ट कॉच द्वारा टीबी के जीवाणु की खोज की गई थी, जिसने उपचार के क्षेत्र में नई दिशा दी। रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. केबी गुप्ता ने दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, खून आना या वजन घटने को नजरअंदाज न करने की अपील की।

आज दिए जाएंगे लक्ष्मण रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार

क्रिकेटर रिंकू सिंह समेत छह खिलाड़ियों को योगी देंगे नियुक्ति पत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 खिलाड़ियों का एकलव्य क्रीड़ा कोष से होगा सम्मान
- 14 अन्य खिलाड़ियों को भी दी जाएगी नकद धनराशि

रिंकू सिंह

अजीत कुमार

राजकुमार पाल

प्रवीण कुमार

प्रीतिपाल

सिमरन

अमृत विचार: प्रदेश सरकार मंगलवार को नौ खिलाड़ियों को वर्ष 2024-25 के लिए लक्ष्मण पुरस्कार व रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार और 19 खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा क्रिकेटर रिंकू सिंह समेत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय छह पदक विजेता खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्तिपत्र भी दिए जाएंगे। लक्ष्मण व रानीलक्ष्मीबाई पुरस्कार में प्रत्येक खिलाड़ी को 3.11 लाख रुपये व कांस्य प्रतिमा दी जाएगी। 14 खिलाड़ियों को 1.64 करोड़ रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

राजभवन में होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंतरराष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। झांगझोऊ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अलीगढ़ के रिंकू सिंह को क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य गाजीपुर के राजकुमार पाल व पेरिस पैरालंपिक में ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतने वाले गौतमबुद्धनगर के प्रवीण कुमार को डिप्टी एसपी पद पर नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा भाला फेंक में रजत पदक जीतने वाले इटावा के अजीत सिंह, और 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक विजेता गाजियाबाद की सिमिरन को जिला पंचायत राज अधिकारी पद पर नियुक्ति दी जाएगी। 100 और 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली मुजफ्फरनगर की प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) बनाया जाएगा।

कलेक्टर की अनुमति के बिना नहीं बेच जाएंगे जमीन

एलडीए की आईटी और वेलनेस सिटी में लगाई जाएगी धारा-11

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए ने शासन को अनिवार्यता के लिए भेजा प्रस्ताव ने

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की आईटी और वेलनेस सिटी में जमीन की खरीद और बिक्री रोकने के लिए भूमि अर्जन अधिनियम-2013 की धारा-11 लागू की जाएगी और बिना कलेक्टर की अनुमति के कोई भी जमीन का क्रय-विक्रय नहीं कर पाएगा। एलडीए ने धारा-11 की अनिवार्यता के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है।

एलडीए की सुल्तानपुर रोड पर 3,490 एकड़ में आईटी सिटी और करीब 1200 एकड़ में वेलनेस सिटी प्रस्तावित है। दोनों योजनाओं में किसानों से लैंड पूलिंग, बिक्री और अधिग्रहण इन तीन विकल्प के आधार पर जमीन जुटाई जा रही है। एलडीए ने जमीन की बिक्री और रजिस्ट्री पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद किसान व अन्य भूमि स्वामी लोगों को गुमराह करके चोरी-छिपे जमीन बेच रहे हैं। एलडीए ने दोनों योजनाओं में इन शिकायतों का संज्ञान लेकर शासन को भूमि अर्जन अधिनियम-2013 की धारा-11 लागू करने का प्रस्ताव भेजा है। जो एक सप्ताह में स्वीकृति मिलते ही लागू हो जाएगा। इस प्राविधान में जमीन संबंधित सभी कार्य कलेक्टर द्वारा किए जाएंगे। जमीन क्रय-विक्रय की कलेक्टर से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद भी कोई चोरी-छिपे जमीन बेचता है तो मान्य नहीं होगी।

खरीदार भू-उपयोग नहीं कर पाएंगे। रजिस्ट्री निरस्त कर दी जाएगी। भूमि स्वामी को किसी तरह का प्रतिकर नहीं मिलेगा। बल्कि आदेशों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। एलडीए धारा-11 की प्रक्रिया के लिए जमीन के सभी गाटे, खसरा, खतौनी आदि अभिलेख जिलाधिकारी कार्यालय व संबंधित तहसील कार्यालय को दे देगा।

आईटी व वेलनेस के इन गांवों पर लगेगी धारा-11

- मोहनलालगंज तहसील अंतर्गत आईटी सिटी के लिए ग्राम बक्कास, सोनई कंजेहरा, सिकंदरपुर अमोलिया, सिद्धपुर, परेहटा, पहाड़ नगर टिकरिया, रकीबाबाद, मोहारी खुर्द, खुजौली, भटवारा व वेलनेस सिटी अंतर्गत ग्राम बक्कास, मलूकपुर ढकवा, चौरहिया, चौरासी, दुलारमऊ, नूरपुर बेहटा व मस्तेमऊ ग्राम में अर्जित भूमि पर धारा-11 लागू की जाएगी।

30 को ई-ऑक्शन खरीदें दुकानें और भूखंड

- **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ विकास प्राधिकरण व्यावसायिक संपत्तियां 30 मार्च को ई-ऑक्शन के माध्यम से बिक्री करेगा। प्रक्रिया में शामिल होने के लिए 28 मार्च तक ऑनलाइन पंजीयन कराना है। ई-ऑक्शन में विभिन्न योजनाओं के भू-उपयोग के रिक्त भूखंड व दुकानें लगाई हैं। प्राधिकरण गोमती नगर विस्तार, गोमती नगर, अलीगंज, जानकीपुरम्, कानपुर रोड समेत अन्य सभी योजना में खाली व्यावसायिक भूखंड और कॉम्पलेक्स की दुकानों की बिक्री करेगा। ई-ऑक्शन में प्रतिभाग करने के लिए registration. ldalucknow.in पर पंजीयन कराना है। पंजीकरण के दौरान संपत्ति का 10 फीसद धनराशि जमा करनी है।

न्यूज ब्रीफ

टक्कर मारकर ले उड़े 50 हजार रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरा नगर निवासी बलराम साधवाणी बीआर हुंडई में काम करते हैं। उनके मुताबिक वह अपने मालिक के कहने 50 हजार रुपये लेकर 16 मार्च को मार्क्समैन हजरतगंज में जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान रॉयल स्काई के पास एक साइकिल सवार ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी, जिससे वह असंतुलित होकर गिरने लगे। तभी पीछे से दो अन्य व्यक्ति उन्हें संभालने के बहाने पास आए। तीनों ने मिलकर उनकी जेब से 50 हजार रुपये निकाल लिए। जब वह पैसे जमा करने पहुंचे तो जेब खाली मिली। इसके बाद उन्होंने अपने मालिक को सूचना दी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। पीड़ित के मुताबिक फुटेज देखने पर टक्कर मारने वालों पर संदेह हुआ। इसके बाद हजरतगंज थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दृष्टिबाधित छात्र का बैग लौटाया

अमृत विचार, काकोरी : पारा के बुद्धेश्वर इलाके में पुलिस की तत्परता से एक छात्र का ऑटो में छूटा बैग मिल गया। बैग में मोबाइल, लैपटॉप और जरूरी दस्तावेज रखे थे। जिसे पुलिस ने छात्र को वापस सौंप दिया। मोहान रोड स्थित डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र मोहम्मद आदिल ऑटो से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उनका बैग ऑटो में ही छूट गया। बैग में उनका मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पारा थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।बुद्धेश्वर पुलिस चौकी इंचार्ज विनय पटेल ने टीम के साथ तलाश कर बैग को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा बैग वापस मिलने पर छात्र मोहम्मद आदिल ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

स्कूल के नाम से की अमर्यादित पोस्ट

अमृत विचार, लखनऊ : विकासनगर इलाके में स्थित प्री स्कूल के नाम का दुरुपयोग किया गया। स्कूल के नाम से सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी के साथ संचालिका का मोबाइल नंबर भी पोस्ट की गई। इसके बाद से लगातार संचालिका के नंबर पर अभद्र कॉल आने लगे। स्कूल संचालिका ने विकासनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विकास नगर निवासी महिला सेक्टर पांच में स्थित एक प्री स्कूल की संचालिका हैं। तहरीर में उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके स्कूल के नाम बैनर और फोन नंबर का दुरुपयोग करते हुए कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट डाल दी। इन पोस्ट पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। जिससे स्कूल की छवि खराब हो रही है। यहीं नहीं आरोपित ने संचालिका का फोन नंबर को अटैच कर दिया।

खरगापुर में सरकारी जमीनों पर कब्जा हटाने का आदेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीआईएल पर हाईकोर्ट लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने दिया आदेश
- आदेश में कहा तीन माह में खाली कराए नगर निगम और सदर तहसील

अमृत विचार: गोमती नगर विस्तार में स्थित खरगापुर गांव में सरकारी व सार्वजनिक जमीनों से बिना अनुमति कब्जा हटाने का आदेश हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने नगर निगम और सदर तहसील को दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने वकील विनय मिश्रा की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है।

याचिका में खरगापुर गांव के गाटा संख्या 248, 227 सा, 228, 246 और 247 की भूमि से जुड़ा है। इन गाटों में सरकारी दस्तावेज में तालाब, ऊसर और बंजर के तौर पर दर्ज जमीनों पर निजी व्यक्तियों और बिल्डर ने कब्जा कर रखा है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि प्रश्नगत जमीनों का निरीक्षण किया जाए तथा यदि अवैध कब्जा पाया जाता है तो तीन माह में उसे हटा दिया जाए। नगर निगम की तरफ से शैलेंद्र सिंह चौहान और राज्य सरकार की तरफ से पंकज श्रीवास्तव के पक्ष में वकील अभिराम सिंह ने ने दलीलें पेश की।

नगर निगम की ओर से अदालत को बताया गया कि अतिक्रमण हटाने के लिए 13 मार्च 2026 को संयुक्त टीम द्वारा मौके का निरीक्षण प्रस्तावित था, लेकिन किसी कारणवश कार्रवाई उस दिन नहीं हो सकी और इसे स्थगित कर दिया गया। अदालत के इस आदेश के बाद अब प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है और आने वाले समय में उक्त भूमि पर बड़ी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

आउटर रिंग रोड पर ट्रक में घुसी इंडीवर एक की मौत

अमृत विचार: काकोरी के आउटर रिंग रोड स्थित उदित खेड़ा गांव के पास रविवार देर रात आगरा से आ रही इंडीवर आगे चल रही ट्रक में जा घुसी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। उन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर के मुताबिक फैजल उर्फ लकी (24) सहादत गंज बाउली चौकी का रहने वाला था। वह चार दोस्तों जीशान ,लाला, उजैफा, नूर के साथ ईद के बाद रविवार आगरा घूमने गया था। आगरा से लौटते समय देर रात करीब 10:30 बजे आऊटर रिंग रोड उदित खेड़ा गांव के पास कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर के बाद एयरबैग खुल गए, लेकिन टक्कर इतनी तेज थी कि सभी युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार जीशान चला रहा था आगे सीट पर फैजल बैठा था।सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा जहां लकी की मौत हो गई। परिजन के मुताबिक लकी एसी मैकेनिक था। नवंबर में उसकी शादी होनी वाली थी। पुलिस के मुताबिक ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

सिटी डायरी

शहीद दिवस पर निकाली पद यात्रा

शहीद दिवस पर पदयात्रा निकालते युवक।

अमृत विचार, काकोरी : शहीद दिवस के अवसर पर यात्रा निकालकर शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु एवं शहीद सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दुर्गेश त्रिपाठी राष्ट्रीय अध्यक्ष एकल अभियान युवा विभाग ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा एवं विभिन्न जागरूकता संदेशों से युक्त पट्टिकाएं लेकर नागरिक कर्तव्यों, अनुशासन, स्वच्छता और राष्ट्र निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों को समझें और समाज तथा राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस आयोजन ने न केवल शहीदों को श्रद्धांजलि दी, बल्कि युवाओं में एक नई ऊर्जा और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत की।

शिविर में शामिल छात्र और छात्राएं।

सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

अमृत विचार, काकोरी : कालीचरण पी.जी. कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर सोमवार को शिविर मोहान रोड स्थित ग्राम इब्राहिमगंज के सामुदायिक भवन में शुरू किया गया। इसमें प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने राष्ट्रीय सेवा योजना के गतिविधियों में अनुशासित तरीके से प्रतिभाग करते हुए व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया। सुबह छात्र-छात्राएं बस से गांव में पहुंचे और श्रम दान कर सामुदायिक केंद्र की सफाई की। इसके बाद विवेकानंद और महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर की शुरुआत हुई। ग्राम प्रधान रामपाल यादव मुख्य ने गांव के विकास में जुड़ने की बात कही। कार्यक्रम अधिकारी डॉ मुकेश कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की।

जागरूकता रैली निकालते छात्र-छात्राएं व शिक्षक।

रैली निकाल किया जागरूक

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा स्थित लाला रामस्वरूप शिक्षा संस्थान इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर का सोमवार को समापन हो गया। इसके पहले स्वयंसेवकों ने "स्कूल चलो अभियान" के तहत गोष्ठी की और रैली निकाली7 छात्र-छात्राओं ने "दीप से दीप जलाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे", "कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार" और "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" जैसे नारों से लिखी तख्तियां लेकर ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार मणि, साधौ सिंह, सुरेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. भगवान दयाल व ग्राम प्रधान राजा गौतम, कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

बादशाहबाग स्थित पशुपालन निदेशालय में शपथ ग्रहण करते पदाधिकारी।

शपथ ली

अमृत विचार, लखनऊ : पशु चिकित्सा फार्मेसिस्ट संघ उप्र का सोमवार को निदेशालय स्थित संघ कार्यालय में शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस दौरान फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस मौके पर अध्यक्ष अशोक कुमार द्वारा संवर्ग की मांगों पर चर्चा करके सर्वसम्मति से मांग पत्र तैयार किया गया। इसमें चीफ वेटनरी फार्मेसिस्ट को राजपत्रित घोषित किया जाना आदि प्रमुख मांगे रखी गईं।

फालोअप बंथरा के नीवां गांव में परिवार के तीन सदस्यों के जहरीला पदार्थ खाकर कर ली थी खुदकुशी

परिवार के मुखिया का सई नदी पर किया गया अंतिम संस्कार

संवाददाता सरोजनीनगर

अमृत विचार: बंथरा के नीवां गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों द्वारा जहरीला पदार्थ खा लिया था। मां तारावती और बेटे संदीप की पहले दिन ही मौत हो गई थी। वहीं, रविवार को मुखिया रुपनारायण चौरसिया की मौत हो गई। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को शव सुपुर्द कर दिया गया। परिजन ने सई नदी के देवरहा घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया।

चाय पान की दुकान चलाने वाले रूपनारायण, उनकी पत्नी तारावती और बेटे संदीप ने जहर खा लिया था। इस घटना में संदीप और तारावती की उसी रात मौत हो गई थी। जबकि गंभीर हालत में रूपनारायण को जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

रविवार शाम इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक संदीप और तारावती की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर से मौत की पुष्टि हुई, जबकि रूपनारायण को कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने की वजह से पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट कारण नहीं आया। जिसकी वजह से विसरा सुरक्षित रखा गया है।

इस मामले में मृतक के छोटे बेटे कुलदीप ने डीसीबी बैंक के कर्मचारियों के खिलाफ बंथरा थाने में तहरीर दी है। कुलदीप का आरोप है कि परिवार ने आशियाना चौराहा स्थित डीसीबी बैंक से 28 नवंबर 2023 को 5,30,450 रुपये लोन लिया था, जिसे चुकाने में असमर्थ होने पर बैंक केकर्मचारी बकाया 5,18,670 तुरंत जमा करने के लिए अधिक दबाव बना रहे थे। इस दौरान परिवार द्वारा बीमारी और आर्थिक दिक्कतों का हवाला देने के बावजूद बैंक कर्मचारियों ने उसे नजरअंदाज कर घर के बाहर नोटिस चस्पा कर दी। आरोप है कि उसी दिन गुरुवार को बैंक कर्मियों ने उसकी दुकान पर पहुंचकर पिता रूपनारायण के साथ गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार कर काफी अपमानित किया, साथ ही मकान नीलाम करने की धमकी दी।

कुलदीप ने आरोप लगाया कि बैंक कर्मचारियों की इस करतूत से आहत होकर परिवार ने जहर खा कर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

जनहित के मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

अमृत विचार, लखनऊ: उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में भूमि विवाद, अवैध कब्जा, उत्पीड़न, सड़क, बिजली, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही प्रत्येक शिकायत में जवाबदेही तय कर नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी आवास में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। कई मामलों में उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर आवश्यक निर्देश दिए, जिससे तत्काल कार्रवाई शुरू हो सके।

बजट लैप्स हुआ तो वेतन से होगी कटौती

अमृत विचार, लखनऊ: कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यदि प्रदेश के किसी भी जिले में आवंटित बजट लैप्स होता है तो इसे कार्य के प्रति घोर लापरवाही माना जाएगा। साथ ही लैप्स हुई धनराशि को संबंधित अधिकारियों के वेतन से रिकवरी की जाएगी। उन्होंने यह निर्देश सोमवार को कृषि निदेशालय से प्रदेश के आला अधिकारियों के साथ विभाग की वर्चुअल समीक्षा करते हुए दिए। कृषि मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कृषि विभाग का कुल बजट 8620.65 करोड़ रुपये निर्धारित है। जिसमें अब तक 7298.79 करोड़ (84.67 प्रतिशत) की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने जायद फसल अभियान के अंतर्गत उरद, मूंग, मूंगफली और मक्का के बीजों के वितरण की स्थिति की समीक्षा की।

औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण में तेजी लाएं

अमृत विचार, लखनऊ: खादी एवं ग्रामोद्योग, एमएसएमई और निर्यात विभाग के मंत्री राकेश सचान ने निर्देश दिए कि विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नई औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण में तेजी लाई जाए तथा वित्त वर्ष 2025-26 तक निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त किया जाए। साथ ही "प्लेज पार्क योजना" के तहत स्वीकृत 12 पार्कों के शीघ्र क्रियान्वयन और लंबित प्रस्तावों को जल्द पूरा करने को कहा। खादी मंत्री, सोमवार को खादी एवं ग्रामोद्योग, एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभागों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वन ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को लेकर प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए।

जन भवन में मनाया गया शहीद दिवस व लोहिया जयंती

अमृत विचार, लखनऊ: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में जन भवन में शहीद दिवस और डॉ. राम मनोहर लोहिया के जयंती के मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही तीनों महान शहीदों के साथ ही डॉ. राम मनोहर लोहिया के जीवन एवं उनके योगदान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष सचिव श्रीप्रकाश गुप्ता ने कहा कि देश की आजादी अनगिनत त्याग और संघर्ष का परिणाम है। कार्यक्रम में विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ. पंकज एल. जानी, विशेष कार्याधिकारी अशोक देसाई, आदर्श माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

11 मृतक आश्रितों को दी गई नियुक्ति

अमृत विचार, लखनऊ: कृषि विभाग ने सोमवार को प्रदेश भर में सेवा के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों के 11 आश्रितों को कनिष्क सहायक के पद पर नियुक्ति दी है। इस दौरान कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने कहा कि सभी कार्मिकों को कार्यभार ग्रहण करने के एक वर्ष के भीतर ट्रिपिल सी प्रमाण पत्र और टंकण में न्यूनतम 25 शब्द प्रति मिनट की गति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। नव नियुक्त कर्मियों में पम्मी कुमारी, अयान रिजवान, सृष्टि कुशवाहा, पंकज राठौर, नित्या तिवारी, अनिकेत कुमार, प्रीती कुशवाहा, जीशान अली, ब्रजेन्द्र कुमार, अजीत सिंह और पुलकित श्रीवास्तव शामिल हैं।

यूपीसीडा की पहल से 8 नई परियोजनाओं को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 800 करोड़ निवेश प्रस्तावित वेयरहाउसिंग व लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भरोसा
- अब तक 61 परियोजनाएं स्वीकृत, 12,900 करोड़ से अधिक निवेश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने आठ नई परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें करीब 800 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है।

सरकार की उप्र. वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत निवेशकों को निजी भूमि पर लॉजिस्टिक्स और भंडारण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन, वित्तीय सहायता और कर छूट दी जा रही है। इसी के चलते इस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। नई स्वीकृत परियोजनाओं में 5 साइलो, 2 वेयरहाउसिंग और एक लॉजिस्टिक्स प्रोजेक्ट शामिल हैं, जो उन्नाव, औरैया, बलरामपुर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, लखनऊ, गौतम बुद्ध नगर और हापुड़ जैसे जिलों में स्थापित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं के तहत करीब 110 एकड़ क्षेत्र में विकास होगा, जिससे प्रदेश की कृषि और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी।

इन आठ परियोजनाओं के साथ ही अब तक यूपीसीडा द्वारा कुल 61 परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है, जिनमें 12,900 करोड़ से अधिक निवेश प्रस्तावित है। ये परियोजनाएं लगभग 810 एकड़ भूमि पर विकसित होंगी। इससे अनाज के सुरक्षित भंडारण की क्षमता बढ़ेगी, किसानों को बेहतर स्टोरेज सुविधाएं मिलेंगी और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क अधिक सुदृढ़ होगा। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब बनाना है। इसके लिए मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब, कोल्ड चेन, साइलो और वितरण केंद्रों के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बेहतर बनाकर निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया जा रहा है।

स्वर्णिम अध्याय है बलिदानियों का त्याग

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को बलिदान दिवस के अवसर पर महान क्रांतिकारियों शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों का त्याग भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो हमेशा प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि इन अमर बलिदानियों का साहस, समर्पण और राष्ट्रप्रेम अद्वितीय है।

5000 करोड़ रुपये का दूध कारोबार कर रचा इतिहास

- महिलाओं की आय और आत्मनिर्भरता में आया उछाल

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश करते हुए दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के क्षेत्र में बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। योगी सरकार की योजनाओं और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से 31 जिलों की महिलाओं ने करीब 5000 करोड़ रुपये का दूध कारोबार खड़ा कर दिया है।

महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित होकर ये महिलाएं प्रतिदिन करीब 10 लाख लीटर दूध का संग्रहण कर रही हैं। इस पहल से न सिर्फ उत्पादन बढ़ा है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिली है। प्रदेश के 6 हजार से अधिक गांवों की महिलाएं इस अभियान से जुड़कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज कर रही हैं। महिलाएं अब केवल दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संग्रहण, प्रोसेसिंग और विपणन तक की पूरी प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

स्मार्ट मीटर लगाने का खर्च कंपनी करे : आयोग

विद्युत उपभोक्ता परिषद की मांग पर नियामक आयोग ने दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विद्युत नियामक आयोग ने कहा कि अब यदि नए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं तो उस पर आने वाले धन की जिम्मेदारी उस समय मीटर लगाने वाली कंपनी एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड की होगी। उधर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा कि बार-बार मीटर बदल कर कंपनियां उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ डालती जा रही हैं, जो कि बंद होना चाहिए।

परिषद के अध्यक्ष ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोग में कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ स्वीकार नहीं किया जाएगा। कभी तकनीकी और कभी सुधार के नाम पर मीटर कंपनियां मालामाल हो रही हैं, जबकि उपभोक्ताओं की जेब पर भारी बोझ डाला जा रहा है। इस तरह उपभोक्ता पर हर माह करीब 100 रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोढ बढ़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2019 में स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत 2-जी एवं 3-जी तकनीक आधारित मीटरों से की थी। उस समय राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पुरानी तकनीक के मीटर लगाए जाने का विरोध किया था। कहा था कि भविष्य की तकनीक को ध्यान में रखते हुए उन्नत तकनीक के मीटर लगाए जाएं। वर्तमान में लगभग दो करोड़ 80 लाख उपभोक्ताओं के घरों में 4-जी तकनीक आधारित स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या पावर कॉरपोरेशन बताएगा कि जब फिर तकनीकी बदली और नए मीटर लगाए तो उसका खर्च फिर उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा।

25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी पर विवाद, मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

अमृत विचार, लखनऊ: उप्र. पावर कॉरपोरेशन निविदा संविदा कर्मचारी संघ की ओर से सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने अवगत कराया कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने अपने ही 15 मई, 2017 के आदेश का उल्लंघन करते हुए लगभग 25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। पत्र में कहा गया है कि समिति की रिपोर्ट आने से पहले ही प्रबंधन की ओर से मनमाने तरीके से कर्मचारियों को हटाने और रखने का कार्य किया जा रहा है, जो न्यायसंगत नहीं है। संघ ने मांग की है कि पूर्व में हटाए गए कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से कार्य पर वापस लिया जाए के साथ छंटनी की प्रक्रिया पर रोक लगाने जाने की मांग की। साथ ही, समिति की रिपोर्ट आने तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई न करने की अपील भी की गई है। संघ ने मांगों पर जल्द सुनवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

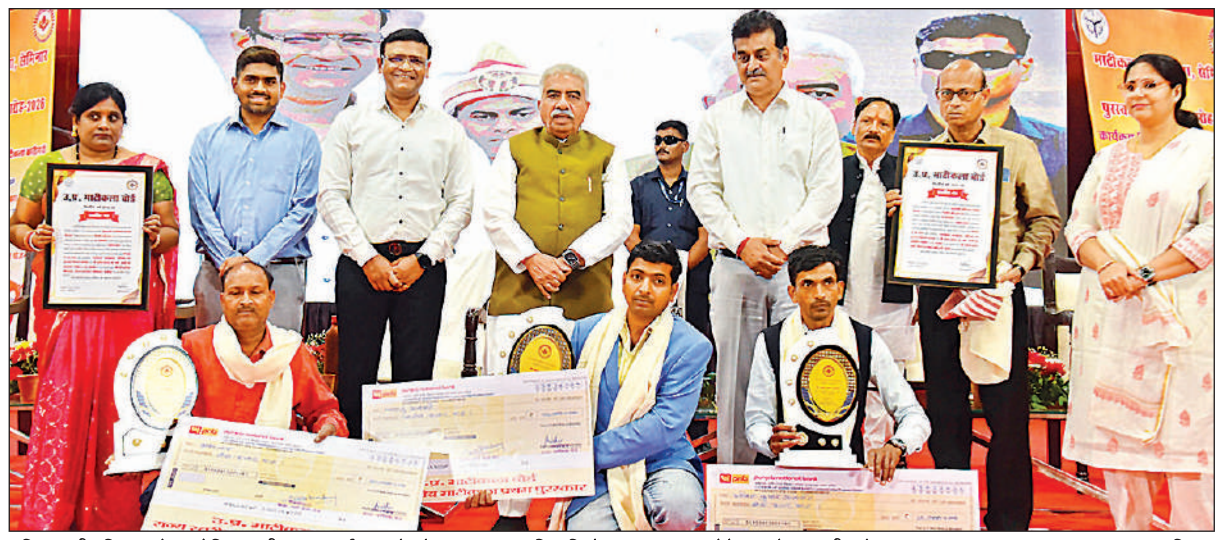

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित माटी कला कार्यशाला के दौरान पुरस्कृत प्रतिभागियों का समूह, इस मौके पर मौजूद मंत्री राकेश सचान व अन्य। अमृत विचार

माटीकला कारीगरों को आधुनिक उपकरण दिए जाएं: सचान

माटीकला को नई पहचान देने की पहल, राज्य स्तरीय कार्यशाला व सम्मान समारोह आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि वर्ष 2018 में बोर्ड गठन के बाद माटीकला उद्योग को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे हजारों कारीगरों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा 'लोकल फॉर लोकल' और ओडीओपी पहल के माध्यम से माटीकला उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिल रही है।

ये हुए सम्मानित : समारोह में राज्य स्तरीय माटीकला पुरस्कार प्रदान किए गए, आजमगढ़ के भगानु प्रजापति को प्रथम, गोरखपुर के अमरनाथ प्रजापति को द्वितीय और वाराणसी के अमित कुमार प्रजापति को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा जिला ग्रामोद्योग अधिकारियों में गाजीपुर की अमिता श्रीवास्तव और बरेली के मनोज कुमार गुप्ता को भी सम्मानित किया गया।

खादी मंत्री सोमवार को उप्र. माटीकला बोर्ड द्वारा गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय माटीकला कार्यशाला, सेमिनार एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागियों एवं अधिकारियों को सम्मानित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में माटीकला कारीगरों को आधुनिक उपकरण वितरित कर उद्योग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में 75 जिलों से आए अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन, ऑनलाइन प्रक्रिया और "माटीकला मोबाइल ऐप" के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

इसके साथ ही लखनऊ के तीन माटीकला कारीगरों को आधुनिक प्रशिक्षण के उपरांत निःशुल्क विद्युत चाक वितरित किए गए। इस दौरान डॉ. सुरेन्द्र प्रजापति द्वारा लिखित द्विभाषी पुस्तक "हैंड ऑफ अर्थः भारतीय माटीकला की जीवन्त परंपरा" का विमोचन भी किया गया।

जनता गैस सिलेंडर के लिए लंबी लाइनों में खड़ी : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डॉ. राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मीडिया से बातचीत में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। महंगाई और एलपीजी संकट को लेकर उन्होंने कहा कि जनता गैस सिलेंडर, खाद और रसोई गैस के लिए लंबी लाइनों में खड़ी है। इसके अलावा, शहरों में छोटे व्यवसाय, ठेले और रेस्टोरेंट भी बंद हो रहे हैं।

सोमवार को गोमतीनगर स्थित लोहिया पार्क में सपा प्रमुख ने कहा कि आलू किसानों को फसल की उचित कीमत नहीं मिली और आगरा, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, इटावा, एटा समेत कई जिलों में भारी नुकसान हुआ। सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार ऐसी फिल्में बनाने में पैसा खर्च कर रही है जो दूसरे दलों को बदनाम करने का काम करती हैं। मुझे लगता है कि उनके पास बहुत ज्यादा पैसा है, तभी तो फिल्मों की रिलीज पर भी पैसे बहाए जा रहे हैं।

सपा ने मनाई डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गोमतीनगर स्थित लोहिया पार्क में लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राजधानी समेत प्रदेशभर में सपा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान पदाधिकारी समेत हजारों की संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोमतीनगर स्थित लोहिया पार्क में समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव। अमृत विचार

पशुओं के इलाज को 4.8 करोड़ मंजूर

वेटरनरी यूनिट के लिए 34 लाख रुपये, निदेशक ने खर्च के लिए दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार ने पशुओं की सेहत और उनके विकास के लिए खजाना खोल दिया है। पशुओं के इलाज के लिए 4 करोड़ 81 लाख 40 हजार और वेटरनरी यूनिट के लिए 34 लाख 86 हजार रुपये की मंजूरी को दी है।

पशुपालन विभाग के रोग नियंत्रण निदेशक ने बताया कि जारी धनराशि में 60 फीसदी केंद्र सरकार और 40 फीसदी राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। धनराशि को पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार की गाइड लाइन के हिसाब से ही खर्च होगी। इसके अलावा मोबाइल वेटरनरी यूनिट के अंतर्गत योजना के लिए दी गई धनराशि से मशीनें, आवश्यक उपकरणों की खरीद की जाएगी। समूची धनराशि राज्य सरकार द्वारा ही प्रदान की जाएगी।

छह पशु सेवा केंद्र बनेंगे, 1.02 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : मऊ और महाराजगंज में छह पशु सेवा केंद्र खोले जाएंगे। इसके लिए सरकार ने 102 लाख 18 हजार रुपये मंजूर किए हैं। इस धनराशि से जिला मऊ विकास खंड मऊनाथ के ग्राम मखना, गुलौरी, बिलौझा और ब्लाक घोसी के ग्राम लाल की छावनी में पशु सेवा केंद्र (मिनी अस्पताल) बनाए जाएंगे। इसी तरह महराजगंज के विकास खंड निचलौल के ग्राम गडौरा और बढ़या मुस्तकिल में भी पशु सेवा केंद्रों का निर्माण कराया जाएगा। प्रत्येक केंद्र के निर्माण पर 17.03 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। पशुधन विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक, मऊ और महराजगंज के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

वैश्विक रोजगार दिलाने को 'स्पीडअप' सेल शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन ने युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 'स्पीडअप' सेल की शुरुआत की है। यूपीएसडीएम कार्यालय में इसका उद्घाटन सोमवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने किया। इस सेल से प्रदेश के युवाओं के लिए देश-विदेश में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। मिशन निदेशक ने कहा कि यह पहल युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर उन्हें तेजी से गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने में मदद करेगी। 'स्पीडअप' मॉडल उद्योग मांग के विश्लेषण, प्रशिक्षण, प्रभावी क्रियान्वयन और वैश्विक अवसरों से जोड़ने जैसे चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि तकनीकी दक्षता के साथ-साथ युवाओं को संप्रेषण कौशल, व्यक्तित्व विकास और कार्यस्थल व्यवहार जैसी सॉफ्ट स्किल्स का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मादक पदार्थों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें : मुख्य सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने नशा उन्मूलन अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने और अवैध मादक पदार्थों के सेवन व तस्करी में लिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य सचिव सोमवार को अपने कार्यालय में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की राज्य स्तरीय समिति की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जिलों में हर माह कम से कम दो एनकॉर्ड बैठकें अनिवार्य रूप से हों और स्कूल-कॉलेजों के आसपास चिन्हित हॉटस्पॉट्स पर विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही कोडीन युक्त कफ सिरप की बिक्री पर ऑनलाइन निगरानी और भांग की दुकानों की संख्या क्षेत्रीय जरूरत के अनुसार सीमित करने को कहा गया।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026 में फरवरी तक 840 मुकदमे दर्ज कर 1,176 लोगों की गिरफ्तारी की गई, जबकि 6229.78 किग्रा अवैध मादक पदार्थ बरामद हुए। प्रदेश में 10 हॉटस्पॉट चिन्हित कर कार्रवाई तेज की जा रही है।

शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के लोग।

पावर सेक्टर बचाने का लिया संकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : शहीद दिवस पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर प्रदेश भर में कर्मियों ने सभाएं करके पावर सेक्टर को बचाने के लिए संकल्प लिया। साथ ही शहीद-ए-आजम भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर के बलिदान दिवस पर उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से आयोजित केंद्रीय आमसभा में मुख्य वक्ता शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि भगत सिंह का स्पष्ट मानना था कि जब तक मजदूरों, किसानों और वंचित वर्गों को राजनीतिक सत्ता में वास्तविक भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक देश का समग्र विकास संभव नहीं है। शैलेन्द्र दुबे ने बिजली कर्मियों से आह्वान किया कि कर्मचारी उत्पीड़न के विरुद्ध भगत सिंह की तरह आवाज उठाएं।

बिना आकलन के तालाब निर्माण से बचें

अमृत विचार, लखनऊ : आयुक्त ग्राम्य विकास जीएस प्रियदर्शी ने कहा कि जल संरक्षण के लिए ठोस और व्यवहारिक कार्ययोजनाएं बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जलागम क्षेत्र (कैचमेंट) के समुचित आकलन के बिना तालाब निर्माण से बचना चाहिए, अन्यथा अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होते। आयुक्त ग्राम्य विकास, सोमवार को विश्व जल दिवस के परिप्रेक्ष्य में विभाग द्वारा आयोजित 'ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के प्रभाव एवं जल प्रबंधन की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। जवाहर भवन स्थित आयुक्त कार्यालय में संपन्न संगोष्ठी में जल संरक्षण और पुनर्भरण पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि मनरेगा के तहत तालाब, चेकडैम और जल निकासी कार्यों से जल संकट कम करने में मदद मिली है, लेकिन रखरखाव और जनभागीदारी की कमी अभी भी समस्या बनी हुई है।

दी जानकारी | एचआईवी-एड्स विषय पर राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

एचआईवी जागरूकता में मीडिया की अहम भूमिका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में 1.38 लाख मरीजों का चल रहा मुफ्त इलाज

अमृत विचार : एचआईवी-एड्स को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने में मीडिया की भूमिका बेहद अहम है। तथ्यात्मक और संवेदनशील रिपोर्टिंग से न सिर्फ जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि लोग जांच और उपचार सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी आगे आएंगे।

यह बात सोमवार को उप्र. राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव ने एचआईवी/एड्स विषय पर राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में कही। राज्य सूचना विभाग के सभागार में आयोजित कार्यशाला में मीडिया की भूमिका को जनस्वास्थ्य अभियानों में और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में दी गई जानकारी के अनुसार, देश में करीब 25.44 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं, जिनमें लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं और 2.75 प्रतिशत बच्चे शामिल हैं। संक्रमण का प्रमुख कारण असुरक्षित यौन संबंध बताया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में संक्रमित सुई और सिरिंज का उपयोग भी एक बड़ा कारण है।

प्रदेश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में लगभग 1.38 लाख एचआईवी संक्रमित व्यक्ति एआरटी केंद्रों पर निःशुल्क परामर्श, उपचार और दवा प्राप्त कर रहे हैं।

कार्यशाला में संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव और डॉ. संजय सोलंकी।

सोसाइटी के डॉ. संजय सोलंकी ने कहा कि एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिलाओं का समय पर इलाज कर नवजात को संक्रमण से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 72 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच का लक्ष्य है, जिसके मुकाबले अब तक करीब 62 लाख की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

विशेषज्ञों ने बताया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम दुनिया के सबसे बड़े एचआईवी नियंत्रण कार्यक्रमों में से एक है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक संक्रमण और एड्स से होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत तक कमी लाना है।

प्रदेश में एचआईवी रोकथाम के लिए आईसीटीसी, एआरटी सेंटर, एसटीआई क्लीनिक, रेड रिबन क्लब और हेल्पलाइन 1097 जैसी कई सेवाएं संचालित की जा रही हैं, जहां जांच और उपचार की सुविधा मुफ्त उपलब्ध है।

मुठभेड़ में अंतर्जनपदीय पशु चोर गिरोह का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

एक आरोपी के पैर में लगी गोली, तमंचा, पिकअप और नकदी की गयी बरामद

कार्रवाई

- जवाबी फायरिंग में एक आरोपी गोली लगने से हुआ घायल

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : जनपद में लगातार हो रही पशु चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए केशवपुर पहाड़वा रेलवे क्रॉसिंग के पास मुठभेड़ में पांच अंतर्जनपदीय पशु चोरों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी घायल हुआ है जबकि पुलिस ने चोरी की भैंस, पड़वा, पिकअप वाहन, अवैध तमंचा और 17 हजार रुपये नकद बरामद किया है।

जनपद में लगातार सामने आ रही पशु चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने घटनाओं के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस टीमें क्षेत्र में लगातार चेकिंग, संदिग्धों की निगरानी और खुफिया सूचना संकलन में जुटी थीं। रविवार को एसओजी और कोतवाली नगर की संयुक्त टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी।

इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पशु चोर केशवपुर पहाड़वा रेलवे क्रॉसिंग की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें समीर उर्फ लल्लन घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने मौके से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान समीर उर्फ लल्लन, तुशाल उर्फ तुफैल, भूपेंद्र यादव उर्फ भूपत, मैनुद्दीन और नयाब के रूप में हुई है। इनमें तीन आरोपी गोण्डा और दो आरोपी बहराइच जनपद के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, चोरी में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन, 17 हजार रुपये नकद, चोरी की गई एक भैंस और एक पड़वा बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों ने जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज पशु चोरी के कई मामलों का खुलासा किया है।

इनमें कोतवाली नगर, करनैलगंज, कोतवाली देहात और वजीरगंज थाना क्षेत्रों के कई मुकदमे शामिल हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज रावत ने बताया कि घायल आरोपी समीर उर्फ लल्लन का पहले से भी लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ चोरी सहित कई मामले दर्ज हैं। वहीं तुशाल उर्फ तुफैल का नाम भी पूर्व में दर्ज पशु चोरी के मामले में सामने आ चुका है।

साइबर ठगी से जुड़े गिरोह का पर्दाफाश, 5 बंदी

बलरामपुर, अमृत विचार : जनपद में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन और कूटरचित दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मो. अकरम खान (निवासी पुरैनिया तालाब), बच्चा लाल उर्फ प्रशांत उर्फ गोलू (नूरी मदरसा गदुरहवा), आशिफ (गदुरहवा), प्रतीक मिश्रा (भगवतीगंज) और सुजीत सिंह (बेनीनगर, थाना गौरा चौकी) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते और सिम किराए पर लेता था तथा फर्जी पहचान के जरिए खातों का नेटवर्क बनाकर साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर कर उसका सेटलमेंट करता था। अब तक की जांच में 17 बैंक खातों का इस्तेमाल सामने आया है, जिनसे जुड़े देशभर में 14 शिकायतों में लगभग 58 करोड़ रुपये की ठगी का मामला दर्ज है।

मुठभेड़ में इनामी बदमाश पकड़ा गया

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : स्वाट व थाना मसौली पुलिस टीम से हुई मुठभेड़ में 10 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस टीम द्वारा गश्त व चेकिंग कर रही थी कि जकरिया की तरफ से एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम को देख कर भागने लगा तथा गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में संदिग्ध अभियुक्त के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु तत्काल सीएचसी बड़ागांव भेजा गया। घायल की पहचान उस्मान उर्फ कलेजी पुत्र मुन्ना निवासी ग्राम बांसा थाना मसौली के रूप में हुई।

हत्यारोपी को पुलिस ने दबोचा

: डीह, रायबरेली : पुलिस ने इनामिया हत्यारोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है। रविवार की शाम प्रभारी निरीक्षक गश्त कर रहे थे। तभी मझिलहा बाजार के पास सूरज कुमार उर्फ कुल्लू को दबोच लिया। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र मोहन सरोज ने बताया कि मौलाना हत्याकांड का आरोपी था। उस पर 50 हजार का इनाम था।

प्रेमी के ठुकराने पर महिला ने दे दी जान

फतेहपुर, बाराबंकी

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव में प्रेम प्रसंग विवाद के चलते एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका पति के बजाए प्रेमी संग रहना चाहती थी लेकिन प्रेमी राजी नहीं हुआ। घटना चर्चा का विषय बनी वहीं दो बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया।

क्षेत्र के शाहपुर चक बहरवा गांव निवासी वीरेंद्र वर्मा (30) का विवाह वर्ष 2020 में सफदरगंज थाना क्षेत्र की रीना देवी (28) के साथ हुआ था। दंपति के दो पुत्र शिवा (6) और शिवांश (4) हैं।

बताया जा रहा कि होली के मौके पर रीना अपने बच्चों के साथ मायके गई, जहां से वह ससुराल के ही एक युवक अजीत यादव के साथ वापस लौटी। शक होने पर 22 मार्च को वीरेंद्र ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर पत्नी पर अजीत से चोरी-छिपे बातचीत करने का आरोप लगाया।

पुलिस की जांच में मोबाइल फोन से दोनों के बीच बातचीत के साक्ष्य भी मिले। पूछताछ के दौरान रीना ने अजीत के साथ रहने की इच्छा जताई, लेकिन अजीत और उसके पिता अनूप कुमार ने उसे साथ रखने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस और परिजनों की समझाइश पर रीना अपने पति के साथ घर लौट आई।

मंगलवार सुबह वीरेंद्र अपनी सास को छोड़ने ससुराल गया था। इसी दौरान रीना ने अपने बच्चों को किसी बहाने बाहर भेज दिया और घर में धोती का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। बच्चों ने जब मां को फंदे से लटका देखा तो चाचा को सूचना दी। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर अमित सिंह ने बताया कि मामले में सभी पक्षों को पहले भी बुलाकर समझाया गया था। फिलहाल पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

फंदे से लटकता मिला युवती का शव

सुलतानपुर, अमृत विचार : गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के अन्नपूर्णा नगर निवासी राम तीरथ की 22 वर्षीय पुत्री शिवानी ने बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि परिजनों को जब घटना का पता चला तो उसका भाई रोशन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री श्रेया श्रीवास्तव पुत्री स्व0 जगदीश प्रसाद ने मेरी अनुमति के बिना किसी अज्ञात व्यक्ति से अपना विवाह कर लिया है। इस कारण मैंने अपनी पुत्री को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। वह जैसे चाहे जहां चाहे रहे। **रेखा श्रीवास्तव पत्नी स्व0 जगदीश प्रसाद नि0- 356/340/465, सरीपुरा, अशोक विहार, जनपद- लखनऊ, उ0प्र0- 226017।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री ANAYA VERMA के जन्म प्रमाण पत्र में उसका गलत नाम CHARU VERMA दर्ज हो गया है जबकि उसका सही नाम ANAYA VERMA है। एवं मेरी पुत्री ANIKA VERMA के जन्म प्रमाण पत्र में गलत नाम CHESTA VERMA दर्ज हो गया है। जबकि उसका सही नाम ANIKA VERMA है। उपरोक्त दोनों मेरी जुड़वा पुत्रियां हैं, जिनका जन्म दिनांक 03.10.2024 को हुआ था। अत: मेरी दोनों जुड़वा पुत्रियों के जन्म प्रमाणपत्र में उनका सही नाम ANAYA VERMA एवं ANIKA VERMA दर्ज किया जाये। **रजत वर्मा पुत्र राजेन्द्र कुमार निवासी- 418/64 न्यू कल्याणपुरी, गढ़ी पीर खाँ जनपद लखनऊ, उ0प्र0।**

दो दिन के दौरे पर अयोध्या पहुंचे हरियाणा के राज्यपाल

एयरपोर्ट से बाहर निकलते हरियाणा के राज्यपाल आशिम घोष। • अमृत विचार

अयोध्या, अमृत विचार : हरियाणा के राज्यपाल आशिम कुमार घोष दो दिवसीय धार्मिक यात्रा पर सोमवार को अयोध्या पहुंचे। पहले दिन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन के सरयू तट पर आरती में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लंबे कार्यकाल को लेकर कहा कि मोदी जी ने देश को एक नई पहचान दी है। गुजरात के भुज में और कच्छ में भूकंप के छह महीने के अंदर ही दुबारा खड़ा किया। वह रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार सुबह रामलला के दर्शन करेंगे।

राहुल गांधी मामले में वॉयस सैंपल पर आपत्ति दाखिल

विधि संवाददाता, सुल्तानपुर : कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि वाद में सोमवार को एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में अहम सुनवाई हुई। अदालत में परिवादी पक्ष द्वारा प्रस्तुत सीडी में उपलब्ध ऑडियो-वीडियो की सत्यता की जांच के लिए वॉयस सैंपल लेने की मांग पर बचाव पक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने वॉयस सैंपल लेने की मांग का विरोध करते हुए आपत्ति दाखिल की। वहीं परिवादी पक्ष के अधिवक्ता ने परिवादी के न आने से हाजिरी माफी व समय दिए जाने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

गैर इरादतन हत्या में 10 वर्ष की कठोर कैद

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : न्यायालय ने करीब 11 साल पूर्व हुई गैर इरादतन हत्या के अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है। थाना कोतवाली नगर पर गैर इरादतन हत्या के अपराध की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त भरत उपाध्याय पुत्र ब्रह्मा उपाध्याय निवासी लखपेड़ाबाग निकट पटेल टेन्ट हाउस थाना कोतवाली नगर को न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-एक द्वारा 10 वर्ष का कठोर कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। संक्षिप्त विवरण के अनुसार एक मई 2015 को वादी शीतला प्रसाद मिश्रा निवासी कार्तिक बिहार कालोनी लखपेड़ा बाग ने भरत उपाध्याय पुत्र ब्रह्मा उपाध्याय के विरुद्ध उनके बेटे को अपने साथ बहला फुसला कर ले जाने व हत्या कर देने के सम्बन्ध में तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक प्रभारी निरीक्षक शशिकान्त मिश्रा द्वारा साक्ष्य संकलन कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

आवश्यकता है

स्वामी ब्रम्हानंद महाविद्यालय
आगमपुर शाहाबाद-हरदोई
(सम्बद्ध लखनऊ वि0वि0 लखनऊ)

निम्नलिखित पदों पर प्रवक्ताओं की आवश्यकता है।

B.A. हेतु
1- संस्कृत - 4 पद

M.A. हेतु
1- भूगोल - 4 पद,
2- ग्रहविज्ञान - 4 पद

M.Sc. हेतु
1- जन्तु विज्ञान - 4 पद,
2- वनस्पति विज्ञान - 4 पद,
3- भौतिक विज्ञान - 4 पद

M.Sc. कृषि हेतु
1- एग्रोनोमी - 4 पद,
2- हॉर्टिकल्चर - 4 पद

योग्यता एवं वेतनमान -
यू.जी.सी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ के मानकानुसार देय होंगे।

इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन विज्ञापन प्रकाशन के 10 दिन के अंदर करें। साक्षात्कार में उपस्थित होने हेतु किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं देय होगा।

प्रबंधक- मो0 : 6393051845

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अवन्तिकाबेन कल्पेश पटेल पुत्री श्री अरुणभाई मूलजीभाई पटेल अपना नाम अवन्तिकाबेन कल्पेश पटेल को परिवर्तित करके अवन्तिकाबेन पटेल कर रही हूँ अत: भविष्य में मुझे सभी उदेश्यो हेतु अवन्तिकाबेन पटेल नाम से जाना एवं पहचाना जायेगा। **अवन्तिकाबेन पटेल पुत्री श्री अरुणभाई मूलजीभाई पटेल मकान संख्या 15 इलाहबाद बैंक रोड हरदोई**

सूचना

मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2012 अनुक्रमांक 1630319 का प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **प्रार्थी दानिश पुत्र ऐजाज अहमद नवीन नगर बिल्हौर कानपुर नगर**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सपनाबेन राजेंद्र भाई पटेल पुत्री श्री कान्ति भाई पटेल अपना नाम सपनाबेन राजेंद्र भाई पटेल को परिवर्तित करके सपना पटेल कर रही हूँ अत: भविष्य में मुझे सभी उदेश्यो हेतु सपना पटेल नाम से जाना एवं पहचाना जायेगा। **सपना पटेल पुत्री श्री कान्ति भाई पटेल मकान संख्या 15 इलाहबाद बैंक रोड हरदोई**

सूचना

मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1231412986 व इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 अनुक्रमांक 2256183180 के प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं। **प्रार्थी ज्योति पुत्री बृजमोहन ग्राम पोस्ट लुघपुरा बिधूना जनपद औरैया**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कल्पेश राजेंद्र भाई पटेल पुत्र श्री राजेंद्र भाई पटेल अपना नाम कल्पेश राजेंद्र भाई पटेल को परिवर्तित करके कल्पेश पटेल कर रहा हूँ अत: भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यो हेतु कल्पेश पटेल नाम से जाना एवं पहचाना जायेगा। **कल्पेश पटेल पुत्र श्री राजेंद्र भाई पटेल माकन संख्या 15 इलाहबाद बैंक रोड हरदोई**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेंद्र भाई पुत्र श्री मगन भाई पटेल अपना नाम राजेंद्र भाई को परिवर्तित करके राजेंद्र भाई पटेल कर रहा हूँ अत: भविष्य में मुझे सभी उदेश्यो हेतु राजेंद्र भाई पटेल नाम से जाना एवं पहचाना जायेगा। **राजेंद्र भाई पटेल पुत्री श्री मगन भाई पटेल मकान संख्या 15 इलाहबाद बैंक रोड हरदोई**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD HAROON से बदलकर MOHD HAROON रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SULEMAN ADD-660/7/P-86A PHOOL BAGH COLONY BAHADURPUR, KURSI ROAD, ERAM MEDICAL COLLEGE, GUDAMBA, DIST-LUCKNOW-226026 (U.P.)

सूचना

I, SAREEF S/O MOHAMMAD HANIF, R/O MOHALLA-PATEL NAGAR, UTRAULA, BALRAMPUR, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SHAREEF , AND HENCEFORTH I SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS MOHAMMAD SHAREEF .

सूचना

मैने अपना नाम VIGYAN SINGH से बदलकर VIGYAN RAJESH SINGH रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाय। S/o Rajesh Kumar Singh Add- Flat No 3A 106 Sixth Floor Wing A Tower 1 Golf View Appartment Sector-i Ansal Sushant Golf City Lucknow UP-226030

सूचना

मैने अपना नाम CHABIWALA NAYIAM YUSUF से बदलकर MOHAMMAD NAEEM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD YUSUF ADD-614/P 7B/KH 71A FAIZULLAGANJ-2 NEAR NASIR FARM RAHIM NAGAR DIDAULI, DIST-LUCKNOW-226020 (U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र महेन्द्र कुमार को गलत चाल चलन के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी भी कृत्य या लेन देन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। आज से मेरा उससे कोई संबंध नहीं रहेगा। **रामरतन पुत्र बनवारी निवासी मोहल्ला नयीवस्ती तहसील शाहाबाद जनपद हरदोई**

सूचना

मैं **चंद्रवती पत्नी संकठा प्रसाद नि. गजोधरपुर मोड़ 25वाहिनी पीएसी, रायबरेली,** अपने बड़े पुत्र उमेश कुमार धीमान को परिवार विरोधी व अनैतिक कृत्यों के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का कोई लेना देना नही होगा।

सूचना

पहले मेरा नाम SHAHNEWAZ AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम SHAH NEWAZ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे SHAH NEWAZ AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- GULAM ZILANI R/O- FLAT NO-108, 1ST FLOOR, AJEET RESIDENCY SECTOR - 2, VIKAS NAGAR LUCKNOW 226022

सूचना

मैं **बिमला पत्नी मंगल निवासी ग्राम मसौलिया तहसील करनैलगंज जिला गोंडा** की निवासिनी हूँ। मेरे सभी अभिलेखानुसार व वास्तविक नाम और पता यही है। जबकि आधार कार्ड में त्रुटिवश जय कला दर्ज हो गया था। जिसे मैंने सही करा दिया है। मेरे वास्तविक नाम बिमला पत्नी मंगल के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मै **बिहारी लाल पुत्र जंगली, निवासी- ग्राम मनिहार खेड़ा मजरा बडखोरवा थाना रहीमाबाद तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ** का है। मेरा मझला पुत्र विरेन्द्र कुमार मुझे व मेरी पत्नी व मेरे अन्य पुत्र पुत्रियों को प्रताडित किया करता है और किसी की बात भी नही मानता है। इसलिए मै तथा मेरा उपरोक्त परिवार मझिले पुत्र विरेन्द्र कुमार के चालो चलन व व्यवहार से परेशान है। यदि विरेन्द्र कुमार कही भी किसी के साथ कोई अप्रिय घटना घटित कर दे तो उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। इसलिए मै अपने पुत्र विरेन्द्र कुमार को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। और आज की तारीख से मेरी सम्पत्ति व मेरे परिवार से विरेन्द्र कुमार को कोई वास्ता नही रहा है।

सूचना

गोंडा आर्म रेसलिंग एसोसिएशन इंद्रासन भवन सिविल लाइन गोंडा का पंजीकरण शिवांश सिंह द्वारा सचिव की हैसियत से संबंधित विभाग में आनलाइन आवेदन के उपरांत कार्यालय डिप्टी रजिस्ट्रार पत्रांक डीआईएस/378341 दिनांक 10-03-2026 के अनुपालन में सूचना प्रसारित की जा रही है कि गोंडा आर्म रेंसलिंग एसोसिएशन इंद्रासन भवन सिविल लाइन गोंडा के नाम से मिलती जुलती अन्य कोई संस्था पूर्व में पंजीकृत नहीं है, यदि किसी को कोई आपत्ति होती है तो सूचना प्रसारण के 15 दिन के अंदर कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। **शिवांश सिंह, सचिव, गोंडा फुटबाल एसोसिएशन इंद्रासन भवन सिविल लाइन गोंडा।**

मकान दिलाने के नाम पर पूर्व विधायक से 57 लाख की ठगी

सुलतानपुर, अमृत विचार: पूर्व विधायक व सपा नेता अनिल कुमार पांडेय के साथ लखनऊ में मकान दिलाने के नाम पर 57 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीओ सिटी सौरभ सावंत के अनुसार, लक्ष्मणपुर निवासी अनिल कुमार पांडेय ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके गांव के बरुण मिश्र ने उनकी मुलाकात लखनऊ के अरविंद मिश्र से कराई, जो प्रॉपर्टी के खरीद-बिक्री का काम करता है। आरोप है कि अरविंद ने आलोक नगर में एक मकान दिखाकर 60 लाख में सौदा तय कराया। 57 लाख अग्रिम और शेष तीन लाख रजिस्ट्री के समय देने की बात हुई। शिकायत के मुताबिक सितंबर 2022 से मार्च 2023 के बीच पांडेय ने आरोपी और उसकी कंपनी के खाते में 57 लाख जमा कर दिए। रजिस्ट्री की बात पर आरोपी टालमटोल करता रहा। पांडेय मौके पर पहुंचे तो पता चला मकान किसी अन्य के नाम है। उन्होंने आरोपी से संपर्क किया, जिस पर आरोपी ने पैसे लौटाने का आश्वासन दिया और करीब 27 लाख रुपये वापस कर दिए, जबकि बाकी रकम अब भी बकाया है।

छात्र को घसीटते हुए भैंस ने लगाई दौड़, किशोर की मौत

- बांधने के लिए खोलते समय हाथ में फंस गई थी भैंस की रस्सी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। भैंस की रस्सी पकड़े छात्र उसे बांधने जा रहा था, उसी बीच भैंस बिगड़ गई और छात्र को दूर तक घसीट ले गई। गांव वालों ने किसी तरह भैंस को घेरकर पकड़ा, गंभीर रूप से घायल छात्र को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

कोतवाली शहर तत्यौरा गांव निवासी राजेश यादव के दो बेटों में बड़ा 16 वर्षीय आदित्य यादव सनातन धर्म इण्टर कालेज में 9वीं का छात्र था। सोमवार की सुबह राजेश ने उससे घर में बंधी भैंस को बांधने के लिए कहा। आदित्य ने भैंस की रस्सी हाथ में लपेटी और बाहर जाने लगा। उसी बीच भैंस अचानक बिगड़ गई और भागने लगी। पहले तो आदित्य उसके साथ कुछ दूर तक दौड़ा, बाद में सड़क पर गिर गया। भैंस उसे सड़क पर घसीटते हुए दौड़ पड़ी। छात्र का शोर सुनकर लोगों ने भैंस को घेरकर पकड़ा। लेकिन गंभीर रूप से घायल छात्र की मौत हो गई। इस तरह छात्र की मौत से जहां परिजनों में कोहराम मचा हुआ, वहीं गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली

पत्रांक/के0जी0बी0वी0/9105-09/2025-26 दिनांक : 23.03.2026

विज्ञप्ति

शासनादेश संख्या-1553/68-5/2020 दिनाँक 11 दिसम्बर 2020 एवं निदेशक राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक- के0जी0बी0वी0/शिक्षक/1837/2024-25 दिनाँक 30.05.2024 द्वारा दिए गए निर्देशों के कम में जनपद रायबरेली के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में अस्थाई रूप से सृजित संविदा आधारित शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों की नियुक्ति हेतु इच्छुक, अर्ह, योग्य महिला अभ्यर्थियों से पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रायबरेली में निर्धारित प्रारूप पर निर्धारित शर्तों के अधीन आवदेन पत्र आंमत्रित किये गये थे। आवदेन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 22.12.2025 की सायं 05:00 बजे तक थी। प्राप्त आवेदन पत्रों से पात्र अभ्यर्थियों (पूर्णकालिक व अंशकालिक शिक्षिका एवं लेखाकार) की काउंसलिंग दिनांक 23.01.2026 व साक्षात्कार हेतु पात्र अभ्यर्थियों (सहायक रसोइया, चौकीदार व चपरासी) को 28.01.2026 को साक्षात्कार पूर्ण किया गया। शासनादेश देश में निहित प्राविधानों के अनुसार काउंसलिंग एवं साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थियों से विकल्प लिए जाने के निर्देश है। तत्क्रम में काउंसलिंग एवं साक्षात्कार में चयनित अभ्यर्थी कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रायबरेली में दिनाँक 25.03.2026 को प्रात: 11:00 बजे विकल्प हेतु अपने समस्त मूल अभिलेखों सहित उपस्थित होंगे।

विकल्प हेतु चयनित अभ्यर्थियों की सूची जनपद रायबरेली के एन0आई0सी0 की वेबसाइड- http://raebareli.nic.in व कार्यालय के सूचना तट पर उपलब्ध है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
रायबरेली

U.P. Rajkiya Nirman Nigam Ltd.
(ISO 9001:2008 Certified Company)
Visheshwaraiya Bhawan, Gomti Nagar, Lucknow

S. L. N.	CODE NO	NAME OF ZONE	NAME OF WORK	TENDER COST (Rs.)	Date of Pre-bid Meeting	Date of Technical bid Opening
1	Agra-27/26	Agra Zone	Construction Work of Extension of Third Floor of U.I.E.T.-4 at CSJMU Campus , Kanpur.(U.P).	7,80,07,000	23.03.2026	01.04.2026
2	Del-8/26	Delhi Zone	Construction of Academic Building-3 at Raja Mahendra Pratap Singh University, Aligrah.	18,55,65,000	25.03.2026	09.04.2026
3	Del-9/26	-do-	Special repair and painting works of District Home Guard Building Ghaziabad.	18,86,349	27.03.2026	08.04.2026
4	E-IV-13/26	Electrical zone-4	Modification of Stairs and Installation of Service Lift at New High Court CJ Campus Gomti Nagar Lucknow.	23,48,000	---	07.04.2026
5	E-IV-14/26	-do-	Renovation of Exterior Walls of Collectorate Campus Sitapur by using Facad Lighting.	67,97,000	25.03.2026	07.04.2026
6	E-IV-15/26	-do-	Comprehensive Maintenance and Operation of HVAC, Fire Fighting, DG Set and HT/LT Electrical Panel Installed at Indira Gandhi Planetarium Lucknow.	29,89,000	23.03.2026	26.03.2026
7	Ayo-8/26	Ayodhya Zone)	Construction of Model Composite School (Pre-Primary to Class-12) Dullapur khalsa District Gonda.	21,20,56,000	02.04.2026	09.04.2026
8	GKP-22/26	Gorakhpur Zone	Construction of Balance Work of CHC Pauli Santkabir Nagar Hospital Main Bulding.	62,85,000	--	30.03.2026

For more details visit U.P. Government e-tender portal **http://etender.up.nic.in** and UPRNNL website **http://www.uprnn.upsdc.gov.in**

भट्ठे के पास पड़ा मिला युवक का शव

मंगलपुर, कानपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सिकंदरा-रसूलाबाद मार्ग स्थित गौरी भट्ठा के पास एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। शव के पास ही एक बाइक भी खड़ी मिली, जिससे घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। मौके पर भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

मृतक की पहचान योगेश कुमार उर्फ अंशू (28) पुत्र बृजेंद्र स्वरूप निवासी कठरा के रूप में हुई है। घटनास्थल पर उसकी बाइक भी मिली, जिससे मामला और अधिक संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। परिजनों के अनुसार, योगेश झींझक कस्बे में एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर काम करता था, जहां वह पंखा मरम्मत का काम करता था। रविवार शाम करीब 7 बजे उसकी घर पर आखिरी बार बात हुई थी, इसके बाद रात 8 बजे तक फोन की घंटी जाती रही लेकिन संपर्क नहीं हो सका। मृतक के पिता बृजेंद्र स्वरूप ने बेटे की हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि गांव में ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर उन्होंने शिकायत की थी, जिसके बाद तहसील प्रशासन ने जमीन खाली कराई थी। इसी रंजिश के चलते बेटे की हत्या किए जाने की आशंका है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पूर्व विधायक को मिली जमानत, रिहाई पर रोक

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। अकबरपुर तहसील क्षेत्र में वर्ष 2022 के जमीन कब्जा करने के मामले में पूर्व विधायक पवन पांडेय को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। फिलहाल वह केंद्रीय कारागार फतेहगढ़ में निरुद्ध हैं। हालांकि इस बहुचर्चित मामले में जमानत मिलने के बावजूद पूर्व विधायक पवन पांडेय की रिहाई अभी संभव नहीं हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, लगभग एक वर्ष पूर्व वर्ष 1990 में पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनिल सिंह पर जानलेवा हमले के मामले में उन्हें सात वर्ष की सजा सुनाई गई थी। इसके अतिरिक्त जमीन कब्जा करने के मामले में पुलिस द्वारा उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई थी। इन दोनों मामलों में अभी तक जमानत नहीं मिल सकी है, जिसके चलते पूर्व विधायक पवन पांडेय को फिलहाल जेल में ही रहना होगा।

गैंगस्टर की 7 लाख की संपत्ति जब्त

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : जनपद में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई करते हुए रविवार को एक गैंगस्टर की संपत्ति कुर्क कर दी। गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध आरोपी अनन्त राम याद की कुल 7 लाख 62 हजार 450 रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, कर्नलगंज-गोण्डा
पता :- गाड़ी बाजार पश्चिमी।

पत्रांक- 2039/न0पा0परि0कर्न0/2025-26 दिनांक : 23.03.2026

ई-निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो को सूचित किया जाता है, कि 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्न निर्माण/विकास कार्य कराया जाना है। समस्त निविदायें वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। समस्त पंजीकृत को 10 प्रतिशत अग्रिम जमानत धनराशि नगद जमा करना अनिवार्य है। निविदा की सम्पूर्ण जानकारी कार्यालय के किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1.	वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि:	24.03.2026 (05:PM)
2.	ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि:	16.04.2026 (06:PM)
3.	ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय:	17.04.2026 (11:AM)

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
कर्नलगंज, गोण्डा

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
कर्नलगंज, गोण्डा

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 24 मार्च 2026 पूर्वांचल

न्यूज ब्रीफ

भगत सिंह के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर अमृत विचार। शहीद दिवस के मौके पर शोहरतगढ़ आदर्श नगर पंचायत के छतहरा गांव स्थित भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी सिद्धार्थनगर कार्यालय पर श्याम लाल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु व अशफाकुल्लाह खां सहित शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम में भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु अशफाकुल्लाह खां सहित तमाम शहीदों को नमन किया। इस मौके पर दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लघु सेतु निर्माण के लिए 69 लाख स्वीकृत

कुशीनगर, अमृत विचार : हाटा विधानसभा क्षेत्र में मठ सूरज गिरि से करजाह घाट संपर्क मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर लघु सेतु निर्माण कार्य हेतु 69 .5 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक मोहन वर्मा ने बताया कि यह सेतु निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इसके निर्माण से आवागमन सुरक्षित और सुगम बनेगा।

नेपाल ले जाए जा रहे 7 लाख रुपये बरामद

ककरहवा, सिद्धार्थनगर। भारत नेपाल सीमा के ककरहवा बॉर्डर पर सुरक्षा में तैनात एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने भारत से नेपाल में तस्करी कर ले जाये जा रहे 7 लाख भारतीय रुपये के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये अभियुक्त की पहचान हरियाणा राज्य के पानीपत जिला के महावती निवासी आशु के रूप में हुई है। बरामद रुपये सहित अभियुक्त को ककरहवा कस्टम के सुपुर्द कर दिया गया है।

विलंब क्षमादान में कारणों की सत्यता परखना जरूरी : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विलंब समाधान से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया कि विलंब क्षमादान के मामलों में सर्वप्रथम आवेदक द्वारा दिए गए कारणों की सत्यता को परखना आवश्यक होता है। इसके बाद ही मामले के गुण-दोष पर विचार किया जा सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा व न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने नेहा जयकिशोर द्वारा 654 दिनों की देरी से दाखिल अपील खारिज करते हुए दिया, जिसमें पत्नी ने पारिवारिक न्यायालय द्वारा विवाह को अमान्य घोषित करने के फैसले को चुनौती दी थी।

कोर्ट ने कहा कि यदि आवेदक द्वारा बताए गए "पर्याप्त कारण" और विरोधी पक्ष की आपत्तियों के बीच संतुलन स्थापित होता है, तभी न्यायालय विलंब क्षमादान पर विचार करते हुए मामले के मेरिट में प्रवेश कर सकता है। मामले में अपीलकर्ता/ पत्नी ने तर्क दिया कि 18 अगस्त 2023 को पारित फैसले के बाद दोनों पक्ष साथ रहने लगे और एक बच्चे का जन्म भी हुआ, इसलिए आदेश निरस्त किया जाना चाहिए, वहीं पति की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों में यह सामने आया कि पत्नी ने अपने पहले विवाह के तथ्यों को छिपाया और वह कार्यवाही के दौरान एक बार उपस्थित होकर बाद में अनुपस्थित हो गई, जिसके चलते एकतरफा आदेश पारित हुआ। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि पत्नी ने अपने पहले वैध विवाह के तथ्य का खंडन नहीं किया, साथ ही यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि पति रीति-रिवाजों से संपन्न विवाह का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत करे। कोर्ट ने पाया कि देरी के लिए दिया गया स्पष्टीकरण न तो ठोस था और न ही विश्वसनीय। केवल निर्णय की देर से जानकारी मिलने और आर्थिक कठिनाइयों का हवाला देकर लगभग दो वर्ष की देरी को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

जमानत प्राप्त कर सुनवाई टालना घृणित प्रवृत्ति

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपराधिक अपीलों में जमानत हासिल करने के बाद सुनवाई के समय अधिवक्ताओं को जानबूझकर अनुपस्थित रखने की प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे "घृणित प्रवृत्ति" करार दिया और कहा कि न्यायालयों में देरी के लिए केवल बार और बेंच को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। इसमें वादियों की भूमिका को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। वादी को बार और बेंच के समक्ष एक असहाय व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो सत्य नहीं है। कोर्ट ने माना कि अब समय आ गया है, जब मुवक्किलों को भी उनके आचरण की भी समीक्षा की जाए और न्यायिक प्रक्रिया में उनकी सीमित, लेकिन जिम्मेदार भूमिका को रेखांकित किया जाए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने राम नारायण की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए पारित किया। मामले के तथ्यों के अनुसार अपीलकर्ता को 8 जनवरी 2025 को जमानत मिली थी और अपील की सुनवाई के लिए कागजी कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद 30 जनवरी और 18 मार्च 2026 को सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता की ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ, जबकि कोर्ट ने पूर्व में सूचना देने और समय देने के निर्देश भी दिए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि मुवक्किल स्वयं अपने अधिवक्ता को उपस्थित न होने का निर्देश देता है, तो इसके लिए अधिवक्ता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि वह मुवक्किल के निर्देशों से परे कार्य नहीं कर सकता।

कटे होंठ व कटे तालू के मरीजो का निःशुल्क पंजीकरण शिविर

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जन्म से कटे होंठ व कटे तालू के बच्चों की विकृति को दूर करने के लिए स्माइल ट्रेन संस्था द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को सीएमओ डॉ. रजत चौरसिया ने दी। बताया कि इटवा, डुमरियागंज, खुनियाँव व भनवापुर ब्लॉक के मरीजों का पंजीकरण 26 मार्च को सीएचसी इटवा में किया जाएगा। बांसी, मिठवल, खेसरहा व जोगिया ब्लॉक के मरीजों का पंजीकरण 27 मार्च को हेल्थ वेलनेस सेंटर सूपाराजा, बांसी में किया जाएगा। बर्डपुर, बढ़नी व शोहरतगढ़ ब्लॉक के मरीजों का पंजीकरण 28 मार्च को सीएचसी बर्डपुर में किया जाएगा। नौगढ़, उसका बाजार व लोटन ब्लॉक के मरीजों का पंजीकरण 30 मार्च को एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र, कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, में किया जाएगा। समस्त ब्लॉक तथा शहरी क्षेत्र के छूटे हुए मरीजों का पंजीकरण 31 मार्च एवं 1 अप्रैल को ए एन एम प्रशिक्षण केन्द्र, कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, सिद्धार्थनगर में निःशुल्क पंजीकरण किया जाएगा।

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को दी चेतावनी

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

लोगों की शिकायतें सुनते डीएम और एसपी। अमृत विचार

अमृत विचार। सम्पूर्ण समाधान दिवस सोमवार को तहसील डुमरियागंज में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन ने जनसुनवाई की।

डीएम ने कहा कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर निस्तारण किया जाए। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं होना चाहिए। ऐसा मिलने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। डीएम द्वारा डुमरियागंज के लेखपाल संजय को भू-माफिया को संरक्षण देने के कारण एवं सरकारी कार्य में लापरवाही बरतने के कारण हल्का बदलने तथा विभागीय कार्यवाही करने का निर्देश दिया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 47 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए, जिसमें राजस्व-38, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-02, विकास-01, अन्य-06 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। डीएम द्वारा राजस्व के 05 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस कार्यक्रम में डीएफओ नीला एम, सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मौके पर जाकर विवादों का कराएं हल

संवाददाता कुशीनगर

फरियादियों की समस्या सुनते जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर। अमृत विचार

अमृत विचारः सोमवार को जनपद के कप्तानगंज तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने आमजन की समस्याओं को सुना। संबंधित अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध व निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। कहा कि राजस्व से संबंधित सबसे अधिक विवादों वाले गांव में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी स्वयं जाए तथा दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी सुलासमझौते से निस्तारण सुनिश्चित करें। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, आपसी रंजिश, कानून-व्यवस्था एवं अन्य संवेदनशील मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 25 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व विभाग से संबंधित 16, पुलिस विभाग से संबंधित 1 तथा अन्य विभागों से संबंधित 6 प्रकरण शामिल रहे, जबकि कुछ प्रकरण पुलिस एवं राजस्व विभाग से संयुक्त रूप से संबंधित पाए गए। इनमें से 3 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देश दिए गए।

डंपर की टक्कर से पिता की मौत, बेटे की हालत गंभीर

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। गोरखपुर -लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मगहर तिराहा के पास रविवार देर रात तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार बखिरा थाना क्षेत्र के बघुआ निवासी कमलेश (पुत्र कोदई) अपने पुत्र गोलू के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के मगहर तिराहा के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। जबकि, डंपर अनियंत्रित होकर सामने पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त ह गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में दोनों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने कमलेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गोलू की हालत गंभीर बनी हुई है। चौकी इंचार्ज मगहर विनोद कुमार यादव ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डंपर को कब्जे में ले लिया गया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है।

विशेष टिकट जांच अभियान में वसूला जुर्माना

ट्रेन में यात्रियों के टिकटों की जांच करते अधिकारी। अमृत विचार

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे है। इसी क्रम में महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 16 से 22 मार्च तक गोरखपुर से गोण्डा, गोरखपुर-बेलथरा रोड एवं गोरखपुर से सीवान रेल खण्डों में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया। जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ/ बिना बुक सामान के कुल 283 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 1,84,850 रुपये के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर निरन्तर स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जा रहे हैं।

नई लाइन निर्माण परियोजना का कार्य शुरू

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में तराई क्षेत्र में अवस्थित महराजगंज जनपद के आनन्द नगर-घुघुली नई लाइन निर्माण परियोजना का कार्य आरम्भ हो गया है। इस परियोजना के प्रथम चरण में घुघुली से महराजगंज तक की नई रेल लाइन के लिये टेण्डर अवार्ड हो चुका है। द्वितीय चरण के अन्तर्गत महराजगंज से आनन्द नगर तक के लिये टेण्डर की प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त आनन्द नगर यार्ड रिमाडलिंग के लिये प्रक्रिया चल रही है।आनन्द नगर-घुघुली नई रेल लाइन निर्माण परियोजना के लिये आवश्यक भूमि 244 हेक्टेयर अधिगृहीत की जा चुकी है।

आगमन व प्रस्थान के समय में परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता के लिए 12533 गोमतीनगर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस (मुम्बई) एवं 11408 लखनऊ जं0-पुणे एक्सप्रेस गाड़ियों के वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 स्टेशन पर आगमन एवं प्रस्थान समय में परिवर्तन किया जायेगा। जिसके तहत गोमतीनगर से 23 मई से चलने वाली 12533 गोमतीनगर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस (मुम्बई) एक्सप्रेस संशोधित समयानुसार वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 स्टेशन पर 02 .40 बजे पहुंचकर 02 .48 बजे छूटेगी तथा लखनऊ जं0 से 28 मई से चलने वाली 11408 लखनऊ जं0-पुणे एक्सप्रेस संशोधित समयानुसार वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 स्टेशन पर 12 .25 बजे पहुंचकर 12 .33 बजे छूटेगी।

ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 05060/05059 लालकुआं-कोलकाता-लालकुआं वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआँ से 02 अप्रैल से 25 जून तक प्रत्येक गुरुवार को तथा कोलकाता से 04 अप्रैल से 27 जून तक प्रत्येक शनिवार को 13 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे। इसके अलावा रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 05062/05061 टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी के संचलन का अवधि विस्तार 02 अप्रैल से 14 जुलाई तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार एवं रविवार को किया जायेगा। विस्तारित अवधि में इस गाड़ी का समय एवं ठहराव पूर्ववत रहेगा।

मिशन शक्ति अभियान 5 का शुभारंभ

कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में पीपुल्स इंटर कॉलेज डुमरियागंज में मिशन शक्ति अभियान 5 सेकंड फेज का शुभारंभ किया गया।

मिशन शक्ति अभियान 5 सेकंड फेज के अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण योजना है। जिसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकार सुरक्षा व स्वावलंबन के बारे में जानकारी हो। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को सशक्त व स्वावलंबी बनाने के लिए साइबर सुरक्षा व अन्य हेल्पलाइन नंबर आदि के बारे में जागरूक किया जा रहा है जिससे महिलाएं अपने अधिकारों को जाने व आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न नंबरों के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकें। कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से छात्राओं को पढ़ने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है जिससे पढ़ाई में कोई कठिनाई न आए। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी व तकनीकी शिक्षा के लिए स्मार्टफोन टैबलेट उपलब्ध कराया जा रहा है।

रिटायर्ड शिक्षक का एटीएम कार्ड बदलकर उड़ाए 60 हजार रुपये

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मगहर में एटीएम से पैसे निकालने गए एक रिटायर्ड शिक्षक के साथ शातिर जालसाज ने एटीएम कार्ड बदलकर 60 हजार रुपये उड़ा लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित के होश उड़ गए। पूरी वारदात एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने पोते के साथ साइबर थाने पहुंचकर पूरे वाकया की शिकायत दर्ज कराई।

गोरखपुर जिले के सहजनवां थाना क्षेत्र के भरपही गांव निवासी रिटायर्ड शिक्षक देवेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि वह पीपीगंज के एक इंटर कॉलेज में संस्कृत के प्रवक्ता थे और वर्ष 2013 में सेवानिवृत्त हुए। पेंशन की राशि वह जरूरत के अनुसार एटीएम से निकालते हैं। उन्होंने बताया कि 6 मार्च को वह मगहर स्थित एक एटीएम से करीब 5 हजार रुपये निकालने पहुंचे थे। इसी दौरान मशीन में पैसे फंस गए। पीछे खड़े युवक ने मदद के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। कुछ घंटों बाद मोबाइल पर मैसेज आने पर उन्हें पता चला कि उनके खाते से मगहर के ही एटीएम से 60 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव की तैयारियां तेज

संवाददाता कुशीनगर।

- डीएम ने समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचारः कुशीनगर में दिनांक 31 मार्च, 2026 से 02 अप्रैल, 2026 तक प्रस्तावित अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव के सफल आयोजन के दृष्टिगत जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में नामित नोडल अधिकारियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं समन्वित रूप से निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन जनपद एवं प्रदेश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, अतः सभी व्यवस्थाएं उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 29 मार्च, 2026 तक सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों, वक्ताओं एवं वीआईपी अतिथियों की सूची तैयार कर आमंत्रण पत्र समय से प्रेषित किए जाने तथा श्रेणीवार कार्यक्रम अनुसूची तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने विभिन्न सम्मेलन जैसे शिक्षक सम्मेलन, किसान सम्मेलन, महिला सम्मेलन, आशा सम्मेलन एवं युवा सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारियों को समुचित कार्ययोजना तैयार करने को कहा। बैठक में आगन्तुक अतिथियों एवं भिक्षुओं के ठहरने, होटल व्यवस्था, परिवहन, भोजन, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत आपूर्ति, अग्नि सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

तनाव पुलिस की एक पक्षीय कार्रवाई को लेकर भारतीय सीमा से सटे नेपाल के जिले में सांप्रदायिक तनाव

तीन युवकों की गिरफ्तारी से हिंदू संगठनों में रोष, रिहाई की मांग

हंगामा करते लोग। अमृत विचार

बढ़नी, सिद्धार्थनगर। ईद के दिन भारत सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु जिले में घटित सांप्रदायिक घटना तूल पकड़ता जा रहा है। इस प्रकरण में सोमवार को पुलिस द्वारा तीन हिंदू युवकों की गिरफ्तारी से हिंदू संगठनों में उबाल आ गया है। विश्व हिन्दू परिषद नेपाल ने गिरफ्तार हिंदू युवकों को निर्दोष बताते हुए उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। घटना के विरोध में हिंदू संगठनों की सक्रियता देखते हुए पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद नेपाल के तीन वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार हिंदू नेताओं में संगठन के राष्ट्रीय प्रभारी मनोज शुक्ला, जिलाअध्यक्ष विरेंद्र चौधरी और विश्व हिन्दू परिषद नेपाल के जिलाध्यक्ष सुनील तिवारी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बता दें कि कपिलवस्तु जिले के महाराजगंज नगरपालिका वार्ड नंबर 2 बरगदा में विशेष सांप्रदाय द्वारा एक मंदिर पर हुए हमले को लेकर दो संप्रदायों के बीच गहरा तनाव उत्पन्न हो गया था। दोनों ओर से ईंट पत्थर भी चले। स्थित को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों से एक दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हिंदू संगठनों ने इस मामले में निर्दोष हिंदू युवाओं की गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण बताते हुए तत्काल रिहाई की मांग की है। कहा गया है कि मंदिर पर हुए कथित हमले के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष युवाओं पर गोली चलाए जाने और बाद में उन्हीं पीड़ित पक्ष के युवाओं को गिरफ्तार किए जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। इसे बेहद दुखद और चिंताजनक बताया गया है। विश्व हिन्दू परिषद नेपाल ने मांग की है कि गिरफ्तार सभी निर्दोष युवाओं को बिना शर्त तुरंत रिहा किया जाए। साथ ही प्रशासन द्वारा पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य करार दिया गया है। संगठन ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है और इससे दोषियों को संरक्षण मिलने का खतरा बढ़ता है। वास्तविक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न कर पीड़ितों को ही दंडित करना न्याय व्यवस्था पर गंभीर आघात है। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ही गिरफ्तार युवाओं को रिहा नहीं किया गया तो इसके लिए संबंधित प्रशासन जिम्मेदार होगा और हिंदू समाज न्याय की मांग को लेकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। जिला अध्यक्ष कपिलवस्तु नेपाल अशोक कुमार पाण्डेय ने सभी लोगों से संयम बनाए रखने और न्याय के लिए एकजुट रहने की अपील की।

घरेलू गैस वितरण को लेकर हाहाकार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जहां एक तरफ गैस सिलेंडर को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। तो वहीं दूसरी तरफ गैस सिलेंडर के कालाबाजारी का मामला लगातार प्रकाश में आ रहा है। बताते चले कि जनपद में एक वीडियो खूब तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें रात के अंधेरे में ट्रक द्वारा जिला पूर्ति कर्यालय में घरेलू गैस सिलेंडर उतरा जा रहा है। जो जनपद में इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस लाइन में भी रसोई गैस लेने जा उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस लाइन से कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ता चक्कर लगा रहे है, लेकिन उनको रसोई गैस नहीं मिल रहा है।

आपत्तिजनक पोस्ट कर युवती को बदनाम करने की कोशिश, रिपोर्ट

संतकबीरनगर, अमृत विचार। सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर युवती की फोटो से छेड़छाड़ कर उसे बदनाम करने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता ने साइबर क्राइम थाने में शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

गोरखपुर जिले के गीडा थाना क्षेत्र निवासी पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उसकी बड़ी बेटी की शादी खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई है। उसकी छोटी बेटी अपने बहन के घर आई थी। इसी दौरान एक इंस्टाग्राम आईडी बनाकर प्रणेश मिश्र उनकी बेटी की फोटो का दुरुपयोग कर आपत्तिजनक पोस्ट कर रहा है। आरोप है कि उक्त व्यक्ति फोटो को एडिट कर अश्लील बनाकर वायरल करने की धमकी दे रहा है। साथ ही फोन कर अपहरण और गोली मारने की धमकी भी दी जा रही है। गांव और सार्वजनिक स्थानों पर फोटो चस्पा करने की बात कहकर परिवार को डरा रहा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि मना करने के बावजूद आरोपित लगातार धमकियां दे रहा है, जिससे परिवार दहशत में है। एसओ साइबर थाना जय प्रकाश चौबे ने बताया कि आरोपी प्रणेश मिश्रा पता अज्ञात के खिलाफ गाली-गलौज, जान माल की धमकी और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ब्रीफ न्यूज

कल्पना सोरेन को ट्रेलब्लेज़र अवार्ड

नई दिल्ली/रांची। झारखंड के गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को प्रतिष्ठित ''वुमेन एम्पायरमेंट ट्रेलब्लेज़र्स अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में आयोजित ''ब्रिक्स सीसीआई वीई एनुअल वुमेन समिट एंड फेलिसिटेशन 2026'' के दौरान दिया गया। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महिला सशक्तिकरण वर्टिकल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया। इस मौके परसोरेन ने कहा यह पुरस्कार केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह झारखण्ड की हर मंईयाँ और देश-दुनिया की उन अनगिनत महिलाओं का है जो अपने परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहीं हैं।

दिल्ली में हार्ड रॉक कैफे के किचन में आग

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित हार्ड रॉक कैफे के किचन में सोमवार दोपहर आग लग गई, जिससे उस भवन और आस-पास की दुकानों में अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस घटना के बारे में दोपहर करीब 12 :31 बजे एक कॉल मिली, जिसके बाद चार दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। लगभग 12 :50 बजे तक आग पर काबू पा लिया। शुरुआत में, कॉल करने वाले ने बताया था कि आग एलआईसी बिल्डिंग में लगी है। हालांकि, बाद में यह पुष्टि हुई कि आग बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित हार्ड रॉक कैफे के किचन में लगी थी। किसी के घायल या हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

लेनिनग्राद में 50 से अधिक ड्रोन नष्ट किए

मॉस्को। रूस के दूसरे सबसे बड़े शहर लेनिनग्राद (अब सेंट पीटर्सबर्ग) के आसमान में नष्ट किए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या 50 से अधिक हो गई है। गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज़डेन्को ने यह जानकारी दी। श्री ड्रोज़डेन्को ने मैक्स पर कहा,ड्रोन हमले को नाकाम करने की कार्रवाई जारी है। कुल मिलाकर, लेनिनग्राद क्षेत्र के ऊपर 50 से अधिक ड्रोन नष्ट किए जा चुके हैं।

क्यूनेट मार्केटिंग घोटाले में 30 गिरफ्तार

हैदराबाद। केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने सोमवार को क्यूनेट मल्टी-लेवल मार्केटिंग घोटाले के सिलसिले में 30 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां समन्वित कार्रवाई के तहत तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में एक साथ की गयी छापेमारी का नतीजा हैं। हैदराबाद और बेंगलुरु में कंपनी से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी लेने के लिए 25 विशेष टीमें तैनात की गयी थीं।

चलती स्कूटी पर आया जवान को हार्ट अटैक

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना में इंसानियत की मिसाल उस समय देखने को मिली, जब केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक जवान को चलती स्कूटी पर अचानक हार्ट अटैक आने से वह सड़क पर गिर पड़ा और अचेत हो गया। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खड़िया हार निवासी सीआरपीएफ जवान कुलदीप तोमर किसी कार्य से स्कूटी से मुरैना आए थे।

भारत-रूस व्यापार 100 अरब डॉलर करने को बाधाएं हटाने की जरूरत

द्विपक्षीय एजेंडे पर आधारित ऑनलाइन सम्मेलन में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना की

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत और रूस को 2030 तक दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए गैर-टैरिफ बाधाओं और विनियामक अड़चनों जैसे मुद्दों को दूर करने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने रूस के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने भारत और रूसः एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर शीर्षक वाले एक ऑनलाइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में, हमारी भागीदारी और गहरी होती जा रही है।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना की और कहा कि रूस इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। जयशंकर ने कहा कि विकसित हो रही बहुध्रुवीय व्यवस्था के लिए भारत और रूस के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है, जिसमें ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), जी20 और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से सहयोग शामिल है।

उन्होंने कहा कि भारत, रूस के साथ मिलकर साझा चुनौतियों का संतुलित और समावेशी तरीके से समाधान करने के लिए तत्पर है। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित एक विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी है। दशकों से, हमारे पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग ने क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति को आगे बढ़ाया है। विदेश मंत्री ने पिछले वर्ष दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से निकले परिणामों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, दोनों पक्ष वर्तमान वार्षिक व्यापार को 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक संतुलित और सतत तरीके से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस संबंध में, उन्होंने कहा कि हमें भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और गैर-टैरिफ बाधाओं और विनियामक अड़चनों को दूर करने तथा कुशल भारतीय कार्यबल का उपयोग करने के प्रयासों को जारी रखना चाहिए। पश्चिम एशिया में जारी संकट के मद्देनजर विदेश मंत्री की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं। दिसंबर में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई वार्ता के बाद, भारत और रूस ने कई उपायों की घोषणा की, जिनमें एक मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाने और 2030 तक वार्षिक व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने के लिए पांच वर्षीय खाका शामिल है।

अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से की बातचीत

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं की बातचीत पश्चिम एशिया संघर्ष के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले परिणामों पर केंद्रित रहा। जयशंकर और रुबियो की बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए दी गई सीमा को पांच दिनों के लिए बढ़ाए जाने के कुछ घंटों बाद हुई। विदेश मंत्री जयशंकर ने रुबियो से बातचीत के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारी चर्चा पश्चिम एशिया संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर केंद्रित थी। हमने विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर बात की।

पश्चिम बंगाल की पूरक मतदाता सूची जारी की

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 'विचाराधीन' श्रेणी में रखे मतदाताओं के मामलों की सुनवाई के आधार पर सोमवार देर रात पहली पूरक मतदाता सूची जारी की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक बूथ की सूची निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देर रात करीब 11.55 बजे उपलब्ध कराई गई। निर्वाचन आयोग द्वारा 28 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में लगभग 60 लाख नामों को 'विचाराधीन' के रूप में चिह्नित किया गया था। इसके बाद, इन नामों को मतदाता सूची में रखा जाए या हटाया जाए, यह निर्धारित करने के लिए 705 न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया गया था। पूरक सूची में उन मतदाताओं के नाम शामिल हैं जिनके मामलों का निर्णय इन न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है। पश्चिम बंगाल के सीईओ मनोज अग्रवाल ने शाम को कहा था कि लगभग 29 लाख नामों की जांच की जा चुकी है। यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है कि कितने नाम पहली पूरक सूची में रखे गए और कितने हटाए गए हैं।

2027 तक 116 शहरों को देंगे10 हजार एसी ई-बस

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने राज्य सभा में दी योजना के बारे में जानकारी

सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत 2027 तक 26 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के 116 शहरों में 10,000 वातानुकूलित ई-बस उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके बाद 35,000 और बसें प्रदान करने के लिए नई योजना शुरू की जाएगी।

आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 अगस्त 2023 को छोटे और मझोले शहरों में परिवहन सुविधा प्रदान करने और बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए पीएम ई-बस सेवा योजना की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि राज्यों के पास ई-बस के लिए पर्याप्त वित्त नहीं था, इसलिए तीन लाख से 40 लाख की आबादी वाले शहरों के लिए कुल 10,000 बसों का लक्ष्य निर्धारित किया गया। राज्यों को अपनी मांगें देने को कहा गया और चयन मानदंड के आधार पर तथा समन्वय समितियों की सिफारिश पर बसें स्वीकृत की गईं।'' मंत्री ने कहा, "178 पात्र शहरों में से 116 शहरों ने भाग लिया और उन्हें बसें आवंटित की गईं। बिहार में केवल चार शहर योजना के अंतर्गत योग्य पाए गए, जहां 400 बसें स्वीकृत हुईं। पटना को 150 बसें, जबकि भागलपुर, दरभंगा, गया, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया को 50-50 बसें आवंटित की गईं।" उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में समन्वय समितियों के गठन न होने के कारण योजना में देरी हो रही है। मनोरलाल ने बताया कि अगले चरण में 35,000 और बसें दी जाएंगी।

दिग्विजय सिंह ने डेटा सुरक्षा पर जताई चिंता

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भारत की, अमेरिका की अगुवाई वाले रणनीतिक गठबंधन पैक्स सिलिका की सदस्यता का जिक्र करते हुए राज्यसभा में सोमवार को देश की डेटा सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की। सिंह ने कहा कि भारत इस समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है लेकिन इससे न केवल भारतीय नागरिकों की डेटा निजता पर असर पड़ सकता है बल्कि इससे देश की स्वतंत्र नीति क्षमता को भी नुकसान हो सकता है।

शाहरुख के बेटे को छोड़ने के लिए रिश्वत नहीं मांगी

मुंबई, एजेंसी

- हाईकोर्ट में बोले एनसीबी मुंबई जोन के पूर्व निदेशक वानखेड़े

मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई जोन के पूर्व निदेशक समीर वानखेड़े ने सोमवार को मुंबई उच्च न्यायालय में कहा कि उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान से उनके बेटे आर्यन खान को मादक पदार्थ मामले में राहत देने के लिए कभी कोई रिश्वत नहीं मांगी और न ही ली। वानखेड़े के वकील आबाद पोंडा मई 2023 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर दलील दे रहे थे, जिसमें उन पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप लगाए गए हैं।

पोंडा ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ को बताया कि वानखेड़े ने शाहरुख खान से कभी कोई रिश्वत नहीं मांगी और न ही ली। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, वानखेड़े और अन्य आरोपियों ने अभिनेता से उनके बेटे को मादक पदार्थ मामले में क्लीन चिट देने के लिए कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। हालांकि, पोंडा ने अदालत को बताया कि सीबीआई के पास यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि वानखेड़े ने रिश्वत मांगी या ली।

वकील ने कहा कि एनसीबी को कॉर्डेलिया क्रूज जहाज पर कथित मादक पदार्थ की सूचना मिली थी, जिसके बाद कानूनी प्रक्रिया के अनुसार तलाशी ली गई और आर्यन खान समेत कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया। उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रखने की बात कही है।

सीबीआई ने वानखेड़े और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश (आईपीसी की धारा 120-बी), जबरन वसूली की धमकी (धारा 388) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आर्यन खान को दो अक्टूबर 2021 को कॉर्डेलिया क्रूज पर कथित मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में एनसीबी ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, लेकिन आर्यन खान को ''क्लीन चिट'' दे दी थी।

इस मामले में वर्ष 2021 में एक नया मोड़ आया, जब एक ''स्वतंत्र गवाह'' ने दावा किया कि एनसीबी के एक अधिकारी और अन्य लोगों ने आर्यन खान को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। इसके बाद एनसीबी ने वानखेड़े और अन्य के खिलाफ आंतरिक जांच की और इसकी रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी, जिसके आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने भी वानखेड़े के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया था।

बच्ची से बलात्कार में हरियाणा सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम में चार साल की बच्ची से बलात्कार मामले की सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने के अनुरोध से संबंधित याचिका पर हरियाणा सरकार, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अन्य से सोमवार को जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त और जांच अधिकारी को 25 मार्च को सभी रिकॉर्ड के साथ अदालत में पेश होने का निर्देश भी दिया। इसके अलावा पीठ ने गुरुग्राम के जिला न्यायाधीश से कहा कि वह मामले को असंवेदनशील तरीके से संभालने के आरोपों पर मजिस्ट्रेट से जवाब मांगें। इससे पहले 20 मार्च को उच्चतम न्यायालय ने इस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई थी।

लाल किला धमाका : एनआईए का जम्मू कश्मीर में नौ स्थानों पर छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पिछले साल लाल किले के पास कार में हुए बम धमाके के मामले की जांच के तहत सोमवार को जम्मू कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए ने छह जिलों श्रीनगर, बारामूला, जम्मू, कुलगाम, गांदरबल और हंदवाड़ा में नौ स्थानों पर तलाशी ली।

एनआई के एक बयान में कहा गया कि छापेमारी के दौरान कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए और उन्हें फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा गया। पिछले साल 10 नवंबर को लाल किले के पास एक कार में बम विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह विस्फोट आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी ने अंजाम दिया था। उसने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार में खुद को उड़ा लिया था। नबी हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में चिकित्सक और सहायक प्रोफेसर था। एनआईए ने जांच के दौरान पाया कि नबी ने गिरफ्तार सह-आरोपियों और अन्य के साथ समन्वय में विस्फोट की साजिश रची थी। एजेंसी ने कहा कि वह आतंकी हमले के पीछे की बड़ी साजिश का खुलासा करने और देश में अराजकता फैलाने की साजिश में शामिल लोगों की पहचान का प्रयास जारी रखे हुए है।

सांबा में विस्फोट, एनआईए-एनएसजी पहुंचीं

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में बीती रात एक पूर्व सरपंच के घर के बाहर संदिग्ध विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट का कारण अभी पता नहीं चला है। यह विस्फोट घगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 10 किलोमीटर दूर गावाला तालाब में जयराम शर्मा के आवास के बाहर हुआ। विस्फोट से मुख्य द्वार और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने लिए। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और एनएसजी की टीम भी कुत्तों के साथ मौके पर पहुंचीं।

आज भोजशाला का निरीक्षण करेंगे न्यायमूर्ति

धार। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला 24 मार्च मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर धार पहुंचकर ऐतिहासिक भोजशाला परिसर का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वे केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन स्थल का मुआयना कर उससे जुड़े तथ्यों की जानकारी लेंगे।

आधिकारिक सूचना के अनुसार न्यायमूर्ति शुक्ला दोपहर लगभग एक बजे धार पहुंचेंगे और सर्किट हाउस से सीधे भोजशाला के लिए रवाना होंगे। निरीक्षण के दौरान पुरातत्व विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल और अधिकारियों की तैनाती की गई है। नौगांव स्थित किले के संग्रहालय पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है।

48 साल बाद खुलेगा जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

पुरी, एजेंसी

- सरकार ने वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की व्यस्था की

ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने सोमवार को कहा कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने के लिए वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और 3डी मैपिंग सहित विस्तृत व्यवस्थाएं की गई हैं।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने का कार्य 48 वर्षों के अंतराल के बाद 25 मार्च से शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल मंदिर के आभूषणों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की पारदर्शिता तथा उचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। हरिचंदन ने बताया कि पहली बार, विशेषज्ञ सुनारों के साथ-साथ रत्नविज्ञानी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारी भी इस कार्य में शामिल होंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वस्तुओं का कोई मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और यह प्रक्रिया केवल दस्तावेजीकरण तथा सत्यापन तक ही सीमित रहेगी। ओडिशा में 12वीं शताब्दी के मंदिर में होने वाली इस प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद, मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई कि रत्न भंडार की यह प्रक्रिया व्यवस्थित, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संचालित की जाए।

कोलंबिया में सैन्य विमान क्रैश, 125 लोग थे सवार

बोगोटा, एजेंसी। लातिन अमेरिकी देश कोलंबिया के दक्षिण पश्चिम हिस्से में 125 लोगों को ले जा रहा एक सैन्य मालवाहक विमान सोमवार को उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि अबतक 48 लोगों को जिंदा बचाया गया है। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने एक्स पर बताया कि यह दुखद हादसा पुटुमायो प्रांत के एक दूरस्थ नगर पालिका पुएर्टो लेगुइज़ामो में हुई, जो पेरू और इक्वाडोर की सीमा से लगता है। तस्वीरों में विमान दुर्घटनास्थल से काले धुएं का बादल उठता हुआ और सैनिकों से भरा एक ट्रक घटनास्थल की ओर जाता दिख रहा है। कोलंबियाई वायु सेना के कमांडर कार्लोस फर्नांडो सिल्वा ने बाद में एक वीडियो संदेश में बताया कि हरक्यूलिस सी-130 विमान में 114 यात्रियों और 11 चालक दल के सदस्यों सहित 125 लोग सवार थे।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

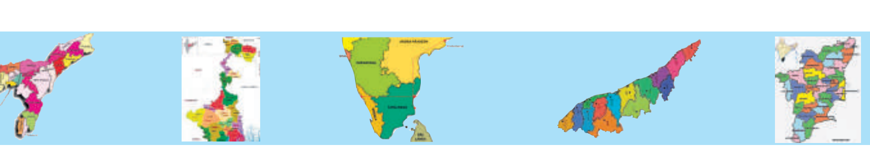

पश्चिम बंगाल: ओवैसी-हुमायूं के गठबंधन से मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्ष ने ओवैसी पर लगाया भाजपा की मदद करके धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का आरोप

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के गठबंधन की विपक्ष ने कड़ी आलोचना करते हुए इस गठबंधन से वोट बंटने और विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में धर्मनिरपेक्ष दलों के कमजोर होने की आशंका जताई है। विपक्ष के नेताओं ने ओवैसी को घेरते हुए कहा है कि उनकी पार्टी असल में भाजपा की मदद करना चाहती है।

एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन किया है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने इस गठबंधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे मुस्लिम समाज अलग-थलग पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ओवैसी की पार्टी वास्तव में भाजपा की मदद करना चाहती है, लेकिन इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। उनके पास ताकत नहीं है और उन्हें वोट नहीं मिलेंगे।

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने धर्मनिरपेक्ष ताकतों को कमजोर करने का ठेका ले रखा है।

कांग्रेस के एक अन्य सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि गठबंधन करना राजनीतिक फैसला है, लेकिन ध्यान सांप्रदायिक ताकतों को हराने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, कौन किससे गठबंधन करता है, यह उनका मामला है। लेकिन हमारा लक्ष्य सांप्रदायिक ताकतों को हराना है और इसके लिए कांग्रेस लगातार काम करती रहेगी। शिवसेना (उबाठा) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम अक्सर भाजपा की मदद करती है। जब भी भाजपा मुश्किल में होती है, वह एआईएमआईएम को बुलाती है, जो उसके ''स्पीड डायल'' पर रहती है। पार्टी उसे चुनाव में उतरने और जीत दिलाने के लिए आमंत्रित करती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माझी ने एआईएमआईएम को भाजपा की "बी-टीम" बताया और आरोप लगाया कि वह चुनाव में सिर्फ विपक्ष के वोट बांटने के लिए उतरती है, जिससे भाजपा को फायदा होता है। यह हर जगह हो रहा है।

आचार संहिता: 181 करोड़ कैश, शराब जब्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों पर आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है और अब तक करीब 181 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, मादक पदार्थ और अन्य सामग्री जब्त की जा चुकी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

कोलकाता में चुनाव प्रचार करती तृणमूल प्रत्याशी श्रेया पांडेय।

असम : झामुमो की सूची में 21 प्रत्याशी

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने असम विधानसभा चुनाव के लिए अपने 21 उम्मीदवारों की सूची सोमवार को जारी की। झामुमो क्षेत्रीय पार्टी की छवि को मिटाकर एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में उभरना चाहता है। पार्टी का उद्देश्य चाय बागानों में काम करने वाली जनजाति के लगभग 70 लाख लोगों को अपने पक्ष में करना है, जिनमें से कई लोगों की जड़ें झारखंड से जुड़ी हुई हैं। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने बताया, विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, पार्टी ने असम की 126-सदस्यीय विधानसभा के चुनावों के लिए 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

गोगोई ने जोरहाट सीट से भरा पर्चा

जोरहाट। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को जोरहाट सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। गोगोई राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार किस्मत आजमा रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने जोरहाट स्टेडियम से रैली शुरू करने से पूर्व विभिन्न धार्मिक स्थलों का दौरा किया। लगभग तीन घंटे बाद इस रैली का समापन जिला आयुक्त कार्यालय पर हुआ। रैली में बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। गोगोई नजीर अली क्षेत्र स्थित अपने पैतृक आवास पर भी पहुंचे और अपने पिता एवं असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई की तस्वीर के समक्ष खड़े होकर प्रार्थना की।

पुडुचेरी में रंगासामी कैबिनेट के दो मंत्रियों को नहीं मिला टिकट

पुडुचेरी। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने दो मौजूदा मंत्रियों को टिकट नहीं दिया है।

मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री के. लक्ष्मीनारायणन और कृषि मंत्री थेनी जयकुमार को इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतारा गया है। सूत्रों के अनुसार, लक्ष्मीनारायणन की राजभवन सीट एनडीए गठबंधन में भाजपा को दे दी गई है। जयकुमार की मंगालम सीट से रंगासामी चुनाव लड़ेंगे।

पुडुचेरी : नामांकन के आखिरी दिन तक द्रमुक-कांग्रेस में सीट बंटवारे पर गतिरोध

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और कांग्रेस के बीच इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत अब तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। चेन्नई में रविवार से शुरू हुई मैराथन बैठकें सोमवार तड़के तक चलीं लेकिन बिना किसी निष्कर्ष समाप्त हो गईं। हालांकि दोनों दलों ने गठबंधन जारी रखने पर सहमति जताई है। स्थिति को देखते हुए दोनों दलों के संभावित उम्मीदवार सोमवार दोपहर तीन बजे तक सभी 30 सीटों पर नामांकन दाखिल करेंगे। बाद में 26 मार्च तक, जो नामांकन वापसी की अंतिम तिथि है, आपसी सहमति बनने पर उम्मीदवार पर्चे वापस ले सकते हैं।

अमृत विचार

मंगलवार, 24 मार्च 2026

ज्ञान को केवल दिमाग से प्राप्त नहीं किया जा सकता है, इसे अनुभव से भी प्राप्त किया जाना चाहिए।
ओशो, दार्शनिक

संकट विकट निकट है

तेल, गैस आपूर्ति के सुचारु रहने के आश्वासनों तथा सामान्य पेट्रोल, डीजल के दामों में बढ़ोतरी को कुशलतापूर्वक थामे रहने के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि विकट संकट निकट आता दिख रहा है। पश्चिमी एशिया में तनाव और युद्ध का चौथा सप्ताह शुरू हो चुका है और युद्ध की तीव्रता मंद पड़ने की बजाय और भी तीव्रतर होती जा रही है। चौथे हफ्ते की शुरुआत ईरान द्वारा इजराइल पर भीषण हमले के जवाब से हुई, जो इजराइल के उसके परमाणु संयंत्र पर आक्रमण का प्रत्युत्तर था। उधर अमेरिका ने धमकी दी है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो वह ईरान के तमाम ऊर्जा संयंत्रों, पावर प्लांट को तबाह कर देगा। जवाब में ईरान ने भी अमेरिका को खाड़ी के देशों में उनके खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। हजारों किलोमीटर दूर डियागो गार्सिया पर ईरानी मिसाइल हमले के बाद यूरोप भी खौफजदा है, उसे लगता है कि लंदन और बर्लिन भी उसके निशाने पर आ सकते हैं। ब्रिटेन की परमाणु संचालित पनडुब्बी के अरब सागर में उतरने के बाद अब ब्रिटेन भी युद्ध में शामिल हो चुका है। ये सभी ऐसे संकेत हैं, जिससे लगता है कि शायद जंग जल्द खत्म नहीं होगी।

इस बीच डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट की चेतावनी चिंता बढ़ाने वाली है कि खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और आशंकित व्यवधानों के चलते दुनिया के कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट खड़ा हो सकता है। यह संकट यदि दो महीने और चला तो भारतीय अर्थव्यवस्था व्यापक मंदी की शिकार हो सकती है। रिपोर्ट में व्यक्त यह चिंता वाकई काबिले गौर है कि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तथा होर्मुज जलडमरूमध्य इसी तरह बाधित रहा, तो देश का राजकोषीय घाटा बुरी तरह बढ़ेगा और सल्फर, हिलियम, मेथेनॉल,एल्यूमीनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी। रसायन, सेमीकंडक्टर तथा उर्वरक निर्माण उद्योग को गहरा धक्का लगेगा। साथ ही कृषि एवं खाद्य सुरक्षा पर भी बहुत बुरा असर दिखेगा। आम उपभोक्ता वस्तुओं के दाम भी बढ़ेंगे। तेल कीमतों की उछाल को नियंत्रित करने के लिए ऑल इंडिया डिस्टलर्स एसोसिएशन द्वारा पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथेनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश और इसे तीस फीसदी तक पहुंचाने की बात हो अथवा एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक करना, इस आसन्न संकट से निपटने के बहुत ठोस उपाय नहीं हैं और न ही अमेरिका से एलपीजी तथा रूस से कच्चे तेल लिए भारत पहुंचने वाले कुछ जहाज। अच्छी बात यह है कि भारत सरकार इस संकट के पूर्वानुमानों को लेकर सतर्क है। मंत्रालय ने कच्चे तेल की आपूर्ति के विकल्पों की तरफ देखा है और प्रधानमंत्री ने इस बात की सख्त ताकीद की है कि कालाबाजारी और जमाखोरी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने के साथ ही उपभोक्ताओं और उद्योगों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने के संकेत दिए। उम्मीद है यह सतर्कता संकट समाधान का स्थायी कारक बनेगी।

प्रसंगवश

टीबी: 2026 में भी सिस्टम के लिए चुनौती

ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) आज भी समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। सरकार लगातार नए इनोवेशन, दवा रेजीमेन और प्रोटोकॉल के जरिए ज्यादा से ज्यादा संक्रमित लोगों तक बेहतर इलाज पहुंचाने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद, वर्ष 2030 के टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को कई स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान को दोबारा शुरू किए जाने के बाद भी सिस्टमिक और सामाजिक बाधाएं बनी हुई हैं, खासकर 2025 के लक्ष्य से पीछे रह जाने के बाद। ज्यादा मरीजों वाले जिलों में व्यापक स्क्रीनिंग की आवश्यकता साफ दिखाई देती है। दूर-दराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच के कारण डायग्नोसिस में देरी होती है, जिससे संक्रमण का फैलाव बढ़ता है। वहीं, प्राइवेट सेक्टर में कम रिपोर्टिंग भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि कई मरीज सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के दायरे में आ ही नहीं पाते।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद
वाइस चेयरमैन
नेशनल टीबी टास्क फोर्स

सामाजिक और आर्थिक कारक भी टीबी के प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। कुपोषण, गरीबी व भीड़भाड़ जैसी परिस्थितियां, खासकर प्रवासी मजदूरों और कमजोर वर्गों में इस बीमारी को बढ़ावा देती हैं। इन चुनौतियों के बीच, पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। यह बदलाव केवल नई योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि टीबी को समझने और उससे निपटने के तरीके में परिवर्तन को दर्शाता है। घर-घर जाकर जांच, कमजोर वर्गों की पहचान व फ्रंटलाइन वर्करों की सक्रिय भागीदारी से मरीजों की समय पर पहचान संभव हो रही है। इसका परिणाम यह रहा कि वर्ष 2025 में 6.90 लाख टीबी मरीजों की पहचान की गई, जो निर्धारित लक्ष्य 6.75 लाख से अधिक है। डायग्नोसिस और उपचार में तकनीकी प्रगति ने इस अभियान को और मजबूती दी है। एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें दूरस्थ क्षेत्रों में संदिग्ध मरीजों की तुरंत पहचान कर रही हैं। मॉलिक्यूलर टेस्टिंग से जांच की सटीकता बढ़ी है, जबकि ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के लिए छोटे और पूरी तरह मौखिक इलाज ने उपचार अवधि को लगभग दो साल से घटाकर 6-9 महीने कर दिया है। इससे मरीजों में इलाज का पालन बेहतर हुआ है और मृत्यु दर में कमी आई है। प्रिवेंटिव थेरेपी का विस्तार भी खासकर उच्च जोखिम समूहों में संक्रमण को रोकने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

उत्तर प्रदेश में अब तक 1.83 लाख से अधिक निक्षय मित्र पंजीकृत हो चुके हैं। बुलंदशहर जैसे जिलों में संस्थाओं द्वारा सभी टीबी मरीजों को गोद लेने जैसी पहलें भी सामने आई हैं। ग्राम स्तर पर भी व्यापक भागीदारी देखने को मिल रही है। 20,000 से अधिक ग्राम प्रधानों ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में योगदान दिया है और हजारों पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। मोबाइल डायग्नोस्टिक वैन, हैंडहेल्ड एक्स-रे और एआई तकनीक के उपयोग से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। साथ ही, नियमित वल्नरेबिलिटी मैपिंग और एक्टिव केस फाइंडिंग से जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2030 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब स्वास्थ्य शिक्षा पर और अधिक जोर देना आवश्यक है। लोगों में जागरूकता बढ़ाकर ही टीबी के प्रति भय और कलंक को खत्म किया जा सकता है। साथ ही, जांच के लिए आवश्यक रीएजेंट और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। सामुदायिक भागीदारी, तकनीकी नवाचार और मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के संयुक्त प्रयासों से ही भारत को टीबी मुक्त बनाने का सपना साकार हो सकता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

युद्ध की तपिश से भारत भी सशंकित

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

अपनी जरूरत का करीब 89 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाला भारत क्या इससे यथाशीघ्र उबर पाएगा? यक्ष प्रश्न यह भी कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ प्रत्येक भारतीय अपनी जिम्मेदारी को क्या बखूबी निभा रहा है?

अमेरिका व इजराइल का ईरान के साथ युद्ध अब भयावह हो चला है। विगत 28 फरवरी से ही वे एक दूसरे के सैन्य ठिकानों पर बम बरसा रहे हैं। युद्ध से तीनों देशों के धन-जन को काफी क्षति भी पहुंच रही है। इसकी विभीषिका का प्रभाव विश्व की समेकित ऊर्जा पर पड़ता दिख रहा है। इसके प्रत्यक्ष असर से भारत भी अछूता नहीं है। कच्चे तेल व एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) का एक बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत के समुद्र तटीय क्षेत्रों में बड़े जहाजों से आता है। होर्मुज ईरान व ओमान के मध्य स्थित करीब 33 किमी का महत्वपूर्ण संकरा समुद्री गलियारा दुनिया के करीब 25 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस के निर्यात का प्रमुख मार्ग है। वर्तमान में भारत के करीब 24 जहाज वहां फंसे हुए हैं। एलपीजी व कच्चे तेल से लदे उक्त जहाज यदि जल्द नहीं आएं तो यहां के विनिर्माण, परिवहन, खाद्य उत्पादन के अलावा ऊर्जा क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना तय। यहां वस्तुओं की कीमतें तो प्रभावित होंगी ही, उत्पादन व रोजगार पर भी खासा प्रभाव पड़ेगा।

अपनी जरूरत का करीब 89 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करने वाला भारत क्या इससे यथाशीघ्र उबर पाएगा? यक्ष प्रश्न यह भी कि संकट की इस घड़ी में सरकार के साथ प्रत्येक भारतीय अपनी जिम्मेदारी को क्या बखूबी निभा रहा है? अमेरिका की दादागिरी ने समूचे विश्व के आर्थिक तंत्र को झकझोर कर रख दिया है। करीब साढ़े 11 हजार किमी दूर ईरान से भला अमेरिका को किस बात का खतरा है कि वह इजराइल के साथ मिलकर उसे नेस्तनाबूद करने को युद्ध कर रहा? इसे गहराई से जानने के लिए अमेरिका का वेनेजुएला के कच्चे तेल भंडारों पर कब्जा तथा ग्रीनलैंड को हथियाने की उसकी मंशा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अमेरिका द्वारा खेला जा रहा तेल का खेल वास्तव में वैश्विक बाजार पर आधिपत्य का ही है। ईरान पर उसका हमला मध्य-एशिया में अमेरिकी प्रभाव में वृद्धि का ही है। ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम को इस युद्ध ने कमजोर करने का काम किया है। क्योंकि कच्चे तेल से निर्मित पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात में भारत का स्थान विश्व में चौथा है। यदि इसे सुचारु रूप से कच्चा तेल नहीं मिल पाएगा, तो हमारी रिफाइनरियों का क्या होगा? तेज रफ्तार से बढ़ती हमारी अर्थव्यवस्था क्या गतिमान रह पाएगी? यह आने वाला समय ही बता पाएगा।

हमारे देश के लोग बिना कुछ सोचे-समझे राशनिंग को ढाल बनाने लगते हैं। सामान्य दिनों में यहां एलपीजी की औसत बुकिंग करीब 55 लाख सिलेंडर प्रतिदिन है, लेकिन कुछ गत कुछ दिनों में बुकिंग बढ़कर करीब 76 लाख सिलेंडर प्रतिदिन हो गई। आपदा में अवसर ढूंढने वाले स्वार्थी किस्म के लोगों को क्या यह नहीं समझना चाहिए कि कच्चा तेल और एलपीजी भारत बड़े पैमाने पर आयात करता है? कालाबाजारी से तो उसके ही बंधु-बांधव प्रभावित होंगे। देश में करीब 25 हजार गैस वितरक हैं। जाहिर है, इसमें कुछ राशनिंग को बढ़ावा देने वालों को लाभ देते हों, लेकिन संकटकाल के इस दौर में उन्हें भी ईमानदारी और पारदर्शिता दिखानी होगी। उक्त ईंधनों के असमान वितरण तथा पैनिक पैटर्न से हमें बचना ही होगा।

आम भारतीयों की सुविधा के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गत दिनों नियमित आवंटन से इतर करीब 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसीन का आवंटन कर दिया है। अपनी भूमिका को और सक्रिय करते हुए भारत सरकार के वन मंत्रालय और कोयला मंत्रालय ने भी चुनौती से निपटने को कमर कस ली है। युद्ध की विभीषिका के मध्य सरकार व प्रत्येक भारतीय को गंभीरतापूर्वक समझना होगा कि कच्चे तेल व एलपीजी का हमारे यहां विकल्प क्या हो सकता है? क्योंकि भारत में दोनों ईंधन बहुतायत में आयात किया जाता है। आत्मनिर्भर होकर अपनी ऊर्जा संप्रभुता की सुलभ राह खोजनी होगी। उक्त राह हमारे खेतों, गोशालाओं व हमारी उस परंपरा में छिपी है, जिसे हमने आधुनिकता की आड़ में पीछे धकेल दिया है। हमें अपने उपलब्ध पशुधन का उपयोग कर प्रतिवर्ष 60 हजार करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन बचाना होगा। आंकडे बताते हैं कि देश के पशुधन में 21,924 अरब किलोवाट ऊर्जा प्रतिवर्ष उत्पन्न करने की क्षमता है। अफसोसजनक यह कि हम उसका केवल 25 प्रतिशत भाग ही उपयोग कर पा रहे हैं।

यह भी जान लें कि एक देसी बैल की जोड़ी प्रतिवर्ष 247 लीटर डीजल का स्थान लेती है। पशु अपशिष्ट व कृषि अवशेषों से बायोगैस के रूप में तीन हजार से अधिक टेराजूल प्रतिदिन ऊर्जा उत्पन्न की जा सकती है, जो देश के 55 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति करने में सक्षम है। भारत के करीब 65 प्रतिशत घरों में भोजन बनाने को लकड़ी व उपलों का प्रयोग आज भी किया जाता है। हमारे लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि ऊर्जा की असली सुरक्षा किसी आयात समझौते में नहीं, अपितु अपनी मिट्टी, पेड़-पौधे, जीव-जंतु और अपने पशुधन में है। अपेक्षा यह है कि हम उस 75 प्रतिशत ऊर्जा क्षमता को पहचानें और तेल संपन्न देशों की निर्भरता से पार पाएं। हमें बायोगैस संयंत्रों का भी विस्तार करना होगा। हमें किसानों में भी विश्वास भरना होगा कि भारत की ऊर्जा संप्रभुता उसके अपने खेतों में ही है। युद्ध ने हमें सशंकित तो किया है, तो आ अब लौट चलें... की तर्ज पर हम अपनी परंपरागत ऊर्जा का पूर्व की भांति उत्पादन करें। इसका संरक्षण कर आत्मनिर्भर बनें। ऐसा कर लेने के पश्चात न तो हम अमेरिका, रूस, ईरान पर निर्भर रहेंगे न ही वैश्विक युद्ध से सशंकित।

आमने सामने

भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से कितनी भी बाधाएं लगाए, कुछ भी कर ले, लेकिन पश्चिम बंगाल की जनता पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार को ही चुनेगी। पश्चिम बंगाल में हर स्तर पर ममता बनर्जी ने काम किया है। ऐसे में ममता की ही सरकार वहां फिर से बनेगी।

-अखिलेश यादव,
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

अखिलेश यादव तो बिहार में तेजस्वी यादव को भी जिता रहे थे और अब वैसे ही वे पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को जिता रहे हैं। जिस तरह अखिलेश यादव के प्रचार के कारण तेजस्वी यादव हारे थे, अब वैसे ही ममता बनर्जी भी चुनाव हारेंगी।

-केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

युद्ध के बीच भारत में ऊर्जा आपूर्ति पर्याप्त व सुरक्षित

राजीव जैन
पूर्व महानिदेशक
पीआईबी, नई दिल्ली

कई देशों को आपूर्ति संकट और कीमतों के झटके झेलने पड़े हैं, लेकिन भारत ने समय रहते अपने आयात स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को पुनर्संतुलित किया।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधाओं ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को गहरे संकट में डाल दिया है। यह वही समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। हालात इतने गंभीर हैं कि एशिया के कई देशों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है और उसका एक बड़ा भाग इसी मार्ग से आता है। इसके बावजूद, भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता व्यापक स्तर पर सामान्य बनी हुई है। यह स्थिति किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, सक्रिय कूटनीति और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के कुशल प्रबंधन का परिणाम है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है।

कई देशों को आपूर्ति संकट और कीमतों के झटके झेलने पड़े हैं, लेकिन भारत ने समय रहते अपने आयात स्रोतों और आपूर्ति श्रृंखला को पुनर्संतुलित किया। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में ऊर्जा आपूर्ति "पर्याप्त और सुरक्षित" है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। भारत की ऊर्जा नीति का सबसे मजबूत आधार है स्रोतों का विविधीकरण। आज हमारा देश केवल खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं है, बल्कि रूस, अमेरिका, ब्राजील और अफ्रीका के कई देशों से तेल आयात कर रहा है। हाल के घटनाक्रम में यह भी देखा गया कि रूस और अन्य वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ाकर भारत ने आपूर्ति संतुलन बनाए रखा। सरकार के प्रयासों से अब लगभग 70 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाहर के मार्गों से किया जा रहा है, जिससे जोखिम काफी कम हुआ है। मजबूत भंडार और मजबूत रिफाइनिंग क्षमता के कारण भारत ने इस संकट से पहले ही अपनी रणनीतिक तैयारी मजबूत कर ली थी। देश के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं, जो अल्पकालिक झटकों को संभालने में सक्षम हैं। साथ ही, भारत की मजबूत रिफाइनिंग क्षमता जो दुनिया में अग्रणी है, घरेलू मांग को पूरा करने के साथ अतिरिक्त उत्पादन की भी क्षमता रखती है। संकट के दौरान सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें तेल कंपनियों को घरेलू मांग को प्राथमिकता देने के निर्देश, रिफाइनरियों को अधिकतम उत्पादन बढ़ाने के आदेश के अलावा एलपीजी आपूर्ति को घरेलू उपयोग के लिए प्राथमिकता देना तथा रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए डेटा साझा करने की व्यवस्था की गई है। इन कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि संकट का असर आम नागरिक तक न्यूनतम पहुंचे। रसोई गैस की कोई परेशानी आम आदमी को कतई न होने पाए इसका व्यापक प्रबंध किया गया है।

पीएम मोदी ने गत दिनों कहा भी था कि भारत में एलपीजी की स्थिति को लेकर दहशत फैलाने वालों से देशवासियों को सतर्क रहना चाहिए। झूठी सूचना फैलाने वाले न केवल जनता के सामने अपनी पोल खोल रहे हैं, बल्कि देश को भी नुकसान पहुंचाने की भी कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे ऐसे समय में कालाबाजारियों और जमाखोरों को रोकने के लिए अपनी निगरानी सख्त कर दें। इसी बीच सरकार की ओर से घोषणा की गई है कि राज्यों को एलपीजी के विकल्प के रूप में 48 हजार किलोलीटर अतिरिक्त केरोसिन आवंटित कर दिया गया है। शहरी क्षेत्रों के लिए दो एलपीजी सिलेंडर बुक करने के बीच की अंतरिम अवधि 25 दिन ही रहेगी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए इसे बढ़ाकर 45 दिन कर दिया गया है। एलपीजी के मोर्चे पर स्थिति सबसे चुनौतीपूर्ण रही, क्योंकि भारत अपनी बड़ी आवश्यकता आयात से पूरी करता है। फिर भी सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी, औद्योगिक उपयोग में अस्थायी कटौती की और वैकल्पिक आयात बढ़ाकर आपूर्ति संतुलित रखी। मूल्य स्थिरता से आम उपभोक्ता को राहत दी गई है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद भारत में कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा। पीएम मोदी ने बार-बार स्पष्ट किया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है।

इसी दृष्टिकोण के तहत भारत ने तीन प्रमुख स्तंभों पर काम किया। पहला, आपूर्ति का विविधीकरण, दूसरा रणनीतिक भंडारण तथा तीसरा वैकल्पिक ऊर्जा इथेनॉल व गैस आधारित वैकल्पिक ऊर्जा की व्यवस्था। जब दुनिया के कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, भारत ने संतुलित नीति, समयबद्ध निर्णय और मजबूत प्रशासनिक समन्वय के जरिए स्थिति को संभाला है। उक्त उदाहरण दर्शाते हैं कि यदि नेतृत्व स्पष्ट हो, नीति दूरदर्शी हो और निर्णय समय पर लिए जाएं, तो सबसे बड़ी वैश्विक चुनौतियों को भी प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने यह सिद्ध किया है कि संकट के समय भी आम नागरिक का हित सर्वोच्च प्राथमिकता रह सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

युद्ध का परिणाम

युद्ध जीवन और प्रकृति का विनाश कर रहा है, चारों ओर आग की लपटें और धुआं हैं, चारों ओर हाहाकार हो रहा है, लेकिन तृष्णा का अंत अभी भी नहीं दिख रहा है, संसार के नेता टुकुर-टुकुर देख रहे हैं, विश्वजनमत सो रहा है, संयुक्त राष्ट्र की भावना मूर्च्छित है। सभ्यता हार रही है और बर्बरता जीत रही है। विवेक सो रहा है और अविवेक का नशा सिर पर चढ़ गया है। महायुद्ध नहीं है, किंतु जो विध्वंस प्रतिदिन हो रहा है, वह कुछ कम नहीं है। यह कहीं पर से भी विश्व के कल्याण के लिए सही नहीं ठहराया जा सकता है।

डॉ. राजेन्द्र रंजन चतुर्वेदी
वरिष्ठ लेखक

यह सब जो हो रहा है, वह एकाएक नहीं हो रहा है, इसका कारण संसार की वह राजनीति है, जो अभी तक अंदर ही अंदर चल रही थी और अभी भी चल रही है, यह अंदर ही अंदर सुलगने वाली उस राजनीति का विस्फोट है। भले ही वह मजहबी उन्माद की राजनीति हो या आर्थिक साम्राज्यवाद की राजनीति हो। मजहबी आतंक कट्टरता और संकीर्णता की संतान है, तो बाजारवाद, आर्थिक साम्राज्यवाद का आतंक तृष्णा और प्रभुता का विस्फोट है, वह इंसान और प्रकृति दोनों एको कच्चा माल समझता है। अभिमान का कैसा मद है कि वह कह रहा है कि इस देश का नाम दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे। पर्यावरण प्रदूषण का संकट इसी अविवेक और जड़ता का परिणाम है, जिसकी वजह से जलवायु परिवर्तन देखने को मिल रहा है। राजनीति का पतन हुआ है कि वह दायरों को देख रही है, किंतु मनुष्य को नहीं देख पा रही है। दुष्ट प्रकृति के लोग युद्ध में भी व्यक्तिगत स्वार्थ या लाभ देख रहे हैं। वे लोग युद्ध से भी मुनाफा कमाएंगे। यदि ऐसा न होता, तो शायद युद्ध ही न होता और यदि युद्ध होता, तो अब तक युद्ध के विरुद्ध जनमत खड़ा हो जाता।

यह सही है कि तकनीकी और विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, मौसम की सटीक भविष्यवाणी प्रतिदिन आ जाती है, अब कोई तकनीकी और विज्ञान संसार के राजनेताओं को इस युद्ध का परिणाम समझा सके तो बहुत अच्छी बात होगी। युद्ध में हारने वाला तो हारेगा ही, जीतने वाला भी हारेगा, किंतु सबसे बड़ी हार तो मनुष्य और मनुष्यता की होगी। सामान्य जन की जिंदगी और अधिक कठिन हो जाएगी।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

वैश्विक शक्ति के रूप में उभरता ईरान

अमेरिका और इजराइल के ईरान के विरुद्ध जारी युद्ध को 24 दिन पूरे हो चुके हैं। जैसे-जैसे यह संघर्ष आगे बढ़ रहा है, ईरान की शक्ति के विविध आयाम स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। इस जंग में ईरान कूटनीतिक, सैनिक, भू-राजनीतिक तथा तकनीकी स्तर पर अमेरिका और इजराइल की अपेक्षाओं के विपरीत अधिक प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। अमेरिकी हवाई हमलों और बमबारी के जवाब में ईरान ने पूरे मध्य-पूर्व में अमेरिकी ठिकानों, तेल-गैस रिफाइनरियों और आधारभूत ढांचे को निशाना बनाया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ा है।

ईरान की आक्रामक सैन्य और मिसाइल क्षमता यह संकेत देती है कि उसके पास अत्याधुनिक हथियारों का भंडार और उन्नत तकनीक मौजूद है। उसकी मिसाइलों की मारक क्षमता लगातार बढ़ती दिख रही है। तेहरान से हजारों किलोमीटर दूर तक हमले की क्षमता प्रदर्शित कर उसने यह स्पष्ट किया है कि उसकी पहुंच यूरोप तक हो सकती है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को चुनौती देने का संकेत भी है। रणनीतिक दृष्टि से होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान का सबसे बड़ा हथियार बनकर उभरा है। इस मार्ग पर उसकी पकड़ ने विश्व शक्तियों को यह अहसास कराया है कि ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख मार्गों पर नियंत्रण कितना निर्णायक हो सकता है। तेल और गैस के परिवहन में बाधा आने से अनेक देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है और इसका असर आम नागरिकों के दैनिक जीवन तक पहुंच रहा है।

बीना नयाल
शिक्षिका, हल्द्वानी

यह संघर्ष भले ही ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच है, लेकिन इसकी तपिश पूरी दुनिया महसूस कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और विभिन्न देशों के रुख से भी यह स्पष्ट है कि वे प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होने से बचना चाहते हैं। कई राष्ट्र मध्यस्थता की भूमिका निभाने के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि उनका प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। युद्ध के चलते ईरान अब एक मजबूत सौदेबाजी की स्थिति में पहुंचता दिखाई दे रहा है। उस पर लगे आर्थिक और सैन्य प्रतिबंधों को हटाने की दिशा में परिस्थितियां उसके पक्ष में बन रही हैं। साथ ही, तेल व्यापार को वैकल्पिक मुद्राओं में करने की उसकी रणनीति वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, विशेषकर डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देती है। इससे अमेरिका की आर्थिक और कूटनीतिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। इस युद्ध ने यह भी दिखाया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक शक्ति का भी होता है। लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और कई देशों की विकास यात्रा को पीछे धकेल सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में दोनों पक्षों का कठोर रुख युद्धविराम की संभावनाओं को जटिल बना रहा है। स्थिति यदि और बिगड़ती है, तो यह संघर्ष व्यापक और विनाशकारी रूप ले सकता है। ऐसे में केवल वही देश प्रभावी मध्यस्थ बन सकते हैं, जिनकी विदेश नीति संतुलित, विश्वसनीय और शांति पर आधारित रही है। यह युद्ध केवल भू-राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान, रणनीतिक हितों और वैश्विक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो इसके परिणाम दूरगामी और अत्यंत गंभीर हो सकते हैं।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

बरेली की आध्यात्मिक पहचान जिन कुछ प्राचीन तीर्थस्थलों से निर्मित होती है, उनमें धोपेश्वर नाथ मंदिर का स्थान अत्यंत विशिष्ट, प्राचीन और श्रद्धा से परिपूर्ण है। यह केवल एक शिव मंदिर नहीं, बल्कि समय, साधना, लोकआस्था, इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का जीवंत केंद्र है। इस मंदिर के प्रांगण में प्रवेश करते ही एक ऐसा अनुभव होता है मानो अनेक शताब्दियों की आराधना आज भी वातावरण में स्पंदित हो रही हों। मंदिर की घंटियों की ध्वनि, शिवलिंग पर निरंतर चढ़ता जल, धूप की सुगंध, प्राचीन वृक्षों की छाया और भक्तों की मौन प्रार्थनाएं इस स्थल को एक अद्वितीय दिव्यता प्रदान करती हैं। धोपेश्वर नाथ केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि बरेली की आत्मा में बसने वाला वह आध्यात्मिक केंद्र है, जहां पीढ़ियां अपनी आशा, आस्था और भावनाएं समर्पित करती रही हैं।

डॉ.तनु जैन
सीईओ, बरेली छावनी

मंदिर से जुड़ी कथा

धोपेश्वर नाथ मंदिर से जुड़ी एक अत्यंत भावनात्मक कथा केदार नाथ टंडन की भी है, जो आज भी भक्तों में श्रद्धा से सुनाई जाती है। वे एक साधारण मुनीम थे, जो प्रतिदिन मंदिर आकर भगवान शिव के समक्ष अपनी जीवन की कठिनाइयां रखते थे। एक दिन एक संत ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनकी भक्ति शीघ्र ही उन्हें सामान्य जीवन से उठाकर समृद्धि के उच्च स्तर पर ले जाएगी। कुछ समय बाद उन्हें असम जाकर व्यापार प्रारंभ करने का अवसर मिला। वहां वे अत्यंत सफल हुए, किंतु समृद्धि के बीच भी उनका मन धोपेश्वर नाथ से जुड़ा रहा। वे प्रत्येक श्रावण मास में बरेली आकर दर्शन करते, दान देते, भंडारा कराते और अंततः असम में भी धोपेश्वर नाथ नाम से शिवलिंग स्थापित कर मंदिर बनवाया। यह कथा आज भी इस मंदिर को "जीवन बदलने वाली कृपा" के रूप में प्रतिष्ठित करती है।

धोपेश्वर नाथ मंदिर

ऐतिहासिक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगम

पांचाल भूभाग का हिस्सा

स्थानीय परंपराओं और जनश्रुतियों के अनुसार इस मंदिर की पौराणिक जड़ें प्राचीन पांचाल राज्य से जुड़ी मानी जाती हैं। यह संपूर्ण क्षेत्र महाभारत कालीन पांचाल भूभाग का हिस्सा माना जाता है, जहां राजा द्रुपद का राज्य था और जहां से उनकी पुत्री द्रौपदी का गौरवशाली इतिहास जुड़ता है। लोकमान्यता है कि अपने जीवन के संघर्षपूर्ण समय में द्रौपदी ने इस क्षेत्र में स्थित शिवस्थलों पर भगवान शिव की उपासना की थी और धोपेश्वर नाथ में जल, पुष्प और श्रद्धा अर्पित कर अपने जीवन के लिए शक्ति, संरक्षण और न्याय की प्रार्थना की थी। यह कथा केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, धैर्य और आंतरिक सामर्थ्य का प्रतीक भी बन चुकी है। आज भी अनेक महिलाएं यहां आकर यह अनुभव करती हैं कि द्रौपदी की भांति यहां की प्रार्थना जीवन को संबल देती है। धोपेश्वर नाथ इस दृष्टि से वह स्थल बन जाता है, जहां शिव केवल देवता नहीं, बल्कि पीड़ा को सुनने वाले करुणामय साक्षी बन जाते हैं।

नाथ परंपरा

मंदिर की प्राचीनता को स्थानीय स्तर पर प्राप्त कुछ पुरातात्विक संकेत भी पुष्ट करते हैं। मंदिर परिसर और उसके आसपास समय-समय पर प्राचीन शिलाखंड, पुरानी मूर्तियों के अवशेष तथा पत्थर पर उत्कीर्ण आकृतियां प्राप्त होने की बातें स्थानीय लोगों द्वारा कही जाती रही हैं। इन अवशेषों की शैली यह संकेत देती है कि यह क्षेत्र संभवतः किसी प्राचीन मंदिर समूह अथवा आध्यात्मिक संरचना का भाग रहा होगा। यद्यपि इस क्षेत्र में व्यापक वैज्ञानिक उत्खनन सीमित है तथापि स्थानीय स्मृतियों में सुरक्षित ये पुरातात्विक चिह्न यह बताते हैं कि धोपेश्वर नाथ की आराधना केवल कुछ पीढ़ियों पुरानी नहीं, बल्कि अनेक कालखंडों को पार करती हुई वर्तमान तक पहुंची है। धोपेश्वर नाथ का महत्व केवल पौराणिक नहीं, बल्कि नाथ परंपरा के कारण भी अत्यंत विशिष्ट है। बरेली क्षेत्र लंबे समय से साधना, योग और तपस्या की भूमि माना जाता रहा है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यहां धूम्र ऋषि जैसे महात्माओं ने तप किया और बाद में उनके शिष्यों ने इस क्षेत्र को साधना-केंद्र के रूप में विकसित किया। जहां आज आर. एन. टैगोर इंटर कॉलेज स्थित है, उस क्षेत्र को भी कभी ऋषियों की तपोभूमि माना जाता है। कहा जाता है कि यहां आश्रम थे, जहां दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा और अनुशासन ग्रहण करने आते थे। साधना और शिक्षा का यह अद्भुत संगम इस क्षेत्र को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाता है।

बाबा हरदेव तालाब

स्थानीय परंपरा में बाबा हरिहर देव का उल्लेख विशेष श्रद्धा से किया जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने अपने गुरु की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यहां एक विशाल आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। विद्यार्थियों के लिए तालाब बनवाया गया, जिसके चारों ओर 108 पीपल के वृक्ष लगाए गए। यह तालाब आज भी बाबा हरदेव तालाब के रूप में स्मृतियों में जीवित है। इसके आसपास आम, अमरूद, कटहल, जामुन, अंजीर, केला आदि के वृक्ष लगाए गए, जिससे यह क्षेत्र प्रकृति और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम बन गया। यह बताता है कि यहां केवल पूजा नहीं होती थी, बल्कि जीवन को संतुलित, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने की व्यवस्था भी थी।

नाथ नगरी कॉरिडोर

वर्तमान समय में धोपेश्वर नाथ मंदिर बरेली के सबसे सक्रिय आध्यात्मिक केंद्रों में से एक है। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां विशाल जनसमूह उमड़ता है। भक्त दूर-दूर से गंगाजल लेकर आते हैं। मंदिर परिसर में "हर हर महादेव" की गूंज, शिव स्तुति, रुद्राभिषेक और भक्ति का प्रवाह वातावरण को अत्यंत दिव्य बना देता है। अनेक परिवार पीढ़ियों से यहां आकर अपने बच्चों को भी इस परंपरा से जोड़ते हैं। हाल के वर्षों में मंदिर का महत्व और अधिक बढ़ा है, क्योंकि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अनेक प्राचीन धार्मिक स्थलों को समग्र विकास से जोड़ने का प्रयास हुआ है। इसी क्रम में बरेली के लिए नाथ नगरी कॉरिडोर की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण बनकर उभरी है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य केवल मंदिर तक पहुंच बनाना नहीं, बल्कि नाथ परंपरा से जुड़े प्रमुख स्थलों, मंदिरों, प्राचीन तालाबों, मार्गों और सांस्कृतिक बिंदुओं को एक समग्र आध्यात्मिक धारा में जोड़ना है। नाथ नगरी कॉरिडोर के अंतर्गत धोपेश्वर नाथ मंदिर का विशेष स्थान माना जा रहा है, क्योंकि यह बरेली की प्राचीन शिव परंपरा का केंद्रीय स्थल है। यदि यह परियोजना पूर्ण रूप से विकसित होती है, तो मंदिर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण, पारंपरिक शैली की प्रकाश व्यवस्था, तीर्थयात्री सुविधाएं, विरासत-उन्मुख मार्ग, सांस्कृतिक सूचना पट्ट और पर्यावरणीय संरक्षण जैसे अनेक कार्य संभव होंगे। इससे बरेली की आध्यात्मिक पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त होगी।

जीवित विश्वास का मंदिर

वर्तमान समय में स्थानीय प्रशासनिक दृष्टि से भी इस क्षेत्र के प्रति संवेदनशीलता बढ़ी है। डॉ. तनु जैन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बरेली छावनी, द्वारा आसपास के सांस्कृतिक और विरासत-संबद्ध स्थलों को गरिमा और स्वच्छता के साथ विकसित करने की दृष्टि इस व्यापक विरासत चेतना से जुड़ती है। यह समझ अत्यंत महत्वपूर्ण है कि किसी मंदिर की पवित्रता केवल उसके गर्भगृह तक सीमित नहीं होती, उसके आसपास का वातावरण, स्वच्छता, हरियाली और सार्वजनिक गरिमा भी उसकी आध्यात्मिक अनुभूति को गहरा करती है। धोपेश्वर नाथ मंदिर आज केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत आस्था और भविष्य की सांस्कृतिक दिशा है। यहां द्रौपदी की मौन प्रार्थना की कल्पना है, ऋषियों की तपस्या है, नाथ संतों की साधना है, साधारण भक्तों की बदली हुई नियति है, प्राचीन मूर्तियों की मौन गवाही है और आधुनिक समय की नई आध्यात्मिक पुनर्स्थापना की संभावना है। जब कोई भक्त शिवलिंग के सामने खड़ा होकर जल अर्पित करता है, तब वह केवल पूजा नहीं करता- वह स्वयं को शताब्दियों पुरानी उस आस्था से जोड़ देता है, जो पीढ़ियों से यहां प्रवाहित हो रही है। यही धोपेश्वर नाथ की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मंदिर केवल पत्थरों का नहीं, बल्कि जीवित विश्वास का मंदिर है।

पौराणिक कथा

श्रीकृष्ण के प्रेम में दीवानी मीराबाई

भारत का राजस्थान प्रांत वीरों की खान कहा जाता है, पर इस भूमि को श्रीकृष्ण के प्रेम में अपना तन-मन और राजमहलों के सुखों को ठोकर मारने वाली मीराबाई ने भी अपनी चरण रज से पवित्र किया है। हिन्दी साहित्य में रसपूर्ण भजनों को जन्म देने का श्रेय मीरा को ही है। साधुओं की संगत और एकतारा बजाते हुए भजन गाना ही उनकी साधना थी। मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई.. गाकर मीरा ने स्वयं को अमर कर लिया। मीरा का जन्म मेड़ता के राव रत्नसिंह के घर 23 मार्च, 1498 को हुआ था। जब मीरा तीन साल की थी, तब उनके पिता का और दस साल की होने पर माता का देहांत हो गया। जब मीरा बहुत छोटी थी, तो एक विवाह के अवसर पर उसने अपनी मां से पूछा कि मेरा पति कौन है? माता ने हंसी में श्रीकृष्ण की प्रतिमा की ओर इशारा कर कहा कि यही तेरे पति हैं। भोली मीरा ने इसे ही सच मानकर श्रीकृष्ण को अपने मन-मंदिर में बैठा लिया।

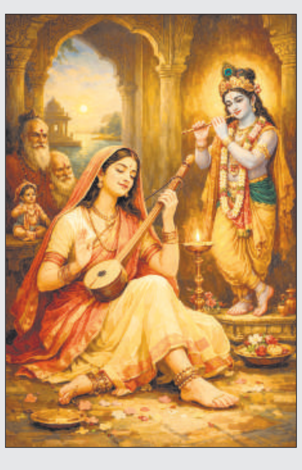

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्य भूषण,बरेली

माता और पिता की छत्रछाया सिर पर से उठ जाने के बाद मीरा अपने दादा राव दूदाजी के पास रहने लगीं। उनकी आयु की बालिकाएं जब खेलती थीं, तब मीरा श्रीकृष्ण की प्रतिमा के सम्मुख बैठी उनसे बात करती रहती थी। कुछ समय बाद उसके दादा जी भी स्वर्गवासी हो गए। अब राव वीरमदेव गद्दी पर बैठे। उन्होंने मीरा का विवाह चित्तौड़ के प्रतापी राजा राणा सांगा के बड़े पुत्र भोजराज से कर दिया। इस प्रकार मीरा ससुराल आ गई, पर अपने साथ वह अपने इष्टदेव श्रीकृष्ण की प्रतिमा लाना नहीं भूली। मीरा की श्रीकृष्ण भक्ति और वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक बीत रहा था। राजा भोज भी प्रसन्न थे, पर दुर्भाग्यवश विवाह के दस साल बाद राजा भोजराज का देहांत हो गया। अब तो मीरा पूरी तरह श्रीकृष्ण को समर्पित हो गईं। उनकी भक्ति की चर्चा सर्वत्र फैल गई। दूर-दूर से लोग उनके दर्शन को आने लगे। पैरों में घुंघरू बांध कर नाचते हुए मीरा प्रायः अपनी सुधबुध खो देती थीं। मीरा की सास, ननद और राणा विक्रमाजीत को यह पसंद नहीं था। राज-परिवार की पुत्रवधू इस प्रकार बेसुध होकर आम लोगों के बीच नाचे और गाए, यह उनकी प्रतिष्ठा के विरुद्ध था। उन्होंने मीरा को समझाने का प्रयास किया, पर वह तो सांसारिक मान-सम्मान से ऊपर उठ चुकी थीं। उनकी गतिविधियों में कोई अंतर नहीं आया। अंततः राणा ने उनके लिए विष का प्याला श्रीकृष्ण का प्रसाद कहकर भेजा। मीरा ने उसे पी लिया, पर सब हैरान रह गए, जब उसका मीरा पर कुछ असर नहीं हुआ। राणा का क्रोध और बढ़ गया। उन्होंने एक काला नाग पिटारी में रखकर मीरा के पास भेजा, पर वह नाग भी फूलों की माला बन गया। अब मीरा समझ गई कि उन्हें मेवाड़ छोड़ देना चाहिए। अतः वह पहले मथुरा-वृंदावन और फिर द्वारका आ गईं। इसके बाद चित्तौड़ पर अनेक विपत्तियां आईं। राणा के हाथ से राजपाट निकल गया और युद्ध में उनकी मृत्यु हो गई।

यह देखकर मेवाड़ के लोग उन्हें वापस लाने के लिए द्वारका गए। मीरा आना तो नहीं चाहती थी, पर जनता का आग्रह वे टाल नहीं सकीं। वे विदा लेने के लिए रणछोड़ मंदिर में गईं, पर पूजा में वे इतनी तल्लीन हो गईं कि वहीं उनका शरीर छूट गया। इस प्रकार 1573 ई. में द्वारका में ही श्रीकृष्ण की दीवानी मीरा ने अपनी देहलीला समाप्त की।

मां नंदादेवी भक्तों को सपने में देती हैं दर्शन

अल्मोड़ा में स्थित मां नंदा देवी का पावन मंदिर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। यहां स्थापित मां नंदा देवी को शैलपुत्री का रूप माना जाता है। अल्मोड़ा की नंदा देवी चंद वंश राजाओं की कुलदेवी हैं, जो आज भी अपने भक्तों को सपने में दर्शन देती हैं और उनकी मनोकामना पूरी करती हैं। पुजारी तारा दत्त जोशी बताते हैं कि यह मंदिर प्राचीन काल का है और माता की मूर्ति की स्थापना इस प्रांगण में करीब 200 साल पहले की गई थी। इससे पहले नंदा देवी को मल्ला महल में पूजा जाता था। उसके बाद इस प्रांगण में माता की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। तब से लेकर आज तक यहां माता की पूजा-अर्चना की जाती है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में हर महीने हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं के द्वारा यह भी कहा जाता है कि माता ने उन्हें सपने में आकर दर्शन दिए, जिसके बाद वह इस मंदिर तक पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि चंद वंशज राज परिवार मां नंदादेवी को अपनी कुल देवी के रूप में पूजन करते है।

-रमेश जड़ौत, अल्मोड़ा

200 अशर्फियों को गलाकर हुई मंदिर की स्थापना

नंदादेवी मंदिर समिति संयोजक अर्जुन बिष्ट ने बताया कि 1670 में बाज बहादुर चंद बधानगढ़ से नंदादेवी की स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए थे। 1699 में राजा ज्ञानचंद भी बधानकोट से एक स्वर्ण प्रतिमा अल्मोड़ा लाए। 1710 में राजा जगत चंद को बधानकोट विजय के अवसर पर नंदादेवी की प्रतिमा प्राप्त नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने अपने खजाने से 200 अशर्फियों को गलाकर नंदादेवी की प्रतिमा का निर्माण कराया और इन्हें मल्ला महल स्थित नंदादेवी मंदिर में प्रतिष्ठित कराया। जिस परिसर में वर्तमान नंदादेवी मंदिर स्थित है, वहां पर 1690-91 में तत्कालीन नरेश उद्योत चंद ने दो शिव मंदिर उद्योत चंद्रेश्वर और पार्वती चंद्रेश्वर बनाए। अंग्रेजी शासनकाल में 1815 में तत्कालीन कमिश्नर ट्रेल ने उन्हें उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर में रखवा दिया। इसके बाद कमिश्नर ट्रेल उनकी आंखों की रोशनी अचानक काफी कम हो गई। कुछ लोगों की सलाह पर उन्होंने अल्मोड़ा आकर 1816 में नंदादेवी का मंदिर बनवाकर (वर्तमान मंदिर) वहां नंदादेवी की मूर्ति स्थापित कराई। उसके बाद उनके आंखों की रोशनी लौट आई।

मंदिरों में खजुराहो कलाकृति

नंदादेवी मंदिर अल्मोड़ा की मंदिर की निर्माण शैली भी काफी पुरानी है। यहां उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर की स्थापना 17 वीं शताब्दी के अंत में मानी जाती है। उद्योत चंद्रेश्वर मंदिर के ऊपरी हिस्से में एक लकड़ी का छज्जा है। मंदिर में बनी कलाकृति खजुराहो मंदिरों की तर्ज पर है। ये मंदिर संरक्षित श्रेणी में शामिल हैं।

चंद वंशज करते हैं तांत्रिक पूजा

अल्मोड़ा में मां नंदा की पूजा-अर्चना तारा शक्ति के रूप में तांत्रिक विधि से करने की परंपरा है। पहले से ही विशेष तांत्रिक पूजा चंद शासक व उनके परिवार के सदस्य करते आए हैं। वर्तमान में चंद वंशज नैनीताल के पूर्व सांसद स्व. केसी सिंह बाबा का परिवार राजा के रूप में पूजा में बैठते हैं।

बोधकथा

लालच का अंत

एक समय की बात है, एक छोटे से गांव में रामू नाम का किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन उसकी एक बुरी आदत थी-उसे हमेशा और अधिक पाने की लालसा रहती थी, जो उसके पास था, उससे वह कभी संतुष्ट नहीं होता था। एक दिन खेत में काम करते हुए उसे जमीन के अंदर एक चमकती हुई सोने की मूर्ति मिली। रामू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सोचा, "अब तो मेरी किस्मत बदल गई।" वह मूर्ति को घर ले आया और उसे बेचकर बहुत सारा धन कमा लिया। अब उसके पास अच्छे कपड़े, बड़ा घर और ढेर सारी सुविधाएं थीं, लेकिन कुछ ही दिनों में उसका मन फिर असंतुष्ट हो गया। उसने सोचा, "अगर मुझे एक मूर्ति मिल सकती है, तो और भी मिल सकती हैं।" लालच में आकर वह रोज अपने खेत की खुदाई करने लगा। वह खेती पर ध्यान देना भूल गया।

दिन बीतते गए, खेत बर्बाद हो गया, फसल नष्ट हो गई और घर का खर्च भी बढ़ता गया, जो पैसा उसने मूर्ति से कमाया था, वह धीरे-धीरे खत्म होने लगा। अब रामू के पास न खेत बचा, न पैसा। एक दिन वह थककर बैठ गया और सोचने लगा, "मैंने क्या खो दिया?" तभी उसके गांव का एक बुजुर्ग उसके पास आया और बोला, "रामू, प्रकृति ने तुम्हें मेहनत से कमाने का रास्ता दिया था, लेकिन तुमने लालच में आकर उसे छोड़ दिया।" रामू को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने फिर से अपने खेत को संवारना शुरू किया, मेहनत की और धीरे-धीरे उसकी हालत सुधरने लगी। अब उसने तय कर लिया कि वह जो मिलेगा, उसमें संतोष रखेगा और मेहनत से ही आगे बढ़ेगा। कथा से सीख मिलती है कि लालच इंसान को उसके मूल रास्ते से भटका देता है। सच्ची सफलता मेहनत और संतोष में ही छिपी होती है।

मर्यादा, करुणा और आदर्श के शाश्वत प्रतीक श्रीराम

गोस्वामी जी ने लिखा है- विप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार। उल्लेख मिलता है कि इक्ष्वाकु वंशीय, अयोध्या के चक्रवर्ती राजा दशरथ ने चौथेपन में पुत्र-प्राप्ति के लिए पुत्रेष्ठि यज्ञ किया, जिसके फलस्वरूप श्रीहरि के सातवें अवतार के रूप में श्रीरामचंद्र उनको पुत्र-रूप में प्राप्त हुए। एक मां के ममत्व की दृष्टि से रानी कौशल्या ने प्रगट हुए श्रीहरि के विशायकाय रूप को देखकर अनुरोध किया कि आप मेरे गर्भ से जन्म लेकर शिशु-लीला कीजिए। मेरे वात्सल्य-स्नेह की पूर्णता तो आपके बालरूप में ही प्राप्त होगी। इस संदर्भ में कौशल्या सहित अन्य समस्त नारी समाज के लिए भी यह अवसर उसके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सार्थकता प्रदान करने वाला होता है, जब वह मां बनती हैं। तदनंतर श्रीहरि कौशल्या के गोद में नवजात शिशु की भांति चैत्र मास के शुक्ल पक्ष, तिथि नवमी, पुनर्वसु नक्षत्र और कर्क लग्न की शुभ मुहूर्तबेला में जन्म लेते हैं। यही दिन चैत्र नवरात्रि के पवित्र दिवस (नवमी) शक्ति उपासना-आराधना के विराम का भी होता है।

रामकथा में वनवास- प्रसंग को मूलतः संसारी जीवों के अनेक उतार-चढ़ाव, उथल-पुथल और झंझावातों के बीच से संतुलन बनाकर निकलने के सांकेतिक निष्कर्ष के रूप में ही ग्रहण करना चाहिए, जिसे प्रभु राम भरपूर, सानंद जीते हैं तथा 14 वर्ष के दीर्घ अंतराल तक तापस-वेष में जंगल-जंगल घूमने वाले श्रीराम स्वयं में इस यथार्थ के प्रतीक हैं कि अपने-अपने हिस्से का वनवास तो सबको स्वयं ही काटना पड़ेगा। अपने हालात पर किसी को दोष न देना और सत्साहस से उसका मुकाबला करते हुए परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर लेने का सबक उन्हीं से सीखना चाहिए। कंटकाकीर्ण पथ पर आम और खास सब एक समान हैं। अपने कर्म व प्रारब्ध की गति पर पर सभी को तैयार रहना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

रामजी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण व ग्रहणीय पक्ष यही है कि आप जीवन को दीन-दुखियों, जरूरतमंदों और हाशिये पर जी रहे लाखों लोगों के लिए प्रेरक कैसे बन सकते हैं। उनको मुख्यधारा में लाकर सम्मानित जीवन का उजाला कैसे प्रदान कर सकते हैं। श्रीराम ने चौदह वर्ष के जंगल-प्रवास को इसी संकल्प के साथ जिया। चाहे वह केवटराज को अपने स्नेह से अत्यंत प्रिय बना लेना हो, चाहे जनम-जनम से हरिदर्शन की भूखी एकनिष्ठ स्नेही-शबरी की कुटिया में जाकर उनके जूठे बैर खाना हो या वानर जाति, जो एक से दूसरी शाखा पर उछलकूद करके जीवन गुजार देते हैं, उनसे मैत्री कर भार्या सीता की खोज व प्राप्ति का पूरा श्रेय उन्हें देने का हो। श्रीराम की यह भिन्न-भिन्न गुण, धर्म, जाति व संस्कृति के साथ सर्वग्राहकता अद्भुत और अनूठी है। राजा न होते हुए भी उन्होंने सबको एक मंच पर अन्याय के विरुद्ध एकत्र कर लिया। लंकाधिपति को अयोध्या या अन्य राजाओं की सैन्य मदद से भी परास्त किया जा सकता था, परंतु राम जी ने ऐसा नहीं किया। कारण स्पष्ट है उन्होंने बिखरी हुई जनशक्ति को सही दिशा दी। महाबली के घमंड को माटी में मिलाना गुणनिधान के उसी चिंतन का प्रतिफल है। राम रथविहीन हैं, वानरों की सेना के सहारे, तापस वेषधारी हैं, सैन्य साजोसामान से वंचित हैं, किंतु स्त्री-अस्मिता की लड़ाई के लिए जो साहस और इरादे की जरूरत होती है, उनमें भरी हुई है। संपूर्ण रामकथा को पढ़ाते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि वे अंतिम समय तक युद्ध को टालते के विकल्पों पर विचार विमर्श करते रहे। आज पूरी दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है, चंद सिरफिरों के अहंकार और वर्चस्व की आग में खाड़ी के कई देश जल रहे हैं। ऐसे में राम का चरित्र, राम का आचरण और उनकी महानता से अहंकारी और लालची देशों को सबक लेना चाहिए कि उन्होंने जो अपनी ताकत इकट्ठा कर रखी है, वह दूसरे को भयभीत करने में नहीं, परस्पर सहयोग वह सामंजस्य में ही उसका सदुपयोग करें। हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम राजाओं-महाराजाओं के ऐश्वर्यवादी जीवन से दूर केवल एक पत्नीव्रती हैं। पत्नी को सुरक्षित कैद से मुक्ति दिलाने हेतु रावण के एक लाख पूत सवा लाख नाती, ता रावन घर दिया न बाती की कहावत को उन्होंने चरितार्थ किया। सत्य की इसी स्थापना की पूर्ति के लिए ही तो उनका अवतार हुआ था। वे तभी तो जन-जन के प्रिय और आदर्श बन गए। जानकी के कंठाभूषण और प्रजापालक ऐसे कि प्रजा के सवाल खड़ा करने पर बिना देर किए उसी प्राणबल्लभा जानकी को त्यागने मे तत्पर हो गए। यह किसी और राजा-महाराजा के वश की बात नहीं, प्रजा को प्राणों की तरह मानने वाले प्रभु राम प्राण-प्यारी माता सीता को भी निर्वासन देने में नहीं हिचके। वस्तुतः आज के समय में जो अपनी प्रजा (जनमानस) की आर्त-पुकार अनसुना कर दे, उसे श्रीराम को हृदयंगम करना चाहिए।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

बरेली मंडी

आंध्र में स्टील के इस्पात संयंत्र का शिलान्यास

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को अनकापल्ली जिले के नक्कापल्ली मंडल में आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस) के 1.36 लाख करोड़ रुपये के इस्पात संयंत्र की आधारशिला रखी। सरकार के अनुसार, 1.78 करोड़ टन सालाना क्षमता वाला यह संयंत्र 5,465 एकड़ में दो चरणों में स्थापित किया जाएगा और इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष करीब एक लाख रोजगार पैदा होंगे। पहले चरण में संयंत्र की क्षमता 73 लाख टन सालाना की होगी, दूसरे चरण में इसे बढ़ाकर 1.5 करोड़ टन किया जाएगा।

स्वतंत्र निदेशक बिना सबूत आक्षेप न लगाएं

मुंबई। एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे के कुछ दिन बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्र निदेशकों से अपेक्षा की जाती है कि वे जिम्मेदारी से काम करें और बिना ठोस सबूत के कोई आक्षेप न लगाएं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब चक्रवर्ती ने नैतिकता और मूल्यों से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन के पद से इस्तीफा दे दिया था।

वेदांता की याचिका पर सुनवाई कल तक टली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को वेदांता समूह को आदेश दिया कि वह जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी देने वाले एनसीएलटी के आदेश को चुनौती देने वाली अपीलों में अदाणी समूह को भी पक्षकार बनाए। दो सदस्यीय पीठ ने वेदांता समूह को निर्देश दिया कि वह सफल समाधान आवेदक अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिन के अंत तक याचिका की प्रति उपलब्ध कराए।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुका है ईरान युद्ध: आईईए

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख बिरोल ने कहा- कोई देश इसके प्रभाव से नहीं बचेगा अछूता

वेलिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने सोमवार को कहा कि ईरान युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने बहुत बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में नेशनल प्रेस क्लब को संबोधित करते हुए कहा, अगर यह संकट यूं ही आगे बढ़ता रहा तो कोई भी देश इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहेगा।

बिरोल ने कहा कि पश्चिम एशिया का यह संकट 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी अधिक गंभीर असर डाल रहा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब तेहरान पर सोमवार तड़के इजराइल ने हमलों की बौछार शुरू की। इस बीच, एक वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य कमांडर ने ईरान के लोगों से फिलहाल शरणस्थलों में रहने को कहा है जबकि ईरान ने अपने खाड़ी पड़ोसी देशों पर हमले तेज कर दिए हैं और उनके बिजली संयंत्रों को निशाना बनाने की धमकी दी है। बिरोल ने बताया कि इस पूरे क्षेत्र में नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूरोप और एशिया की सरकारों के साथ तेल भंडार को मुहैया करने की संभावना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बाजार की स्थिति पर नजर रखेंगे। अगर आवश्यकता पड़ी, तो हम निश्चित रूप से कदम उठाएंगे, लेकिन पहले हम हालात का विश्लेषण करेंगे और सदस्य देशों के साथ चर्चा करेंगे।

नौ देशों के 40 ऊर्जा प्रतिष्ठान गंभीर या बेहद गंभीर रूप से हो चुके हैं क्षतिग्रस्त

महाराष्ट्र: रेस्तरांओं को पीएनजी आपूर्ति बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने रविवार को कहा कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ने के साथ यह आपूर्ति 50 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय ध्वज वाले दो और जहाज होर्मुज पार करके भारत हुए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाले दो और एलपीजी टैंकर फारस की खाड़ी से निकलकर युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। जहाज निगरानी से जुड़े आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत सोमवार दोपहर को ईरान के लारक और क्वेशम द्वीपों के बीच के जलक्षेत्र के पास थे। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय झंडे वाले जहाज में शामिल हैं जो पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से फारस की खाड़ी में फंस गए थे। जहाज ट्रैकिंग आंकड़ों से पता चला है कि ये दोनों जहाजों ने सोमवार को जलडमरूमध्य को पार कर लिया और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। इससे पहले, लगभग 92,712 टन एलपीजी ला रहे एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी सुरक्षित रूप से भारतीय तट पर पहुंच चुके हैं। यह देश की लगभग एक दिन की खाना पकाने की गैस की खपत के बराबर है।

युद्ध क्षेत्र में अब भारतीय ध्वज वाले 24 जहाज इन पर 611 नाविक

युद्ध क्षेत्र में बचे हुए 24 भारतीय ध्वज वाले जहाजों में से 22 जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में हैं, जिनमें 611 नाविक सवार हैं, जबकि दो पूर्वी भाग में हैं। पश्चिमी भाग में बचे हुए 22 भारतीय ध्वज वाले जहाजों में से छह एलपीजी वाहक हैं। इनमें से दो भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। बाकी बचे जहाजों में से एक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है, चार कच्चे तेल के टैंकर हैं, एक रासायनिक उत्पादों का परिवहन कर रहा है, तीन कंटेनर जहाज हैं और दो बल्क यानी थोक सामान की ढुलाई करने वाले हैं। इसके अतिरिक्त, एक ड्रेजर है, एक खाली है और तीन नियमित रखरखाव के लिए बंदरगाह पर हैं।

14 की जगह 10 किलो गैस देने की रिपोर्ट कोरी अफवाह

नई दिल्ली। सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर में 14 किलो के बजाय 10 किलो गैस देने की रिपोर्टों को कोरी अफवाह करार देते हुए कहा है कि ये केवल अटकलबाजियों पर आधारित हैं और सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है। सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर की कमी से परेशान प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में कदम उठाते हुए कहा है कि उन्हें अब राज्यों के जरिये पांच किलो के सिलेंडर की आपूर्ति की जाएगी। पिछले तीन सप्ताह में करीब साढ़े तीन लाख नए वाणिज्यिक और घरेलू पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। अब तक एलपीजी के एक लाख 90 हजार उपभोक्ताओं ने पीएनजी ली है। देश में एलपीजी की कुल मांग के 50 से 60 प्रतिशत की आपूर्ति घरेलू उत्पादन से की जा रही है। पिछले कुछ दिनों में 33 हजार जगहों पर छापे मारे गये हैं और करीब 150 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

खरीफ सत्र से पहले देश में बाधित हो सकती है उर्वरक की आपूर्ति

- गैस संकट से प्रभावित यूरिया उत्पादकों ने सरकार से मांगी वित्तीय राहत

नई दिल्ली। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) ने चेतावनी दी है कि उत्पादन में कमी और पैकेजिंग सामग्री की अलग से कमी के कारण महत्वपूर्ण खरीफ सत्र से पहले उर्वरक आपूर्ति बाधित हो सकती है। इसके साथ, एफएआई ने सरकार से गैस आपूर्ति में व्यवधान से प्रभावित यूरिया उत्पादकों को वित्तीय राहत प्रदान करने का आग्रह किया है। सरकार को लिखे पत्र में एफएआई ने मौजूदा भूराजनीतिक संकट से उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों का हवाला देते हुए सीमित गैस आपूर्ति के तहत संचालित संयंत्रों के लिए ऊर्जा लागत प्रतिपूर्ति और जुर्माने में छूट की मांग की है।

शेयर बाजार में निवेशकों के एक ही दिन डूबे 14.23 लाख करोड़

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को भारी गिरावट के कारण निवेशकों को एक ही दिन में 14.23 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा। बीएसई के अनुसार, सोमवार की गिरावट से कुल बाजार पूंजीकरण 14,23,396 करोड़ रुपये घटकर 4,14,52,902 करोड़ रुपये रह गया जो पिछले साल 15 अप्रैल के बाद का निचला स्तर है।

पिछले कारोबारी दिवस पर 20 मार्च को कुल बाजार पूंजीकरण 4,28,76,298 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजारों में सोमवार को प्रमुख सूचकांक निफ्टी-50 और सेंसेक्स ढाई प्रतिशत के करीब टूट गये। सेंसेक्स 21 महीने और निफ्टी-50 ग्यारह महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर बंद हुआ। खास बात यह रही कि बिकवाली का दबाव चौतरफा रहा जिससे 10 प्रतिशत कंपनियां ही गिरावट से अछूती रहीं। शेयर बाजार में शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,78,499 करोड़ रुपये घटकर 87,29,171 करोड़ रुपये रहा गया।

युद्ध शुरू होने के बाद से निवेशकों की 48.29 लाख करोड़ रुपये घटी संपत्ति

पश्चिम एशिया युद्ध के 28 फरवरी को शुरू होने के बाद से बीएसई सेंसेक्स 8,590.8 अंक यानी 10.56 प्रतिशत गिरा, जबकि एनएसई का निफ्टी 2,666 अंक या 10.58 प्रतिशत नीचे आया। युद्ध शुरू होने के बाद से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 48.29 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज हुई और यह 415 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है।

रिजर्व बैंक ने जनवरी में शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर खरीदे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने जनवरी में हाजिर मुद्रा बाजार से शुद्ध रूप से 2.53 अरब डॉलर की खरीदारी की। केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर की यह खरीद लगातार सात महीनों की शुद्ध डॉलर बिक्री के बाद की है। रिजर्व बैंक के सोमवार को जारी मासिक बुलेटिन के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने ने पिछली बार मई 2025 में हाजिर मुद्रा बाजार से 1.76 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद की थी। इससे पहले दिसंबर में 10.02 अरब, नवंबर में 9.71 अरब, अक्टूबर में 11.88 अरब, सितंबर में 7.91 अरब, अगस्त में 7.69 अरब, जुलाई में 2.54 अरब, और जून में 3.66 अरब अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री की। सकल आधार पर केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 27.99 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद और 25.473 अरब अमेरिकी डॉलर की बिक्री की।

गिरावट: सोना 9,050 रुपये टूटा, चांदी 10,500

नई दिल्ली। कमजोर घरेलू मांग और सुस्त वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 9,050 रुपये टूटकर 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि चांदी 10,500 रुपये की गिरावट के साथ 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के 1,52,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 9,050 रुपये या लगभग छह प्रतिशत टूटकर सभी करों सहित 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। चांदी भी 10,500 रुपये या 4.36 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ सभी करों सहित 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

सेबी ने आईपीओ खुलासे के नियमों को बनाया सरल

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के दस्तावेजों को सरल और मानकीकृत बनाने के लिए, 'संक्षिप्त विवरण पुस्तिका का मसौदा' पेश किया है। इस कदम का उद्देश्य निर्गम संबंधी जानकारियों को निवेशकों के लिए अधिक सुलभ और समझने में आसान बनाना है।

अब सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों को अपने विस्तृत प्रस्ताव दस्तावेजों के साथ इस संक्षिप्त विवरण पुस्तिका को भी जमा करना अनिवार्य होगा। नियामक ने कहा कि इस दस्तावेज में कंपनी के कारोबारी मॉडल, वित्तीय विवरण, प्रवर्तकों, जोखिम कारकों और मुख्य प्रदर्शन संकेतकों जैसी महत्वपूर्ण जानकारी अत्यंत सरल प्रारूप में प्रस्तुत की जाएगी। सेबी द्वारा 16 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस संक्षिप्त

- निवेशकों की सहूलियत के लिए पेश किया संक्षिप्त विवरण पुस्तिका का मसौदा

मसौदे को निर्गम जारी करने वाली कंपनी, नियामक, उन शेयर बाजारों जहां प्रतिभूतियां सूचीबद्ध होनी हैं, और निर्गम से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

नियामक ने यह भी निर्देश दिया है कि कंपनियां आवेदन पत्रों और विज्ञापनों में 'क्यूआर कोड' और लिंक उपलब्ध कराएं, ताकि निवेशक विवरण पुस्तिका और मूल्य सीमा की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें। सूचनाओं की स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए, सेबी ने शब्द सीमा भी तय की है। कंपनी के प्राथमिक व्यवसाय का सारांश 500 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। उद्योग के अवलोकन के लिए 250 शब्द और प्रत्येक प्रवर्तक की पृष्ठभूमि व योग्यता के ब्योरे के लिए अधिकतम 100 शब्द तय किए गए हैं।

सीएनजी में 20% सीबीजी मिश्रण करने का सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार को सुझाव दिया है कि वह सीएनजी में सीबीजी के 20% तक मिश्रण को अपनाए। यह गैस चालित वाहनों को कॉर्बन निरपेक्षता के करीब ला सकता है। आईबीए ने कहा, ईवी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, लेकिन समग्र वाहन बेड़े में ईवी की पहुंच सीमित है। यह सीएनजी को स्वच्छ ईंधन के रूप में सबसे अच्छा विकल्प बनाता है क्योंकि इसमें नगण्य कण उत्सर्जन और एनओएक्स का स्तर कम है।

एफडीआई में 2% से ज्यादा होगी चीन की हिस्सेदारी

मुंबई, एजेंसी

सरकार की ओर से 'प्रेस नोट 3' में किए गए संशोधनों से भारत में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर फिर से दो प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। प्रेस नोट 3 लागू होने से पहले यह इसी स्तर पर था।

क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में कहा गया है कि नियमों में बदलाव से कुल एफडीआई में चीनी निवेश का हिस्सा दो प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार,

- क्रिसिल का केंद्र की ओर से प्रेस नोट 3 में बदलाव के बाद दावा

वर्ष 2014 से 2019 के बीच हांगकांग सहित चीन से होने वाला कुल एफडीआई प्रवाह भारत के कुल निवेश का लगभग दो प्रतिशत था। हालांकि, प्रेस नोट 3 के नए नियम लागू होने के बाद यह घटकर मात्र 0.27 प्रतिशत रह गया था। रिपोर्ट के अनुसार, नियमों में ढील दिए जाने से लंबित प्रस्तावों का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। इससे अल्पावधि में चीन और हांगकांग से निवेश में तेजी आ सकती है।

सरकार के इस कदम से भारत में एफडीआई प्रवाह तेज होने, घरेलू क्षमताओं के मजबूत होने और आयात पर निर्भरता कम होने की संभावना है। सरकार ने अप्रैल, 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए ये नियम लागू किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों और पॉलीसिलिकॉन जैसे क्षेत्रों के लिए मंजूरी की समयसीमा 60 दिन तय किए जाने से भारतीय और चीनी फर्म के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रेस नोट 3 के तहत 75,691 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनमें से केवल 13,625 करोड़ रुपये को ही मंजूरी मिली थी।

कोयला कारोबार में मुनाफाखोरी पर रोक लगाएं राज्य: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे पश्चिम एशिया संकट के कारण छोटे कोयला खुदरा विक्रेताओं को मुनाफाखोरी करने से रोकें, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा व्यवधानों से घरेलू ईंधन बाजार पर असर पड़ने का खतरा है।

कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा, हमारे सचिव (कोयला) ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से बात की है। मैंने कल मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। कोयले की कोई कमी नहीं है और घरेलू कोयले की कीमतों में वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। मंत्री ने कहा कि अगर कोयले की कीमतें बढ़ती हैं तो कार्रवाई करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हमने राज्यों से कोयले की कीमतों पर नजर रखने और खुदरा विक्रेताओं को मौजूदा संकट से लाभ नहीं उठाने देने को कहा है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोयले की कीमतें नहीं बढ़नी चाहिए।

निर्यात पर घरेलू कर, शुल्क छूट की पुरानी दरें बहाल

नई दिल्ली। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों के बीच निर्यातकों की मदद के लिए निर्यात माल को शुल्कों और करों से छूट देने की योजना आरओडीटीईपी के अंतर्गत पुरानी दरों को तत्काल प्रभाव से बहाल करने का निर्णय किया है। इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

इस फैसले से शुल्क और करों में छूट की गत 22 फरवरी तक लागू दरें और मूल्य सीमा पुनः प्रभावी हो गयी हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों के

पश्चिम एशिया संकट

कारण समुद्री लॉजिस्टिक्स में चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं, जिनमें मार्ग और पारगमन पैटर्न में परिवर्तन शामिल हैं। इनका प्रभाव इस क्षेत्र में या इसके माध्यम से जाने वाले निर्यात माल के लिए लॉजिस्टिक्स लागत और जहाज से माल भेजने के कार्यक्रम पर पड़ा है।

मानक बॉन्ड प्रतिफल 14 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय मानक बॉन्ड प्रतिफल सोमवार को 14 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोमवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल 6.8173 प्रतिशत रहा जबकि शुक्रवार को यह 6.737 प्रतिशत पर बंद हुआ था।

कच्चे तेल की महंगाई

बाजार भागीदारों से संकलित आंकड़ों के अनुसार यह 14 जनवरी 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। एरीटे कैपिटल (चॉइस समूह) में उपाध्यक्ष मातप्रसाद पांडे ने कहा, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर बैरल से ऊपर जाने के बाद बॉन्ड प्रतिफल बढ़ रहा है। जनवरी-फरवरी में सरकारी बॉन्ड के शुद्ध खरीदार रहे विदेशी संस्थागत निवेशक मार्च में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बढ़ती चुनौती

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट लगातार जारी है। ताजा घटनाक्रम में रुपये ने 94 का स्तर छुआ है जो उसका ऐतिहासिक निचला स्तर है और इसने आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कड़ी चुनौती का संकेत दे दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये में 2 से 3% तक की वार्षिक गिरावट को सामान्य माना जा सकता है लेकिन यदि यह गिरावट 95 के पार तक पहुंची तो यह महंगाई को बढ़ाने के साथ जीडीपी की विकास दर को 0.2% से 0.4% तक कम कर सकती है। इसका दीर्घकालिक परिणाम सामने आएगा।

रुपये की गिरावट

बड़ी चुनौतियां

- अमेरिका में ब्याज दरें ऊंची रखी तो निवेशक भारत जैसे बाजारों से पैसा निकालेंगे जिससे रुपया और गिरेगा।
- व्यापार घाटा भी चुनौती, निर्यात से ज्यादा आयात विशेषकर रक्षा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक का बढ़ने से डॉलर मांग में रहेगा।

ये उम्मीद भी: बढ़ेगा निर्यात, कई सेक्टरों को लाभ

- रुपया कमजोर होने से भारतीय उत्पाद विदेशी बाजारों में सस्ते हो जाते हैं। इससे आईटी सर्विसेज, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे सेक्टर को फायदा होता है।
- विदेशों में रहने वाले भारतीय जब घर पैसा भेजते हैं तो उन्हें डॉलर के बदले ज्यादा रुपये मिलते हैं और भारत दुनिया में सबसे ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला देश है।

गिरावट के प्रमुख कारण

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पैसा निकालना है। साल की शुरुआत से अब तक एक लाख करोड़ रुपये निकाले गए हैं

आशंका: महंगा आयात, देश में महंगाई

- भारत जरूरत का 80% कच्चा तेल आयात करता है जो रुपया गिरने से महंगा होगा। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से महंगाई बढ़ेगी।
- आयात के लिए ज्यादा डॉलर चुकाने पड़ेंगे और इससे देश का व्यापार घाटा बढ़ेगा जो अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए अच्छा नहीं है।
- विदेशी शिक्षा और यात्रा महंगी होगी, जो छात्र बाहर पढ़ने जा रहे हैं या जो लोग विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं, उनका खर्च बढ़ेगा।
- जिन भारतीय कंपनियों ने डॉलर में विदेशी कर्ज लिया है, उन्हें ब्याज और मूलधन चुकाने के लिए पहले से ज्यादा रुपये खर्च करने होंगे।

विशेषज्ञों का अनुमान

- ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि रुपया अल्पकालिक दबाव में रह सकता है लेकिन भारत के मजबूत आर्थिक आधार इसे बहुत ज्यादा क्रैश नहीं होने देंगे।
- कहा जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में रुपया 94.50 से 95 के स्तर को छू सकता है, खासकर अगर वैश्विक तनाव या कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं।
- कई विश्लेषकों का दीर्घकालिक तौर पर अनुमान है कि 2026 के अंत तक रुपया डॉलर के मुकाबले 92 से 93 के दायरे में स्थिर होने की कोशिश करेगा।

रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में 79,256 करोड़ रुपये डाले

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में एकदिवसीय 'वैरिएबल रेट रेपो' (वीआरआर) नीलामी के जरिये सोमवार को 79,256 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली। केंद्रीय बैंक की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की 'कट-ऑफ' और भारित औसत दर पर डाली गई। यह राशि एक लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही। अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है।

शराब ठेकों के लिए निविदा न निकालने से 890 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) की सोमवार को सदन में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब के ठेकों की दोबारा निविदा निकालने में विफल रहने के कारण सरकार को 890 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

इसके अलावा, आबकारी नीति 2021-22 के तहत लाइसेंस शुल्क में छूट देने के कारण 144 करोड़ रुपये का और नुकसान हुआ। आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान तैयार और लागू की गई आबकारी नीति से संबंधित

रिपोर्ट पेश करते हुए, पीएसी के चेयरमैन और भाजपा विधायक अजय महावर ने कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह से महालेखा परीक्षक (कैग) के निष्कर्षों और आबकारी विभाग

- दिल्ली विधानसभा की पीएसी की रिपोर्ट लाइसेंस में छूट से भी 144 करोड़ डूबे

द्वारा की गई कार्रवाई पर आधारित है, ताकि किसी भी जांच और कानूनी मामलों पर इसका कोई प्रभाव न पड़े।

दिल्ली में शराब के नियमन और आपूर्ति पर कैग की रिपोर्ट 25 फरवरी, 2022 को दिल्ली विधानसभा के समक्ष रखी गई थी। सदन ने कैग रिपोर्ट को आगे की समीक्षा के लिए पीएसी को भेज दिया।

चिंता — रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के ताजा बुलेटिन में दिया गया सुझाव, आर्थिक स्थिरीकरण कोष बनाने की सलाह

पश्चिम एशिया संकट से निपटने को सक्रिय कदम उठाए भारत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि भारत को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर करीब से नजर रखनी होगी, साथ ही उसके प्रभाव को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाने होंगे, क्योंकि देश कच्चे तेल पर काफी निर्भर है। केंद्रीय बैंक ने देश में पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद होने का जिक्र करते हुए कहा है कि एक आर्थिक स्थिरीकरण कोष

बनाने से देश को वैश्विक दबाव के समय वित्तीय सुरक्षा और राहत मिलेगी।

केंद्रीय बैंक के मार्च में बुलेटिन में प्रकाशित लेख के अनुसार, पश्चिम एशिया में युद्ध और अमेरिका

आंकड़े दे रहे आर्थिक गतिविधियों में तेजी के संकेत

बुलेटिन में कहा गया है, अर्थव्यवस्था की स्थिति का संकेतक देने वाले आंकड़े फरवरी में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने का संकेत दे रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई फरवरी में खाद्य और पेय पदार्थों की कीमतों के कारण बढ़ी। प्रणाली में नकदी की स्थिति संतोषजनक रही और वाणिज्यिक क्षेत्र को मिलने वाले कुल वित्तीय संसाधनों में वृद्धि हुई, जिसमें बैंक और गैरबैंक दोनों स्रोतों से वित्तपोषण बढ़ा।

की नई व्यापार जांच ने वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है। इस अस्थिरता ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, अमेरिकी आयात शुल्क और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अनिश्चितता बढ़ा दी है। कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था समय के साथ मजबूत हुई है और इसमें बाहरी झटकों को सहन करने की क्षमता बढ़ी है, जो इसके मजबूत विकास, स्वस्थ वृहद आर्थिक स्थिति और बाहरी सुरक्षा कोष से समर्थित है। इसके साथ लेख में चेतावनी दी गई कि लंबा युद्ध और उच्च अनिश्चितता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक हो सकती है। कहा गया कि ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारत ने कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता लाकर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाई है। कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं ताकि वैश्विक ईंधन आपूर्ति में बाधा का तत्काल असर कम किया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

मिसाइल का मलबे से एक भारतीय घायल

दुबई। अबूधाबी के अल शवामेख इलाके में हवा में मार गिराई गई मिसाइल का मलबा गिरने से एक भारतीय नागरिक मामूली रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि हवाई रक्षा प्रणाली ने आती हुई मिसाइल पर हमला किया, जिसके बाद आपात टीमों ने कदम उठाया। इसके बाद मिसाइल का मलबा रिहाइशी इलाके पर गिर गया। अबूधाबी के मीडिया कार्यालय ने एक्स पर कहा कि हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा एक बैलिस्टिक मिसाइल को सफलतापूर्वक मार गिराए जाने के बाद उसका मलबा अल शवामेख क्षेत्र में गिर गया। इस घटना में एक भारतीय नागरिक को मामूली चोट आई।

पांच पूर्व सैनिकों को वेटरन अचीवर्स अवार्ड

नई दिल्ली। थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपनी भोपाल यात्रा के दौरान पांच प्रतिष्ठित पूर्व सैनिकों को 'वेटरन अचीवर्स अवार्ड' से सम्मानित किया। पुरस्कार विजेताओं, ब्रिगेडियर अवधेंद्र प्रताप सिंह (सेवानिवृत्त), कर्नल एमके तिवारी (सेवानिवृत्त), मानद सूबेदार मेजर डीके सेन (सेवानिवृत्त), नायब सूबेदार जीएस मेहता (सेवानिवृत्त) और नायक एलएस राठौड़ (सेवानिवृत्त) को विभिन्न क्षेत्रों में उनके निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

हवाई में 2,000 लोग बिजली से वंचित

होनोलूलू। हवाई द्वीप पर भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ के कारण रविवार अपराह्न तक 2,000 से अधिक लोग बिजली आपूर्ति से वंचित रहे। यह बाढ़ 20 से अधिक वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, एक सप्ताह पहले आए शीतकालीन तूफान की बारिश से पहले से ही अत्यधिक गीली मिट्टी पर भारी वर्षा हुई जिससे उफनता पानी घरों और कई कारों को बहा ले गया।

नेपाल के बाझंग में 4.1 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में सोमवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसकी तीव्रता 4.1 मापी गयी। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सोमवार को दोपहर बाद 1:14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बाझंग के रायल क्षेत्र के पास स्थित था। बाझंग के पड़ोसी जिले बाजुरा और बैताडी समेत पड़ोसी जिलों में भी झटका लगा।

फारस की खाड़ी में बारूदी सुरंगें बिछाने की ईरान ने दी धमकी

तेहरान, एजेंसी

- तटवर्ती इलाकों अथवा द्वीपों पर हमलों को लेकर चेतावा

ईरान ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके तटवर्ती इलाकों या द्वीपों पर हमला होता है तो वह फारस की खाड़ी में महत्वपूर्ण संचार मार्गों में बारूदी सुरंगें बिछा देगा। ईरान की राष्ट्रीय रक्षा परिषद ने कहा कि उसके क्षेत्र को निशाना बनाने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप फारस की खाड़ी में सभी संचार लाइनों में बारूदी सुरंगें बिछा दी जाएंगी।

उसने यह भी कहा कि जहाज केवल तेहरान के समन्वय से ही होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर सकेंगे। बयान में कहा गया कि दुश्मन द्वारा ईरानी तटों या द्वीपों पर हमला करने के किसी प्रयास के बाद स्वाभाविक रूप से और सामान्य सैन्य अभ्यास के अनुसार फारस की खाड़ी और तटों के सभी पहुंच मार्गों एवं संचार लाइनों को विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदों से भर दिया जाएगा, जिसमें तैरती बारूदें भी शामिल हैं जिन्हें तटों से छोड़ा जा सकता है। ईरान ने कहा, ऐसे में, पूरे फारस की खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय तक होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। इस बार, होर्मुज के साथ पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र व्यावहारिक रूप से अवरुद्ध हो जाएगा और इसकी जिम्मेदारी धमकी देने वाले पक्ष की होगी। इस बीच, अमेरिका कथित तौर पर ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्जा करने योजनाओं पर विचार कर रहा है।

खाड़ी के समुद्र में बारूदी सुरंग

दुनिया आज जिस डिजिटल युग में जी रही है, उसकी असली रीढ़ ज़मीन पर नहीं, बल्कि समुद्र की अतल गहराइयों में बिछी है। वैश्विक इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 95% से अधिक हिस्सा इन्हीं सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल्स के जरिए एक से दूसरे महाद्वीप तक जाता है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर से गुजरने वाली इन केबलों को निशाना बनाने की धमकी दी है। उसने केबिल काटने की चेतावनी दी है। विशेष रूप से गूगल की ब्लू-रमन परियोजना इस समय चर्चा के केंद्र में है। इधर ईरान ने भी अपने तटीय इलाकों और द्वीपों पर हमलों को लेकर फारस की खाड़ी में केबल के ऊपर बारूदी सुरंगें लगाने की चेतावनी दी है। यदि ऐसा हुआ तो दुनिया को डिजिटल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ेगा। वित्तीय आदान-प्रदान पर भी इसका असर पड़ेगा।

डिजिटल ब्लैकआउट का खतरा

उपयोग और महत्व

- समुद्र के रास्ते आ रहीं यह केबल केवल 'यूट्यूब' देखने के लिए नहीं है, बल्कि इसके उपयोग बहुत व्यापक है।
- अत्यधिक डेटा क्षमता : यह केबल 218 टेराबिट्स प्रति सेकंड से अधिक की क्षमता रखती है। यह इतनी गति है कि एक सेकंड में हज़ारों हाई-डेफिनिशन फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं।
- क्लाउड कंप्यूटिंग : गूगल क्लाउड, माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर और अमेज़न एडब्ल्यूएस जैसी सेवाएं इसी केबल पर निर्भर हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियों का डेटा इसी रास्ते से सफर करता है। ● वित्तीय लेनदेन : अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और शेयर बाज़ारों के बीच रीयल-टाइम डेटा ट्रांसफर के लिए ये केबलें अनिवार्य हैं।

केबल कटने का दुनिया पर असर

● डिजिटल ब्लैकआउट : एशिया और यूरोप के बीच इंटरनेट की गति 25% से 40% तक गिर सकती है। ● आर्थिक नुकसान : एक अनुमान के अनुसार, महत्वपूर्ण केबल कटने से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रति घंटे लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है। ● ई-कॉमर्स और बैंकिंग ठप : ऑनलाइन भुगतानसेवा धीमी हो सकती हैं, जिससे व्यापारिक लेनदेन रुक सकते हैं।

दुनिया के पास क्या हैं समाधान

● रूट डायवर्सिफिकेशन : गूगल की 'ब्लू-रमन' केबल परियोजना की तरह नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं जो विवादित क्षेत्रों (जैसे लाल सागर) से दूर हों। ● गहरी केबल बिछाना : केबलों को समुद्र की सतह से बहुत नीचे (8000 मीटर तक) दबाया जा रहा है ताकि जहाजों के लंगर या छोटे विस्फोट उन तक न पहुँच सकें। ● सैटेलाइट इंटरनेट : स्टारलिंक जैसे नेटवर्क को बैकअप के रूप में देखा जा रहा है।

चोक प्वाइंट

● लाल सागर एक ऐसा चोकपॉइंट है जहां दुनिया की प्रमुख केबलें गुजरती हैं। यहाँ किसी भी प्रकार का व्यवधान न केवल इंटरनेट की गति को धीमा करेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, शेयर बाज़ार और बैंकिंग सेवा को पंगु बना सकता है।

भारत के पास क्या हैं विकल्प

● मल्टीपल गेटवे : भारत केवल लाल सागर पर निर्भर नहीं है। भारत के पास सिंगापुर के रास्ते (पूर्व की ओर) जाने वाली केबलें भी हैं, जैसे मिस्ट और लैक्स।

● जियो की पहल : जियो अपनी आईईएक्स (इंडिया-यूरोप एक्सप्रेस) केबल बिछा रहा है, जो यूरोप को सीधे भारत से जोड़ती है और इसमें सुरक्षा के उन्नत उपाय किए गए हैं।

● स्वदेशी लैंडिंग स्टेशन : सरकार मुंबई, चेन्नई के अलावा नए लैंडिंग स्टेशन बना रही है ताकि डेटा ट्रैफिक को बांटा जा सके।

गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से विकसित भारत का लक्ष्य संभव नहीं

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां

- देश में यूएपीए के अत्यधिक इस्तेमाल पर जताई चिंता

नई दिल्ली/बेंगलुरु, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने कहा है कि असहमति को अपराध घोषित करना, आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत अंधाधुंध गिरफ्तारियों और गहरी सामाजिक दरारों के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता है।

रविवार को बेंगलुरु में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यायमूर्ति भुइयां ने उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर अफसोस व्यक्त किया। उन्होंने इसकी तुलना देश भर में जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारियों के पदों पर 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की नियुक्ति से की। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा लेकिन क्या संवैधानिक अदालतों में भी यही प्रणाली लागू हुई है? सवाल यही है। यहीं पर कॉलेजियम प्रणाली की जांच पड़ताल का महत्व सामने आता है। ऐसा क्यों है कि जब मूल्यांकन व्यक्तिपरक हो जाता है, तो महिलाएं उस स्तर तक नहीं पहुंच पातीं? उन्होंने कहा कि 1950 से अब तक उच्चतम न्यायालय के 287 न्यायाधीशों में से कुल मिलाकर केवल 11 महिला न्यायाधीश रही हैं। ऐसा क्यों? फातिमा बीवी से लेकर अब न्यायमूर्ति नागरत्ना तक, यह आंकड़ा लगभग दो प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम के व्यक्तिपरक मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार, बहुत कम लोगों का ही उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में चयन होता है।

गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने 2019 से 2023 तक के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि सही मायने में विकसित राष्ट्र को राजनीतिक नारों के बजाय संवैधानिक मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यूएपीए के तहत कम दोषसिद्धि दर कानून के दुरुपयोग को नहीं तो अत्यधिक उपयोग को दर्शाती है।" यूएपीए के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों के 2019 से 2023 तक के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन दोषसिद्धि दर लगभग पांच प्रतिशत है।

अदालतों में लैंगिग प्रतिनिधित्व में हो समानता

न्यायमूर्ति ने कहा कि अदालतों में महिला जजों की संख्या बेहद अपर्याप्त है, 25 उच्च न्यायालयों में से केवल तीन। उन्होंने कहा कि मेरे शोध से पता चलता है कि जब भी भर्ती प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ होती है, तो न्यायिक क्षेत्र में अधिक महिलाएं प्रवेश करती हैं। जब भारत एक विकसित राष्ट्र (विकसित भारत 2047) बनेगा, तब न्यायपालिका में लैंगिक प्रतिनिधित्व में अधिक समानता होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ऐसा स्थान होना चाहिए, जो वास्तव में देश की विविधता को दर्शाए। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विकसित देशों में बहस और असहमति के लिए अधिक गुंजाइश होनी चाहिए। बहस को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

अधिकांश गिरफ्तारियां तो की गईं पर दोष साबित नहीं किया जा सका

न्यायाधीश ने कहा कि इससे लगातार कम दोषसिद्धि दर दिखती है। इससे क्या संकेत मिलता है? दुरुपयोग नहीं, तो अत्यधिक इस्तेमाल का, और आपराधिक न्याय प्रणाली पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है? इससे अदालतों पर कितना बोझ पड़ता है? इससे पता चलता है कि अधिकांश लोगों को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन उन्हें दोषी साबित नहीं किया जा सका। इससे संकेत मिलता है कि कई गिरफ्तारियां समय से पहले और पर्याप्त सबूतों के अभाव में की गईं। उच्च न्यायपालिका में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों में उनकी संख्या केवल 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि 25 उच्च न्यायालयों में से केवल दो में महिला मुख्य न्यायाधीश हैं- गुजरात और मेघालय। एक महीने में एक और महिला मुख्य न्यायाधीश बन जाएंगी।

शीर्ष कोर्ट के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उसकी इमारत के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न लगाने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रशासनिक स्तर पर विचार किया जाएगा। पीठ ने उच्चतम न्यायालय के महासचिव से कहा कि वे उचित नोट सक्षम प्राधिकारी के सामने पेश करें। पीठ बी. वेणुगोपाल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के नए परिसर का निर्माण हो रहा है, जहां इस तरह की वास्तु पर ध्यान दिया जाएगा।

प्री परीक्षा के बाद यूपीएससी जारी करेगा अस्थायी कुंजी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सिविल सेवा परीक्षा को लेकर सरकार ने दी जानकारी

राज्यसभा में सरकार ने सोमवार को बताया कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने के बाद अपनी वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार कर लिए हैं। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) आदि के लिए अधिकारियों के चयन हेतु प्रतिवर्ष तीन चरणों - प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार - में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न में लिखित उत्तर में उच्च सदन को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुपालन में, यूपीएससी ने प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने के बाद अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अस्थायी उत्तर कुंजी जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार कर लिए हैं। सिंह ने कहा यह प्रक्रिया, जो 2026 की सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा से लागू होगी, यूपीएससी द्वारा आयोजित सभी संरचित परीक्षाओं पर लागू होगी। मंत्री ने कहा, "प्रारंभिक परीक्षा के अंक अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद ही जारी किए जाएंगे।" उन्होंने कहा कि वैकल्पिक विषयों में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए, यूपीएससी अंतर-विषय मॉडरेशन लागू करता है ताकि किसी भी उम्मीदवार को, चाहे उसने कोई भी वैकल्पिक विषय चुना हो।

मुंबई में फेरीवालों, सहायकों की पहचान का होगा सत्यापन

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका और पुलिस को सभी फेरीवालों तथा उनके सहायकों की पहचान का गहन सत्यापन करने का निर्देश दिया और कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध प्रवासी पाया जाता है, तो संबंधित अधिकारी उसे वापस भेजने समेत कानून के अनुसार कार्रवाई करें। न्यायमूर्ति ए. एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाटा की पीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इन याचिकाओं में महानगर में फुटपाथ और सड़कों पर अवैध व अनधिकृत फेरीवालों के कब्जे की वजह से पैदल चलने वालों और वाहनों को हो रही परेशानी को लेकर चिंता जताई गई थी। अदालत ने बीएमसी को निर्देश दिया कि वह सड़कों और फुटपाथों पर स्थित सभी दुकानदारों की व्यापक जांच करे, यह भी सुनिश्चित करे कि ये दुकानें पैदल यात्रियों या वाहनों की आवाजाही में बाधा न बनें। कहा, महानगरपालिका और पुलिस फेरी लगाने वाले, उनके सहायक के रूप में काम करने वालों की पहचान, उनकी भी जिन पर गैर भारतीय होने का आरोप है, का पूरी तरह से सत्यापन करें।।

हिरासत में मौत मामले में नौ पुलिसकर्मी दोषी करार

मदुरै, एजेंसी

- तमिलनाडु के मदुरै जिले में साल 2020 में हुई थी घटना

तमिलनाडु के मदुरै जिले की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को प्रदेश के थूथुकुडी जिले के साथनकुलम में 2020 में एक व्यक्ति और उसके बेटे को हिरासत में यातना देने के मामले में सभी नौ आरोपी पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया।

पुलिस हिरासत में यातना के बाद पिता-पुत्र की मौत हो गयी थी। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोप साबित कर दिया है और पुलिसकर्मियों को दोषी पाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि दोषी पुलिसकर्मियों को 30 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। मोबाइल फोन की दुकान के मालिक पी जयराज (59) और उनके बेटे जे बेनिक्स (31) को कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के नियमों के कथित उल्लंघन के संबंध में 19 जून 2020 को साथनकुलम पुलिस थाने ले जाया गया था। कोविलपट्टी उप-जेल में हिरासत के दौरान कथित क्रूर यातना दिये जाने के बाद पिता और पुत्र की 23 जून को मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस निरीक्षक एस श्रीधर, उपनिरीक्षक के बालकृष्णन, पी रघुगणेश, मुख्य आरक्षी एस मुरुगन और ए समीदुराई समेत 10 पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप था। इसकी शुरुआती जांच सीबी-सीआईडी ने की थी, जिसे बाद में सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया। इस घटना के कारण उस वक्त राज्य में भारी जनाक्रोश फैल गया था। इस मामले में 105 गवाह थे।

एनसीबी हिरासत में बीएसएफ के कांस्टेबल की मौत

चंडीगढ़/अमृतसर। बीएसएफ के एक कांस्टेबल की स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की हिरासत में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। बीएसएफ कांस्टेबल जसविंदर सिंह को एक मामले में पूछताछ के सिलसिले में तीन मार्च को जम्मू से पकड़ा गया था, जिनकी शुक्रवार रात अमृतसर में इलाज के दौरान मौत हो गई। अमृतसर के मकबूलपुरा थाना प्रभारी जसजीत सिंह ने बताया कि एनसीबी एक मामले की जांच कर रहा था और कांस्टेबल की हालत अचानक बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। शनिवार को अमृतसर सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया। मां गुरमीत कौर ने रविवार को बताया कि उनका बेटा छुट्टी पर घर आया था और तीन मार्च को एनसीबी की जम्मू इकाई उसे अपने साथ ले गई।

न्यूयॉर्क में रनवे पर विमान हादसा पायलट व सह पायलट की मौत

- न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर ट्रक से भिड़ी उड़ान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क के ला गार्डिया हवाई अड्डे पर रविवार रात लैंडिंग के दौरान एयर कनाडा का एक विमान रनवे पर दमकल विभाग के ट्रक से टकरा गया, जिसके चलते दो पायलटों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि भिड़ंत की वजह से विमान का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद 39 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को आसपास के विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से कुछ को गंभीर चोट आई है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

हवाई अड्डे का संचालन करने वाले न्यूयॉर्क एवं न्यूजर्सी पोर्ट अथॉरिटी की कार्यकारी निदेशक कैथरीन गार्सिया ने बताया कि ट्रक में सवार पोर्ट अथॉरिटी के दो कर्मचारी भी घायल हो गए। गार्सिया ने सोमवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों में विमान के पायलट और सह-पायलट शामिल हैं। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के नेतृत्व में घटना की जांच की जा रही है। गार्सिया ने कहा कि दमकल ट्रक यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान से जुड़ी एक अलग घटना के चलते घटनास्थल पर जा रहा था। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान में दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। इससे पहले कहा गया कि एयर कनाडा की ओर से संचालन कर रही जैज एविएशन की उड़ान में 72 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। विमान मॉन्ट्रियल-पियरे एलियट ट्रूडो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। तस्वीरों और वीडियो में विमान का अगला हिस्सा काफी क्षतिग्रस्त दिखता है और कॉकपिट से तार तथा अन्य चीजें लटकी दिखती हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज का दिन नए काम की शुरुआत के लिए अच्छा है। ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। कार्यस्थल पर आपके प्रयासों की सराहना होगी।

वृष आज आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें, आराम करें। धैर्य और समझदारी से काम लें, जल्दबाजी से बचें।

मिथुन आज मित्रों से सहयोग मिलेगा और मन हल्का रहेगा। नए अवसर सामने आ सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं।

कर्क आज भावनाओं में बहने से बचें, व्यावहारिक निर्णय लें। कार्य में थोड़ी मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

सिंह आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। नेतृत्व क्षमता से लोग प्रभावित होंगे। आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं।

कन्या आज का दिन संतुलित रहेगा। योजनाएं सफल होंगी, मेहनत रंग लाएगी। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला आज निर्णय लेते समय सोच-समझकर कदम उठाएं। नए संबंध बन सकते हैं, जो भविष्य में लाभ देंगे। घर का माहौल सुखद रहेगा।

वृश्चिक आज कार्य में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। छिपी हुई चिंताएं सामने आ सकती हैं। ध्यान और योग से मन को शांति मिलेगी।

धनु आज यात्रा के योग बन रहे हैं, लाभदायक साबित हो सकती है। नई सीख और अनुभव मिलेंगे। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

मकर आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कड़ी मेहनत का फल मिलने वाला है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कुंभ आज दोस्तों से मदद मिलेगी। मन में सकारात्मक विचार आएंगे। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

मीन आज रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

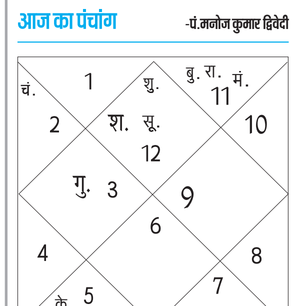

आज की ग्रह स्थिति : 24 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 16.07 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 19.05 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

सुडोकू - 97 का हल

3	1	9	7	5	2	6	8	4
5	4	2	8	6	9	7	1	3
7	6	8	3	4	1	5	9	2
1	5	3	6	9	8	2	4	7
6	9	7	1	2	4	8	3	5
8	2	4	5	7	3	1	6	9
4	7	5	9	1	6	3	2	8
9	3	1	2	8	7	4	5	6
2	8	6	4	3	5	9	7	1

सुडोकू -98

3		9			2			1
7			5		9			
8		5		6				
		1			8		5	4
5	9			4		8		7
				5		2		
			8		6			3
4						9		

देश में और बाहर पढ़ने को उपलब्ध है ऋण की सुविधा

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि बैंक छात्रों को मांग के आधार पर शिक्षा ऋण उपलब्ध करा रहे हैं और इसमें कहीं किसी तरह की कोताही नहीं बरती जा रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में सोमवार को कहा कि आज बैंक सभी जगह उपलब्ध है। विद्यालक्ष्मी और मॉडल विद्यालय में भी भारत सरकार ऋण उपलब्ध कराती है। विद्यालक्ष्मी योजना के तहत तीन प्रतिशत से कम ब्याज दर तय की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार कई शिक्षा संबंधी योजनाएं चला रही है।

संसद में बोली सरकार | केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में पूछे गए सवाल पर दिया स्पष्टीकरण

किसी राज्य पर हिंदी सहित कोई भी भाषा थोपी नहीं जा रही

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किसी राज्य पर हिंदी समेत कोई भी भाषा नहीं थोप रही है। चौधरी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद कलानिधि वीरास्वामी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही।

तमिलनाडु के सदस्य ने उनके राज्य का समग्र शिक्षा अभियान के तहत बकाया धन जारी नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत तीन भाषा के फार्मूले को लेकर चिंता जताई। चौधरी ने कहा कि एनईपी में स्पष्ट रूप से छात्रों को बहुभाषाएं सिखाने से उनके शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख है। सभी राज्यों को स्कूलों में तीन भाषाओं को सिखाने का ढांचा बनाना चाहिए। कम से कम 15 साल तक के बच्चों को विशेष रूप से दो भाषाओं में दक्षता होनी चाहिए जो मातृभाषा हों। तीसरी भाषा पूरी तरह मांग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में केंद्र सरकार समग्र शिक्षा अभियान 2.0 के तहत राज्यों को शिक्षकों की नियुक्ति आदि में मदद करती है। तमिलनाडु में तीन भाषा के फार्मूले को लागू करने पर द्रमुक सांसद की चिंता पर चौधरी ने कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि एनईपी 2020 में कहीं भी हिंदी समेत किसी भाषा को थोपने की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जनगणना 2011 के भाषा एटलस के अनुसार तमिलनाडु में 96 भारतीय भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। चौधरी ने कहा कि एनईपी में तीन भाषाओं में दो मातृभाषाओं को सिखाने की बात है। उन्होंने कहा कि तीन भाषाओं को लागू करने की बात भी दो भाषाओं के फार्मूले, जिसे द्रमुक भी तमिलनाडु में स्वीकार करती है।

तमिलनाडु भी लागू करे पीएमश्री योजना

शिक्षा राज्य मंत्री ने दावा किया कि तमिलनाडु ने मार्च 2024 में पीएमश्री योजना पर समझौता करने की इच्छा जताई थी, लेकिन अभी तक करार नहीं किया है। इस पर द्रमुक के कुछ सदस्यों को आपत्ति जताते सुना गया। चौधरी ने कहा कि अगर आप राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सहमत हैं तो पीएमश्री योजना भी लागू करनी चाहिए। इसे देश में 14 हजार से अधिक स्कूलों के लिए डिजाइन किया गया है।

मुझे लगता है कि मैंने पहले दो गेम में अच्छा खेला, तीसरे गेम में मैं थोड़ी भटक गई थी। गेम के बीच में मेरे कोच मेरे पास आए, तो मैंने उनसे बात की, और उन्होंने मुझसे अच्छी शुरुआत करने पर ध्यान देने को कहा, और मुझे खुशी है कि मैं इसे जीत पाई।
अनाहत सिंह, स्क्वॉश खिलाड़ी

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 24 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मैच के दिनों में कोई भी अभ्यास सत्र करने की नहीं होगी इजाजत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अभ्यास सत्र के लिए जारी किये गये नए दिशा-निर्देशों के तहत मैच के दिनों में कोई भी प्रैक्टिस सेशन करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक अलग इंतजाम भी किया है, जहां मुख्य पिच के दोनों ओर, हर टीम को दो-दो प्रैक्टिस विकेट दिए जाएंगे। जैसा कि पहले बताया गया था, किसी भी टीम को विरोधी टीम के लिए तय किए गए प्रैक्टिस विकेट का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई के एक नोट के अनुसार टीम मैनेजरों को हाल ही में ये अतिरिक्त गाइडलाइंस भेजी गई हैं :- टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मुख्य पिच के पास के विकेटों में से 1 विकेट ''रेंज हिटिंग'' (जोरदार शॉट लगाने की प्रैक्टिस) के लिए मिलेगा। मुंबई के वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर प्रैक्टिस कर रही हैं, तो हर टीम को 2-2 विकेट मिलेंगे।

अहमदाबाद में आईपीएल 2026 सीजन से पहले अभ्यास सत्र के दौरान टाइटन्स के ग्लेन फिलिप्स। एजेंसी

अरुंधति रेड्डी फरवरी की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई। भारत की मध्यम तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को आस्ट्रेलिया में टी20 शृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए फरवरी महीने में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया। वहीं पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को टी20 विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया है। रेड्डी ने तीन मैचों की टी20 शृंखला में भारत की 2.1 से जीत में अहम भूमिका निभाई । उन्होंने शृंखला में 7.25 की इकॉनॉमी दर से आठ विकेट लिए। रेड्डी ने कहा आईसीसी महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना गर्व की बात है।

अनाहत और अभय ने जीते स्क्वॉश के खिताब

मुंबई। शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन ओपन स्क्वॉश टूर्नामेंट का अपना महिला खिताब बरकरार रखा, जबकि अभय सिंह ने पुरुष वर्ग के चैंपियन बने। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में रविवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में स्क्वैश रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत सिंह ने मिस्र की दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी हाना मोअताज़ को 3-1 (11-5, 11-6, 9-11, 11-6) से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। वहीं, अभय सिंह ने अपने ही देश के वीर चोत्रानी को 3-0 (11-9, 11-8, 11-4) से हराकर पुरुषों का फाइनल जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

मुझे आईपीएल का 'इंपैक्ट खिलाड़ी' नियम पसंद नहीं : अक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हरफनमौला और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना करते हुए कहा मुझे यह पसंद नहीं है, क्योंकि इससे उनके जैसे खिलाड़ियों (हरफनमौला) के विकास में बाधा आती है। रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के खिलाफ बोल चुके हैं, जिसके तहत टीमें मैच के किसी भी समय अपनी एकादश में किसी खिलाड़ी को सूचीबद्ध पांच खिलाड़ियों में से किसी एक से बदल सकती हैं। यह नियम 2023 में लागू हुआ था और कम से कम 2027 तक लागू रहेगा।

रोहित ने 2024 में कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है। इसके अगले सत्र में हार्दिक ने कहा था कि टीम में किसी हरफनमौला को चुनना मुश्किल हो गया है, जब तक कि वह बल्ले और गेंद दोनों से समान रूप से अच्छा न हो। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' से जुड़े 'पीटीआई' के सवाल के जवाब में हंसते हुए कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं खुद एक ऑलराउंडर हूं। पहले हम इस भूमिका (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) के लिए ऑलराउंडर चुनते थे। अब टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है। वे कहते हैं कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है? उन्होंने कहा खुद एक ऑलराउंडर होने के नाते मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन साथ ही नियम तो नियम होते हैं। हमें उनका पालन करना होता है। व्यक्तिगत रूप से मुझे यह पसंद नहीं है।

अक्षर ने पिछले आईपीएल सत्र में केवल 204 गेंदें फेंकी थीं, जबकि उससे पिछले सत्र में उन्होंने 264 गेंदें फेंकी थीं। उन्होंने कहा कि यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के कारण नहीं था, बल्कि उंगली की चोट के कारण था, जो उन्हें आईपीएल से पहले परेशान कर रही थी। उन्होंने कहा मैंने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की। यह 'इम्पैक्ट प्लेयर' की वजह से नहीं था। मैं गेंद को स्पिन कराने के लिए जिस उंगली का इस्तेमाल करता हूं, वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद चोटिल हो गई थी।

यह घाव इतना बढ़ गया था कि मैं गेंद की सीम पर पकड़ नहीं बना पा रहा था। अक्षर ने कहा इसीलिए मैं सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही गेंदबाजी कर रहा था और अपनी उंगली का ध्यान रख रहा था। सात मैचों के बाद हालत बेहतर हुई और मैंने नियमित रूप से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया। अक्षर के सामने दिल्ली को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाने की चुनौती है। अक्षर ने महज 18 महीनों में सबसे छोटे प्रारूप में दो बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता है। इस महीने की शुरुआत में टी20 विश्व कप खिताब का बचाव करने वाली टीम की तुलना 2000 के दशक की अजेय ऑस्ट्रेलियाई टीम से की जा रही है। उस समय हालांकि ऑस्ट्रेलिया की टीम को वनडे प्रारूप में सफलता मिली थी। कुछ लोगों ने मौजूदा भारतीय टीम को अब तक की सबसे महान टी20 टीम बताया है। अक्षर ने कहा वह अलग-अलग युगों की टीमों की तुलना करने में विश्वास नहीं रखते। भारतीय टीम के लिए यह सब 2022 के बाद शुरू हुआ। हमने इस तरह की क्रिकेट खेलना शुरू किया और कड़े फैसले लिए।

- 2023 में लागू हुआ था नियम और 2027 तक रहेगा

2024 में रोहित ने कहा था कि उन्हें यह रणनीतिक नियम पसंद नहीं है, क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर खिलाड़ियों के विकास में बाधा आती है

आईपीएल की वजह से टूटी पाकिस्तान सुपर लीग की कमर

विदेशी खिलाड़ी वेतन वृद्धि की मांग के साथ जमकर कर रहें अनुबंध का उल्लंघन

- दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता बनी बड़ी चुनौती
- आयोजन एकसाथ होने से भारत बना खिलाड़ियों की पहली पसंद

कराची, एजेंसी

विदेशी खिलाड़ियों के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बावजूद नाम वापस लेने के कारण दो नई टीमों के साथ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की मेजबानी करना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए लॉजिस्टिक्स (आयोजन संबंधी) और अनुबंध संबंधी परेशानियों का सबब बनता जा रहा है। विदेशी खिलाड़ी अधिक आकर्षक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से करार मिलने के बाद पीएसएल को छोड़ रहे हैं।

दो नई फ्रेंचाइजी को शामिल करने के साथ विस्तारित पीएसएल बृहस्पतिवार को लाहौर में शुरू होने वाली है। यह आईपीएल के 28 मार्च को शुरू होने से दो दिन पहले है। इस तरह इन दोनों लीगों का आयोजन एक साथ होगा।

पीएसएल तीन मई तक चलेगा, जबकि आईपीएल का पूरा कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन यह मई के अंतिम या जून के शुरुआती सप्ताह तक चल सकता है। एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, पीसीबी न केवल खिलाड़ियों द्वारा अनुबंधों के उल्लंघन से जूझ रहा है, बल्कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण कुछ खिलाड़ियों द्वारा अंतिम समय में फीस बढ़ाने की मांग से भी परेशान है।

सूत्र ने बताया पीसीबी इस समय पीएसएल को निर्धारित समय पर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उसने अभी तक नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कोई कार्रवाई तय नहीं की है। नाम वापस लेने वाले खिलाड़ियों पर दो से चार साल तक का प्रतिबंध लगाने के बारे में आंतरिक चर्चा हुई है, लेकिन चिंता बनी हुई है कि ऐसे उपाय भविष्य में शीर्ष विदेशी प्रतिभाओं को पीएसएल फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंध करने से और भी हतोत्साहित कर सकते हैं। उन्होंने कहा ऐसे में एक तर्क यह भी है कि प्रतिबंधों से पीएसएल के आगामी सत्रों के लिए बड़े विदेशी खिलाड़ियों से करार करना और भी मुश्किल हो जाएगा।

सूत्र ने स्वीकार किया कि दोनों लीगों के बीच वित्तीय असमानता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कई खिलाड़ी चोट से जूझ रहे आईपीएल में काफी अधिक वेतन पैकेज दिए जा रहे हैं, जबकि पीएसएल फ्रेंचाइजी उन वेतन पैकेजों का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। पीसीबी ने पिछले साल अनुबंध उल्लंघन के लिए दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी और उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया था। यह कदम हालांकि प्रभावी साबित नहीं हुआ, क्योंकि बॉश ने पीएसएल खिलाड़ी ड्राफ्ट में शामिल होने से पहले ही अगली नीलामी में आईपीएल अनुबंध हासिल कर लिया। पीसीबी द्वारा इस मुद्दे को आईसीसी के अन्य सदस्यों के समक्ष भी उठाने की उम्मीद है, ताकि एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा सके, जो यह सुनिश्चित करे कि खिलाड़ी किसी लीग में शामिल होने के बाद अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों का पालन करें। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मार्नुस लाबुशेन, न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और डेवोन कॉन्वे कुछ अन्य विदेशी खिलाड़ियों के साथ पीएसएल में भाग लेने के लिए लाहौर पहुंच गए।

हस्ताक्षर के बाद नाम वापस लेने वाले खिलाड़ी

इस वर्ष के पीएसएल से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती और जॉनसन चार्ल्स, श्रीलंका के दासुन शनाका, जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी, ऑस्ट्रेलिया के स्पेंसर जॉनसन और जेक फ्रेजर-मैकगर्क, द. अफ्रीका के ओटनेल बार्टमैन, अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज और इंग्लैंड के टायमल मिल्स शामिल हैं।

जीत की खुशी

वर्ल्ड इनडोर एथलेटिक्स में महिलाओं की 60 मीटर हर्डल्स में मेडल जीतने के बाद पोडियम पर पोज देतीं बहामास की डेविन चार्लटन (बीच में), नीदरलैंड्स की नादिन विसर (बाएं), और पोलैंड की पिया स्क्रिजोव्स्का। ● एजेंसी

शनाका राजस्थान रॉयल्स में होंगे शामिल

नई दिल्ली। श्रीलंका के टी20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान दासुन शनाका को सोमवार को आईपीएल के लिए इंग्लैंड के चोटिल ऑलराउंडर सैम कुरेन के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई। शनाका दो करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। शनाका ने श्रीलंका के लिए छह टेस्ट, 71 वनडे और 131 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 3350 से अधिक रन और 86 विकेट हैं। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल में तीन मैच खेले हैं। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच और टीम निदेशक कुमार संगकारा ने खुशी जताई।

बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभ्यास करते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली। एजेंसी

कोहली ने आईपीएल के 18 साल के सफर को किया याद

- बोले-आखिरी गेंदों का इंतजार उस रात का था सबसे मुश्किल हिस्सा

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लंबे इंतजार के बाद मिले पहले खिताब की जीत के उस भावुक पल को बयां करते हुए कहा कि आखिरी गेंदों का इंतजार उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

कोहली ने उन पलों का याद करते हुए कहा, पिछले 18 सालों का पूरा सफर मेरी आंखों के सामने घूम रहा है। उन्होंने कहा कुल मिलाकर, यह हम सभी के लिए एक शानदार रात थी। सच कहूं तो, यह मेरे लिए काफी अवास्तविक था, जब आखिर में सब कुछ हो रहा था तो यह अविश्वसनीय लग रहा था। आंखों के सामने बहुत सी चीजें घूम गईं। पिछले 18 सालों का पूरा सफर। सारे उतार-चढ़ाव, सारे अच्छे पल, बुरे पल। उन्होंने कहा कि आखिरी कुछ गेंदों का इंतजार करना शायद उस रात का सबसे मुश्किल हिस्सा था। इस अनुभवी बल्लेबाज ने इस बात पर बल दिया कि यह जीत उन लोगों के लिए खास मायने रखती थी जो आरसीबी टीम का हिस्सा शुरू से ही रहे हैं। उन्होंने रमेश माने जैसे सपोर्ट स्टाफ सदस्यों के साथ फ्रैंचाइजी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद किया। आरसीबी में हम सभी के लिए यह एक बहुत ही खास रात थी। मैं पहले दिन से ही यहां हूं और रमेश माने भी। हम शायद आरसीबी ग्रुप के सबसे पुराने सदस्य हैं। जब हम फाइनल में पहुंचे, तो मुझे एक शांत आत्मविश्वास महसूस हुआ। लेकिन आप यह भी समझते हैं कि यह कोई आसान काम नहीं होने वाला है। यह एक फ़ाइनल है और दूसरी टीम भी है जिसने वहाँ तक पहुंचने के लिए सच में बहुत अच्छा खेला है। लीग में पहले मिली हारों के जख्मों ने टीम की सोच को गढ़ने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें दबाव में भी अपना ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिली।

स्टार्क को ऑस्ट्रेलिया से अब तक नहीं मिली एनओसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने सोमवार को बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं दिया है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रमुख तेज गेंदबाज एक अप्रैल को टूर्नामेंट में शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव और मुख्य कोच हेमांग बदानी ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में अपने तेज गेंदबाज की उपलब्धता से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। स्टार्क ने पिछले सत्र में 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। बदानी ने कहा हम क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

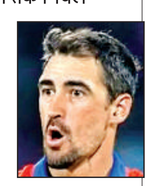

नए चेहरों के साथ सत्र की शुरुआत करेगी भारतीय तीरंदाजी टीम

बैंकॉक, एजेंसी

भारत तीरंदाजी के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र का आगाज यहां मंगलवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले चरण से करेगा जिसके लिये टीम में नामी गिरामी सितारों की बजाय प्रतिभावान युवाओं को जगह दी गई है। भारतीय टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, धीरज बोम्मादेवरा, तरूणदीप राय , ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा नहीं हैं।

भारतीय टीम प्रबंधन जापान में सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों तक चलने वाले इस व्यस्त सत्र के पहले टूर्नामेंट में अपने युवा खिलाड़ियों को आजमाना चाहता है। शीर्ष तीरंदाज मैक्सिको और शंघाई में अप्रैल से होने वाले विश्व कप के पहले दो चरण के लिए वापसी करेंगे। पिछले साल भारत ने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीते थे ।

दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज की गैर मौजूदगी में भारत का पलड़ा फिर भारी लग रहा है। उसे चीन और बांग्लादेश से चुनौती मिल सकती है। रिकर्व पुरूष वर्ग में आस्ट्रेलिया के रियान टियाक प्रबल दावेदार हैं जो विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर हैं । महिला वर्ग में रूस में जन्मी तटस्थ खिलाड़ी नूरिनिस्सो माखमुदोवा (45वीं रैंकिंग) सर्वोच्च रैंकिंग वाली तीरंदाज हैं।

भारतीय पुरूष कंपाउंड टीम में दुनिया के चौथे नंबर के तीरंदाज ऋषभ यादव, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रथमेश जावकर और रजत चौहान हैं।पिछले साल कुशल दलाल ने व्यक्तिगत स्वर्ण जीता था जबकि मानव जाधव और गणेश तिरिमुरू के साथ टीम स्वर्ण अपने नाम किया था। महिला वर्ग में ज्योति की गैर मौजूदगी में नजरें 20 वर्ष की चिकिथा तानीपर्थी पर होंगी जो विश्व रैंकिंग में 37वें स्थान पर हैं।

एशिया कप

टीम

रिकर्व पुरुष : देवांग गुप्ता, आरव पूनिया, जुयेल सरकार और सुखचैन सिंह। **रिकर्व महिला** : कीर्तिक, अंशिका कुमारी, रूमा बिस्वास और रिद्धि। **कंपाउंड पुरुष** : रजत चौहान, प्रथमेश जावकर, उदय कम्बोज और ऋषभ यादव। **कंपाउंड महिला** : स्वाति दुधवाल, राज कौर, तेजल साल्वे और चिकिथा तानीपर्थी।

उपलब्धि | भुवनेश्वर करेगा मेजबानी, कलिंगा इनडोर स्टेडियम में होगी आयोजित, दो साल बाद होगी विश्व चैम्पियनशिप

भारतीय इनडोर एथलेटिक्स के नए युग की आज से शुरुआत

भुवनेश्वर, एजेंसी

भारत संकरे ट्रैक और एक समान हालात वाले इनडोर एथलेटिक्स में अपने सफर की औपचारिक शुरुआत मंगलवार से यहां शुरू हो रही पहली राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के जरिये करेगा जबकि दो साल बाद इसी स्थान पर उसे विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करनी है। पिछले सप्ताह भारत को विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिली है जो इसी स्थान पर तीन से पांच मार्च, 2028 में होगी।

भारत में पहली बार ट्रैक और फील्ड की विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन होगा। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप दो दिन तक चलेगी। भारत में शीर्ष स्तर की इंडोर सुविधाओं के अभाव में इंडोर एथलेटिक्स उतना लोकप्रिय नहीं रहा है। कुछ भारतीय हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करते आए हैं। इनडोर स्पर्धाओं में खिलाड़ी संकरे ट्रैक पर उतरते हैं। आउटडोर 400 मीटर ट्रैक चौड़े और सपाट टर्न वाले होते हैं। इंडोर स्पर्धायें हवा या मौसम से प्रभावित नहीं होती क्योंकि भीतर एक सी परिस्थितियां होती है।

भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा और 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले इसमें भाग नहीं लेंगे क्योंकि उनकी स्पर्धायें रोस्टर का हिस्सा नहीं हैं। कलिंगा स्टेडियम परिसर के भीतर विश्व स्तरीय सुविधायें तैयार होने के बाद भारत ने विश्व एथलेटिक्स को 2028 चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए मनाया है । भारत को 2028 में होने वाली एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी मिलने की भी उम्मीद है जिस पर फैसला मई में लिया जाएगा। अधिकांश भारतीय एथलीटों, आयोजकों और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अधिकारियों के लिये यह नया अनुभव होगा। इनडोर स्पर्धा 200 मीटर के ट्रैक पर होगी। सबसे छोटी फर्राटा दौड़ 60 मीटर की है। ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद , त्रिकूद और शॉटपुट को इसमें शामिल किया गया है लेकिन भालाफेंक, चक्काफेंक या तारगोला फेंक जैसी थ्रो स्पर्धायें नहीं होंगी।

300 एथलीट कर रहे प्रतिभाग

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सबसे बड़े दल हैं। दो दिन में पुरुष और महिला वर्ग में 11 स्पर्धायें होंगी जिनमें 60 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर, 60 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, पोल वॉल्ट, लंबी कूद, त्रिकूद और शॉटपुट शामिल हैं ।हाल ही में पोलैंड में विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शामिल की गई चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले इसका हिस्सा नहीं है ।चार गुणा 400 मीटर महिला और पुरुष रिले, पुरूष हेप्टाथलन और महिला पेंटाथलन को भी जगह नहीं दी गई है।